२४.	राजा राममोहन राय छात्रावास	सामाजिक विज्ञान संकाय	२२८	२२८	५१३	३	४
२५.	बिरला 'अ' छात्रावास	कला संकाय	१४५	२८४	२८६	३	५
२६.	बिरला 'ब' छात्रावास	कला संकाय	११५	११५	१३६	२	३
२७.	बिरला 'स' छात्रावास	कला संकाय	१४५	२५८	२६५	३	३
२८.	डॉ. ए. बी. छात्रावास (कमच्छा)	कला संकाय	९८	९२	१८४	१	१
२९.	न्यू पी. जी. एजुकेशन छात्रावास	शिक्षा संकाय	४७	४२	९२	०	१
३०.	डॉ. आर .पी. छात्रावास (कमच्छा)	शिक्षा संकाय	५८	१२३	२४६	१	१
३१.	डॉ. भगवान दास छात्रावास	विधि संकाय	१२०	२४८	२४८	१	१
३२.	डॉ. बी. आर .अम्बेडकर छात्रावास	विधि संकाय	७२	७०	१२७	०	१
३३.	मैनेजमेंट छात्रावास	प्रबन्धशास्त्र संकाय	६४	१२८	१२५	२	०
३४.	डॉ. आई. एन. गुर्टू छात्रावास	वाणिज्य संकाय	१२०	२४०	२४४	२	२
३५.	राम किंकर छात्रावास	दृश्य कला संकाय	१२	२४	२५	०	०
३६.	रींवा कोठी छात्रावास, अस्सी	मंच कला संकाय	३९	४४	४७	०	१
३७.	रुईया छात्रावास (संस्कृत ब्लाक)	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय	६९	१५०	१८७	१	१
३८.	सरदार बल्लभ भाई पटेल छात्रावास	शोध छात्रों के लिए	५१	२००	१०२	१	१
३९.	शिवालिक ब्वायज़ छात्रावास	राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	१५०	२००	३००	१	१
४०.	विन्ध्यांचल ब्वायज़ छात्रावास	शोध छात्रों के लिए	१५०	१५०	३००	१	१
४१.	न्यू ब्वायज़ छात्रावास	राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	२९	५६	६१	०	१

९.२.२. छात्राओं के लिये छात्रावास

क्र.सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
१.	गाँधी स्मृति महिला छात्रावास	प्रौद्योगिकी संस्थान	८४	१६६	२४९	२	०
२.	आई. टी. गर्ल्स छात्रावास नं.१	प्रौद्योगिकी संस्थान	२१	३२	४६	०	०
३.	आई. टी. गर्ल्स छात्रावास नं. २	प्रौद्योगिकी संस्थान	५	१०	१६	०	०
४.	कस्तूरबा गर्ल्स छात्रावास	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	१११	६३	१७७	२	१
५.	सुकन्या गर्ल्स छात्रावास (आयु.)	चिकित्सा विज्ञान संस्थान	३४	१०९	६७	१	२
६.	एग्रीकल्चर गर्ल्स छात्रावास	कृषि विज्ञान संस्थान	१३	४०	४७	०	०
७.	गार्गी गर्ल्स छात्रावास	विज्ञान संकाय	५६	२००	१३०	१	४
८.	एस. एन. पी. जी. गर्ल्स छात्रावास	विज्ञान संकाय	७०	१०८	१४०	१	१

९.	डॉ. जे. सी. बोस गर्ल्स छात्रावास	विज्ञान संकाय	९१	१४०	१८८	१	१
१०.	ज्योति कुंज गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	१४३	२८८	२८६	१	२
११.	स्वास्ति कुंज गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	५०	१८८	२१०	१	२
१२.	कीर्ति कुंज गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	६१	१७८	२७४	१	०
१३.	कुन्दन देवी मालवीय गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	७४	१४८	१४८	१	२
१४.	पावगी हाउस गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	६	२२	२२	१	१
१५.	नवीन गर्ल्स छात्रावास	महिला महाविद्यालय	१८	१०८	११२	१	०
१६.	गंगा गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	८६	१८०	१८८	२	०
१७.	यमुना गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	७३	१४४	१८२	१	९
१८.	सरस्वती गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	९७	२०२	२१०	१	०
१९.	गोदावरी गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	७८	१५६	१८८	१	०
२०.	कावेरी गर्ल्स छात्रावास	त्रिवेणी परिसर	७९	१००	२४२	१	०
२१.	विन्ध्यवासिनी गर्ल्स छात्रावास	राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा	१२०	२३०	२४६	१	१

९.२.३. छात्रों के लिये छात्रावास (विवाहित/विदेशी)

क्र.सं.	छात्रावासों के नाम	संस्थान/संकाय	कमरों की संख्या	कुल छात्र	कुल छात्रावासी	सार्वजनिक कक्ष	भण्डार कक्ष
१.	सिद्धार्थ विहार	विदेशी	१४	३५	२८	१	०
२.	इन्टरनेशनल हाउस	विदेशी	९०	९०	९५	१	२
३.	इन्टरनेशनल हाउस एनेक्स (गर्ल्स)	विदेशी	१४	२४	२४	१	१
४.	इन्टरनेशनल गर्ल्स हास्टल	विदेशी	२२	४०	३४	१	१

९.१.४ विश्वविद्यालय कर्मचारियों के निवास हेतु आवासीय सुविधाएँ (शिक्षण एवं गैर-शिक्षण)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधाएँ प्रदान करता है। वर्तमान समय में ६४२ आवास शिक्षण एवं ६७६ आवास गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा में शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए १२-१२ क्वाटर्स बनवाये गये हैं। इसी क्रम में मिनिस्ट्रियल ग्रेड के २४ क्वाटर सुन्दर बगिया परिसर में एवं २४ क्वाटर्स बतराबाग (सनबीम स्कूल, भगवानपुर के समीप) में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए, निर्माण अन्तिम चरण में है।

९.२. अतिथि गृह संकुल

अतिथि गृह संकुल, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्तर्गत लक्ष्मण दास अतिथि गृह, विश्वविद्यालय अतिथि गृह एवं संकाय अतिथि गृह आता है। लक्ष्मण दास अतिथि गृह में कुल छः सूट एवं दो शैय्या वाला एक कक्ष तथा एक तीन शैय्या वाला डारमिटरी हाल है। इसी अतिथि गृह में एक सुव्यवस्थित भोजन कक्ष एवं बैठक कक्ष भी है। विश्वविद्यालय अतिथि गृह में कुल छः सूट चौदह कक्ष, (प्रत्येक में दो शैय्या) तथा एक सोलह शैय्या वाला बड़ा डारमिटरी हाल तथा छः शैय्या वाला छोटा डारमिटरी हाल है एवं एक सुव्यवस्थित भोजन कक्ष भी है। दोनों अतिथि गृह में सभी सूट, कमरे व भोजन कक्ष पूर्णरूप से वातानुकूलित सुविधा से युक्त हैं। संकाय अतिथि गृह में तीन शैय्या वाले बारह कक्ष, पाँच शैय्या वाले सात कक्ष एवं छः शैय्या वाले दो डारमिटरी हाल हैं। इनमें पाँच शैय्या वाले दो कक्ष एवं तीन शैय्या वाले छः कक्ष पूर्णरूप से वातानुकूलित सुविधा से युक्त हैं। इस अतिथि गृह में वांछित सुविधाओ से युक्त एक भोजन कक्ष तैयार किया जा रहा है। सभी अतिथि गृहों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त रसोईघर हैं जो विश्वविद्यालय के अतिथियों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए कम दामों में भोजन उपलब्ध कराते हैं। अतिथि गृह समूह विश्वविद्यालय

कर्मचारियों की आधिकारिक एवं व्यक्तिगत आवश्यकतानुसार पूर्व सूचना पर भोजन सम्बंधी जरूरतों को भी पूरा करता है, साथ ही साथ विश्वविद्यालय, संस्थानों एवं विभागों में समय-समय पर होने वाले विभिन्न प्रकार के आयोजनों में भोज्य सम्बन्धी पदार्थों की भी व्यवस्था करता आ रहा है। अतिथि गृह भारत के विभिन्न उच्चपदाधिकारियों एवं अन्य देशों के लोगों को भी श्रेष्ठ सेवा प्रदान करने का अवसर प्राप्त कर चुका है। भारत के महामहिम राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं विभिन्न राज्यों के राज्यपाल इन अतिथि गृहों में निवास कर चुके हैं। लक्ष्मण दास अतिथि गृह के विस्तार का कार्य प्रगति पर है। प्रतिवर्ष देश-विदेश से आये हुए लगभग १८,००० अतिथियों का स्वागत एवं सेवा भी अतिथि गृह समूह करता है। अतिथि गृह समूह विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रमों के समय माँग के अनुसार अपनी सेवायें बेहतर एवं सुव्यवथित ढंग से प्रस्तुत करता रहा है।

९.३. इन्टरनेट एवं संगणक (संगणक केन्द्र)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में शैक्षणिक ज्ञान के विकास में संगणक केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह केन्द्र छात्रों, शोध छात्रों और शिक्षक सदस्यों में अनुसंधान के विकास में महती योगदान करते हुए उन्हें संगणन सुविधायें, इन्टरनेट सुविधायें और वेब सेवा सम्बन्धी सुविधायें प्रदान कर रहा है।

विश्वविद्यालय समुदाय द्वारा सूचनाओं और संचार के आदान प्रदान के लिए ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर के उपयोग द्वारा मेल सुविधाएँ प्रदान कर रहा है। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में का.हि.वि.वि. मेल सेवाओं के लगभग १४०० उपयोगकर्ता है। यह मेल सेवा बिना किसी रूकावट और बिना किसी अतिरिक्त लागत के अपने प्रबन्धन एवं कार्य प्रणाली पर स्वआश्रित है।

यहाँ वेब सेवा के पेज को उन्नत और संशोधित किया गया है जिसे इसके उपयोगकर्ता प्रभावी अवलोकन के लिए तीव्र और सरलता से उपयोग कर सकें। केन्द्र ने अपने उपयोगकर्ताओं को आइ एस पीज् जैसे बी एस एन एल (१०० एम बी पी एस), रिलायन्स (६० एम बी पी एस.) और अभी-अभी बी एस एन एल (१ जीबी पी एस) स्थापित किया है, जिसके माध्यम से इंटरनेट सेवायें प्रदान कर रहा है। रेलटेल के माध्यम से एवं राष्ट्रीय ज्ञान संजाल (एन के एन) के माध्यम से और भी १ जी बी पी एस कनेक्टिविटी इस केन्द्र में बढ़ने वाली है जिससे इन्टरनेट सेवायें बेहतर हो सके। इसके लिए स्थापन सुविधायें प्रारम्भ की जा चुकी हैं।

कम्प्यूटर संजाल (लैन) १०० किमी. क्षमता का फाइबर ऑप्टिक्स परिसर में विछाया जा चुका है (सेगमेंटल: १ जी बी पी एस एण्ड बैकबोन: १० जी बी पी एस) के साथ मीडिया कैपेसिटी के द्वारा बैडंविथ : अपटू १० जी बी पी एस (बैकबोन) और हाइब्रिड नेटवर्क (१००% रिडन्डेन्सी ऐट डिस्ट्रिब्यूसन बैकबोन)। वर्तमान में २०,००० से २५,००० तक नोड्स का उपयोग विभागों और कार्यालयों और छात्रावासों में किये जा रहे हैं। संगणक केन्द्र चौबीसों घंटे इंटरनेट सुविधाओं को सुनिश्चित करता है और इनकी देखभाल में भी संलग्न है। केन्द्र परिसर में वाई-मैक्स को प्रारम्भ करने जा रहा है और इसे नव-निर्मित भवन में स्थापित करने की योजना बना रहा है।

यह केन्द्र दिन प्रतिदिन ४×२० के वी ए यूपीएस प्रणाली का अनुरक्षण करता है। थ्री फेज़ हैवी ड्यूटी पावर पैनल के अनुरक्षण एवं प्रबंधन और फेज़ के अनुसार भार वितरण (प्रकाश एवं पावर दोनों) का कार्य जिम्मेदारी पूर्वक करता है। इसके साथ ही ३२० के वी ए और १६० के वी ए डीजल जेनरेटर सेट का अनुरक्षण और प्रबंधन भी करता है। सभी मुख्य और उपयोग प्रणाली को निम्न तापक्रम रखने के लिए हमारे पास ४० टी आर ×४ वोल्टाज निर्मित ए.सी. संयंत्र है जो सभी मोटरों और शीतरहित पम्पों से जुड़े हैं। संगणक केन्द्रकर्मी इन सभी इलेक्ट्रों मेकेनिकल इक्विपमेंट्स के साथ दो ह्यूज़ वॉटर टावर का दिन प्रतिदिन अनुरक्षण एवं संचालन की निगरानी करते हैं।

इन सभी प्रणालियों की दिन प्रतिदिन का अनुरक्षण कार्य (डेस्कटॉप/लैपटॉप और सर्वर और स्टोरेज सिस्टम) जैसे लाइन प्रिंटर डेस्कटॉप लेजर प्रिंटर स्केनर और उससे सम्बन्धित हार्डवेयर आफिस प्रबन्धन व मरम्मत का कार्य भी किया जाता है। इसके साथ ही आई पी टेलीफोनी सिस्टमों, ई पी ए बी एक्स उपकरणों, पब्लिक एण्ड प्राइवेट नेटवर्क आईपी एड्रेस (स्टेटिक एण्ड डाइनेमिक) कन्ट्रोल का दिन प्रतिदिन का अनुक्षण और प्रबंधन भी किया जाता है। उसके बाद उपयोगकर्ता स्तर के शिकायतों का समुचित समाधान एवं निगरानी की जाती है उपकरण में गड़बडी के लिए सम्पूर्ण लैन की निगरानी का कार्य भी किया जाता है।

संगणन सुविधायें प्रदान करने के लिए अब हमारे पास दो सन सर्वर, और ८४५१ प्रोसेसर, पहले से उपलब्ध सर्वरों के अतिरिक्त हैं। इस विश्वविद्यालय के छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों द्वारा उनकी आवश्यकतानुसार शोध कार्यों के साथ सभी प्रकार के आंकड़ों की तैयारी और उसका विश्लेषण किया जाता है। संगणक केन्द्र द्वारा छात्रों के लिए ओपेन एम पी आई साफ्टरवेयर के साथ मल्टिपल सीपीयू के उपयोग द्वारा प्रोग्राम लेखन किया जाता है। शीघ्र ही केन्द्र में एच पी सी (हाई परफार्मेन्स कम्प्यूटिंग) सिस्टम उपलब्ध हो जायेगा जिसके लिए संकाय सदस्यों और शोध छात्रों के साथ व्यापक विचार विमर्श के उपरान्त निविदा को अन्तिम रूप दिया गया है।

संगणक केन्द्र द्वारा त्रुटिहीन तरीके के से स्नातक प्रवेश परीक्षा (यू ई टी), स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (पी ई टी), स्कूल प्रवेश परीक्षा (एस ई टी) और सम्मिलित शोध प्रवेश परीक्षा (सी आर ई टीं) और मेडिकल प्रवेश परीक्षा (एम ई टी) के उत्तर प्रपत्रों का अग्रगमन किया जाता है। उत्तर प्रपत्रों को संगणक केन्द्र में ओ एम आर के माध्यम से स्केन किया जाता है और आंकड़ों की स्थान वरिष्ठता सूची तैयार की जाती है। यह कार्य शत प्रतिशत शुद्ध होता है और इसके लिए सॉफ्टवेयर को यहीं विकसित और अद्यतन किया गया है। प्रवेश परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों का परिणाम काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bhu.ac.in पर भी प्रकाशित किया जाता है। इस वर्ष

से केन्द्र द्वारा ऑन लाइन प्रवेश परीक्षा आवेदन पत्र का कार्य भी प्रारम्भ किया गया है। विश्वविद्यालय कर्मचारियों (शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक) के लिए अवकाश नकदीकरण और संगंणक केन्द्र ग्रंथालय सूचना प्रणाली के सम्बन्ध में सॉफ्टवेयर विकसित करने का कार्य प्रगति पर है।

केन्द्र ने इस वर्ष भी एम सी ए और एम.एससी (संगणक विज्ञान) के छात्रों के लिए नियोजन सुविधायें प्रदान की हैं। दोनो पाठ्यक्रमों के छात्र राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों में सूचना एवं संगणक उपयोग प्रौद्योगिकी हेतु उपस्थित हुए और चयनित भी हुए। आवश्यकता पड़ने पर एम सी ए और एम. एसी (संगणक विज्ञान) के छात्रों के नियोजन हेतु ऑन लाइन परीक्षा भी संचालित की जाती है।

संगणक केन्द्र द्वारा कार्यालय ऑटोमेशन के उपयोग में ज्ञान और समझदारी विकसित करने के उद्देश्य से सहायक कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्य भी आयोजित किया जाता है। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कार्यालय प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्रीय कार्यालय के अनुभाग अधिकारियों, वरिष्ठ सहायकों, वरिष्ठ लिपिकों और कनिष्ठ लिपिकों को पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से निर्देश और प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ संगणक पर अभ्यास सत्र में व्यावहारिक ज्ञान भी कराया जाता है।

इस वर्ष ग्रीष्मावकाश के दौरान भारत के विभिन्न संस्थानों के एम सी ए और एम. एससी. (संगणक विज्ञान) तथा अभियांत्रिकी के छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

९.४. सम्मेलन कक्ष

विश्वविद्यालय के पास सभागार, प्रेक्षागृह और विभिन्न अवसरों जैसे स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, पूजा और उत्सव आदि के लिए तथा शैक्षणिक बैठकों, संगोष्ठी, कार्यशालाएं, सम्मेलनों, पाठ्य गतिविधियो और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए स्थल उपलब्ध हैं। इनमें से संगोष्ठी एवं सम्मेलनों के लिए मुख्य सभागार निम्नलिखित है :

१. स्वतन्त्रता भवन
२. के० एन० उडुप्पा प्रेक्षागृह
३. कला संकाय प्रेक्षागृह
४. गोपाल त्रिपाठी प्रेक्षागृह
५. पं० ओंकार नाथ ठाकुर प्रेक्षागृह
६. डॉ० राधा कृष्णन सभागार
७. प्रदर्शनी कक्ष
८. सभागार संख्या-१ (केन्द्रीय कार्यालय)
९. सभागार भवन (प्रौद्योगिकी संस्थान)
१०. सभागार संख्या-२ (केन्द्रीय कार्यालय)
११. महिला महाविद्यालय प्रेक्षागृह

९.५. पुरातन् छात्र प्रकोष्ठ

फरवरी २००६ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुरातन् छात्र प्रकोष्ठ की स्थापना पुरातन् छात्र से सम्बन्धित सभी क्रिया कलापों के संचालन के लिए की गई। इसके अन्तर्गत पुरातन् छात्रों की सूची तैयार एवं अद्यतन करना, महामना द्वारा किये गये कार्यों एवं उन पर हुए कार्यों को प्रकाशित करना, प्रान्तीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पुरातन् छात्र समागम आयोजित करना तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्विभाषीय पुरातन् छात्र समाचार पत्र का प्रकाशन करना है।

इस वर्ष पुरातन छात्रों का 'राष्ट्रीय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय पुरातन् छात्र समागम (बीएचयू. पूर्व छात्र समागम २०१०) और उच्चशिक्षा तथा संपोष्य विकास: उभरती चुनौतियों और महामना की दृष्टि'' विषयक संगोष्ठी दिसम्बर २४-२५, २०१० को आयोजित की गई। इसके उद्घाटन दिवस को (२५ दिसम्बर) मालवीय जी के १४९वें जन्म दिन के रूप में चिन्हित किया गया। और इस दिवस को संपोष्य विकास पर जागरूकता केन्द्रित करने के लिए संपोष्य दिवस के रूप में भी मनाया गया।

इस समागम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ० कर्ण सिंह, माननीय कुलाधिपति, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा की गयी। उन्होंने महामना की आत्मा और उद्देश्यों पर बल देते हुए कहा कि इसी से मानवता की एकता का पोषण हो सकेगा और वैश्विक स्तर पर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के जीवन में सुरक्षा, शान्ति, सम्पन्नता और प्रसन्नता की संरक्षता हो सकेगी। इस समारोह में माननीय पूर्व न्यायाधीश गिरधर मालवीय (पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामना मालवीय मिशन) की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी जिन्होंने महामनाजी की दृष्टि को समझने में असफलता पर चर्चा करते हुए कहा कि इसकी वजह से शिक्षा की गुणवत्ता के संकट सहित उच्च शिक्षा में अनेक चुनौतियाँ उभर कर सामने आयी हैं जिसमें नैतिक एवं माननीय मूल्यों में गिरावट आयी है। सम्पूर्ण देश से लगभग १७०० प्रतिभागियों ने समागम में भाग लिया।

विभिन्न तकनीकी सत्रों में अनेक लब्ध-प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया जिनमें प्रमुख रूप से डॉ. जे.एस. यादव (निदेशक, भारतीय रसायन प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद), डॉ. प्रीतम सिंह (पूर्व निदेशक) भारतीय प्रबन्ध शास्त्र संस्थान, लखनऊ, डॉ० किरन छोकर (कार्यक्रम निदेशक, पर्यावरण शिक्षा केन्द्र, अहमदाबाद), प्रो० ए.एन.राय (कुलपति, नॉर्थ ईस्ट हिल यूनिवर्सीटी, शिलांग) ओर प्रो०एच.आर. शर्मा और प्रो० ए.एस. रघुवंशी (का.हि.वि.वि.) शमिल थे।

तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता प्रो० डी.पी. सिंह (मानद सभापति, पुरातन् छात्र प्रकोष्ठ), डॉ० जे.एस. यादव (हैदराबाद) और प्रो० बी.डी. सिंह (मानद सभापति, पुरातन् छात्र प्रकोष्ठ) द्वारा की गयी। समापन समारोह की अध्यक्षता प्रो० डी.पी. सिंह (कुलपति का.हि. वि.वि.) द्वारा की गयी और प्रो० ए.एन. राय (कुलपति, नेहू, शिलांग) ने मुख्य अतिथि के रूप में का.हि.वि.वि. और इसके पुरातन् छात्रों के बीच सम्बन्धों को और मजबूत करने पर बल दिया।

इस वर्ष के समागम को मालवीयजी की १५० वीं जयंती वर्ष के रूप में जोड़कर ''पुरातन् छात्र विचार विमर्श'' पर विशेष सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान में की जा रही चुनौतियों का सामना के सम्बन्ध मे अपनें विचारों

को प्रस्तुत किया। इसके साथ ही उन्होंने महामनाजी की दृष्टि के समन्वय द्वारा इसे समृद्ध करने और संपोष्य विकास को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इस सत्र के मुख्य अतिथि प्रो० बी. एम. शुक्ल (पूर्व कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय) और सम्मानित अतिथि डॉ० प्रीतम सिंह थे। इस वर्ष विश्वविद्यालय का लब्धप्रतिष्ठ पूर्व छात्र पुरस्कार पद्मभूषण प्रो० सत्यव्रत शास्त्री (नई दिल्ली), श्री निकेश अरोड़ा (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गूगल, यूएसए), डॉ० कमल साहनी (कानपुर), प्रो० अनिल चन्द्रा (लखनऊ), डॉ० जी. मलकोन्दैया (निदेशक डी एम आर सी, हैदराबाद), आचार्य जगन्नाथ पाठक (इलाहाबाद) को प्रदान किया गया।

इस समागम के एक मुख्य अंश के रूप में संगोष्ठी की विषय वस्तु पर आधारित ''पोस्टर प्रदर्शनी'' का उद्घाटन प्रो० ए.एन. राय (कुलपति, नेहू, शिलांग), द्वारा किया गया। इस अवसर पर एक संकाय प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन प्रो० निकेश अरोड़ा (गूगल, यूएसए) द्वारा किया गया। इसमें संस्थानों, संकायों और संबद्ध महाविद्यालयों की उपलब्धियों की झलकियाँ प्रस्तुत की गयीं। इस प्रदर्शनी ने पुरातन छात्रों को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रगति की संक्षिप्त रूप रेखा से परिचित कराया।

महामना मालवीयजी का आगामी जन्म दिवस दिसम्बर २५, २०११ को है, जो उनकी १५०वीं जयंती वर्ष होगी। माननीय प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय समिति का गठन किया गया है जो महामनाजी के १५०वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में दिसम्बर २५,२०११ से दिसम्बर २५,२०१२ तक वर्ष पर्यंत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। इस जयंती वर्ष की अवधि में पुरातन् छात्र प्रकोष्ठ द्वारा अनेक प्रकार की गतिविधियों के संचालन की योजना बनायी गयी है। पुरातन् छात्र प्रकोष्ठ अपने सदस्यों के साथ सम्बन्धों को स्थापित करने के अभियान को जारी रखते हुए और अपने संस्थापक महामना पं० मदन मोहन मालवीयजी की दृष्टि एवं महान विचारों को फैलाने एवं वृद्धि करने के लिए अपने पुरातन् छात्रों के साथ सतत् तत्पर है।

९.६. भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्

भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् की स्थापना दिनांक ९ अप्रैल, १९५० को स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम द्वारा की गयी। भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्, क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी द्वारा वर्ष २०१०-११ में विभिन्न स्थानीय सांस्कृतिक संस्थाओं/राज्य सरकार एवं काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सहयोग से **'क्षितिज शृंखला'** का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया।

परिषद् द्वारा इस वर्ष, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया जिनका विवरण इस प्रकार है -

१. परिषद् ने दिनांक १४ नबम्बर २०१० को **'इन्डियन एजिंग कांग्रेस २०१०'** के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु चिकित्सा विज्ञान संकाय, काहिविवि को कत्थक नृत्य, तबला, ताल यात्रा एवं बासुरी वादन हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया।
२. परिषद् ने दिनांक १५ दिसम्बर २०१० को **वूमेन्स स्टडीज़ एण्ड डेवलपमेंट, काहिविवि** को मिस् मीता वशिष्ठ द्वारा **'लाल देद'** नाटक प्रस्तुति हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया।
३. परिषद् ने दिनांक १७ जनवरी से २१ जनवरी २०११ तक आयोजित **'पूर्वाचार्य स्मृति संगीत समारोह २०११'** के उपलक्ष्य में आयोजित संस्कृतिक कार्यक्रम हेतु मंच कला संकाय, काहिविवि को आर्थिक सहयोग प्रदान किया।
४. परिषद् ने दिनांक १७ फरवरी से २० फरवरी २०११ तक के लिए आई०टी० ज़िमखाना, बी०एच०यू० को **'काशी यात्रा २०११'** के उपलक्ष्य में जयपुर बीट्स द्वारा आयोजित **'फ्यूज़न नाईट'** की प्रस्तुति हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया।
५. परिषद् ने दिनांक २६ फरवरी २०११ को अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र, बी०एच०यू० के संयुक्त तत्वावधान में **'इण्टरनेशनल स्टूडेन्ट्स डे/ इण्टरनेशनल हॉस्टल डे'** का सफल आयोजन किया गया। भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद्, क्षेत्रीय कार्यालय, बी०एच०यू०, वाराणसी द्वारा इस वर्ष पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, मंच कला संकाय में दो अन्तर्राष्ट्रीय कल्चरल ग्रुप्स की मेजबानी की।
६. दिनांक २२ अगस्त २०१० को, **थाइलैण्ड** से आये हुए ५ सदस्यीय 'नंग थलुंग ग्रुप' द्वारा **'शैडो पपेट'** का प्रदर्शन किया गया।
७. दिनांक २० दिसम्बर २०१० को, **अल्जीरिया** से आये हुए ३२ सदस्यीय ग्रुप द्वारा **'बेलेट डांस'** का प्रदर्शन किया गया।
८. भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद, क्षेत्रीय कार्यालय, काहिविवि, वाराणसी द्वारा वर्ष २०१०-११ में विभिन्न छात्रवृत्तीय योजना के अन्तर्गत, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, से शिक्षा ग्रहण कर रहे २४ देशों के ८४ अन्तर्राष्ट्रीय छात्र-छात्राओं को रु.१,०४,२०,४२८/- की छात्रवृत्ति प्रदान की गयी।

९.७. इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी की स्थापना इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की बोर्ड ऑफ मैनेजमेन्ट की ९३बेवीं बैठक के द्वारा ०७.०१.२००८ को की गई। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी का कार्य क्षेत्र अम्बेडकर नगर, कुशीनगर, आजगमढ़, महराजगंज, बलिया, मऊ, चंदौली, मिर्जापुर, देवरिया, सन्त कबीर नगर, गाजीपुर, सन्त रविदास नगर, गोरखपुर, सोनभद्र, जौनपुर एवं वाराणसी हैं।

गुणवत्ता शिक्षा प्रदान कराने के लिये समाज के विभिन्न पिछड़े वर्गों में की गयी नयी पहल

केन्द्रीय कारागार, वाराणसी एवं गोरखपुर में अध्ययन केन्द्र की स्थापना

इग्नू द्वारा केन्द्रीय कारागार, वाराणसी में स्थापित विशेष अध्ययन केन्द्र ४८०१३ डी बहुत अच्छी तरह से कार्यान्वित है। जिससे कैदी

इग्नू में दाखिला लेने के लिये प्रेरित हुये।

- इग्नू विशेष अध्ययन केन्द्र ४८०१३ डी, केन्द्रीय कारागार, वाराणसी पर २३ जनवरी २०११ को एवं विशेष अध्ययन केन्द्र ४८०१६ डी, जिला कारागार, गोरखपुर पर ६ फरवरी २०११ को परिचय सभा का आयोजन किया गया।
- जून २०१० एवं दिसम्बर २०१० की सत्रांत परीक्षा सुचारु रूप से सम्पन्न करायी गयी।
- १९ नवम्बर २०१० से २३ नवम्बर २०११ तक जेल कैदियों हेतु पाँच दिन का कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

अल्पसंख्यक वर्ग हेतु

- दारूल उलूम हबीबिया रिज्जविया, संत रविदास नगर (भदोही) में अल्पसंख्यकों हेतु इग्नू द्वारा स्थापित विशेष अध्ययन केन्द्र-४८०२० का उद्घाटन माननीय श्री सलमान खुर्शीद, जल संसाधन और अल्पसंख्यक वर्ग मंत्री द्वारा दिनांक १७ अप्रैल २०११ को किया गया। माननीय मंत्री जी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों (विशेष रूप से जेल कैदियों, अल्पसंख्यकों, शारीरिक रूप से विकलांग और महिलाओं) में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने में इग्नू के क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र हेतु

- इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी द्वारा ''उच्च शिक्षा-चिन्ता एवं चुनौती विषय'' पर एक कार्यशाला का आयोजन जनपद सोनभद्र के दुद्धी तहसील पर ग्राम स्वराज समिति दुद्धी के साथ मिलकर की गयी। वहां पर उच्च शिक्षा की काफी माँग है जिसे इग्नू द्वारा एक अध्ययन केन्द्र खोलकर पूर्ण किया जा सकता है।
  दूरस्थ शिक्षा : 'आज की आवश्यकता' विषय पर इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी एवं ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी, वाराणसी द्वारा सारनाथ, वाराणसी में दिनांक १३ अप्रैल २०११ को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- प्रेस इनफारमेशन ब्यूरो, मिनिस्ट्री ऑफ इनफॉरमेशन एवं ब्रॉडकास्टिंग, गर्वनमेंट ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित भारत निर्माण जन सूचना अभियान में क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी ने भागीदारी की।

व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी ने बाल दिवस के अवसर पर इग्नू के विद्यार्थियों हेतु इग्नू अध्ययन केन्द्र २७०८ यू.पी.कालेज, वाराणसी के ''व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया साथ ही एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी सम्पन्न करायी गयी।

कैम्पस प्लेसमेंट अभियान

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा इग्नू में किसी भी कार्यक्रम से जुड़े विद्यार्थियों हेतु प्लेसमेंट की व्यवस्था की गयी है। इस दिशा में क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी ने एक नयी पहल (प्लेसमेंट ड्राइव) की शुरुआत वर्ष २०१० में की। इग्नू में किसी न किसी प्रोग्राम से जुड़े कुल १२१ छात्र विभिन्न कम्पनियों में नियोजित हुए।

सिल्वर जुबली लेक्चर, प्रेसवार्ता एवं पब्लिक अवेयरनेस कैम्प दिनांक २०.०९.२०१० : प्रो० के.पी. श्रीवास्तव, प्रो-वाइसचांसलर, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली द्वारा इग्नू रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आई.टी., बी.एच.यू. में ''ई-लर्निंग में नई पहल'' पर व्याख्यान दिया साथ ही क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी में एक प्रेसवार्ता का भी आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त -

- इग्नू के अध्ययन केन्द्र २७४५ वीर बहादुर पूर्वांचल यूनिवर्सिटी, जौनपुर में दिनांक ८ जुलाई २०१० को क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन।
- इग्नू के अध्ययन केन्द्र २७१६ एस.सी.कालेज, बलिया में दिनांक १५ जुलाई २०१० को क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन।
- इग्नू के अध्ययन केन्द्र २७०९ डी.डी.यू. गोरखपुर यूनिवर्सिटी, गोरखपुर में दिनांक १८ जुलाई २०१० को क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन।
- इग्नू के अध्ययन केन्द्र २७७८ जी.डी. बिन्नानी पी.जी. कालेज, मिर्जापुर में दिनांक १५ सितम्बर २०१० को क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन।
- इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी द्वारा दिनांक १९ जुलाई २०१० को इग्नू के अध्ययन केन्द्र २७१३० एच.आर.एन.पी.जी. कालेज, संत कबीर नगर पर ''सार्वजनिक जागरूकता शिविर'' का आयोजन।
- इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा दिनांक २० जुलाई २०१० को इग्नू के अध्ययन केन्द्र २७१२८ बुद्धा पी.जी. कालेज, कुशीनगर पर ''सार्वजनिक जागरूकता शिविर'' का आयोजन।
- शिक्षक दिवस के अवसर पर दिनांक ५ सितम्बर २०१० को इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा ''इग्नू आज की आवश्यकता'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। समन्वयकों, प्रभारी एवं शैक्षणिक काउन्सलरों की एक मीटिंग का आयोजन इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर साइंस, बी.एच.यू. वाराणसी में किया गया।

शिक्षार्थी अध्ययन केन्द्र

वर्तमान समय में कुल ४५ शिक्षार्थी सहायता अध्ययन केन्द्र जिसमें १६ नियमित अध्ययन केन्द्र, ९ प्रोग्राम अध्ययन केन्द्र, २ मान्यता प्राप्त अध्ययन केन्द्र, १५ विशेष अध्ययन केन्द्र (केन्द्र ईईबीबी

स्कीम के अन्तर्गत १ विशेष अध्ययन केन्द्र), २ सामुदायिक कॉलेज और १ सहभागी संस्थान इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी से जुड़े हैं।

अध्ययन सामग्री वितरण हेतु अपनायी गयी तकनीकि-

- क्षेत्रीय केन्द्र एवं अध्ययन केन्द्र से अध्ययन प्राप्त करने हेतु विद्यार्थियों को एसएमएस के द्वारा सूचना प्राप्त कराना।
- फोन के माध्यम से विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री प्राप्त करने हेतु समय एवं स्थान की सूचना प्राप्त कराना।
- ई-मेल के जरिये विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री वितरण के संदर्भ में सूचित करना।
- अध्ययन सामग्री वितरण की सूचना प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुँचाना।
- अध्ययन सामग्री का वितरण अधिकांशत: परिचय सभा के दौरान ही किया जाता है जिसमें उन्हें अन्य जानकारी जैसे सत्रांत परीक्षा फार्म भरने की तिथि एवं पुन: पंजीकरण कराने के बारे में बताया जाता है।
- जनपद वाराणसी में स्थित अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत विद्यार्थियों की अध्ययन सामग्री क्षेत्रीय केन्द्र से दी जाती है।

दीक्षान्त समारोह

इग्नू का २२वाँ दीक्षांत समारोह दिनांक २ अप्रैल २०११ दिन शनिवार को इग्नू मुख्यालय पर आयोजित हुयी जिसका टेली कान्फ्रेन्सिग के द्वारा ४३ क्षेत्रीय केन्द्रों पर प्रसारित किया गया। क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा बी.एच.यू. के कला संकाय प्रेक्षागृह में दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी में प्रो. सुन्दर लाल, कुलपति, वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर सम्मानित अतिथि थे। कुल २२९ छात्रों को डिग्री के साथ सम्मानित किया गया।

९.८. अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र (२००४ में स्थापित) मालवीय भवन संकुल के टैगोर भवन, जो काहिविवि का एक प्राचीनतम् भवन है, में स्थित है। यह केन्द्र विदेशी नागरिकों के लिए एकल पटल प्रणाली के अन्तर्गत प्रवेश सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारियाँ और विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों की उपलब्धता की जानकारियाँ प्रदान करता है। इसके साथ ही बीएचयू पोर्टल पर आवेदन पत्र डाउनलोड करने की भी सुविधा है।

वर्तमान में ५४ देशों के अन्तर्राष्ट्रीय छात्र जिनमें यू.एस.ए., यू.के., कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, ईरान, ईराक, यमन, लक्सेम्बर्ग आदि के नागरिक इस विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं।

इस अवधि के दौरान ५६५ छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत हुए है जिनमें १९९ नवीन छात्र के रूप में विभिन्न संकायों मे अध्ययन कर रहे हैं। इनमें से १३१ पुरुष एवं ६८ महिला छात्रायें हैं। १०४ छात्र भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद्, एड.सिल आदि संस्थाओं द्वारा वित्तपोषित हैं। सत्र २०१०-११ मे ७ अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/ संस्थाओं का काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग के लिए आपसी सहमति पत्र को अन्तिम स्वरूप प्रदान किया गया है।

उपरोक्त के अतिरिक्त ५० विशिष्ट विदेशी महानुभावों जिनमें एच.ई.मि.वान चियांग, चेरमैन ऑफ द कमीशन ऑन फॉरेन अफेयर्स, इन्टरनेशनल कॉपरेशन, कम्बोडिया, प्रो. जेम्स चांग, निदेशक, सांस्कृतिक खण्ड, तेईपी आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द, नई दिल्ली, एच. ई. मि. जेरोम बोनाफान्ट, भारत में फ्रांस के राजदूत, एच. ई. एक्सीलेन्सी नेपाल के राजदूत, प्रो. वॉल्डेमर लीच ओल्सजेवस्की, पोलिश विज्ञान अकादमी (पीएएस), वॉरसा, पोलैंड इत्यादि ने कार्यालयीय/ शैक्षणिक उद्देश्यों के साथ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का भ्रमण किया। इस भ्रमण मे इन्होंने नये शैक्षणिक सहयोग की सम्भावनाओं की उपलब्धता भी जानने का प्रयास किया कि और आगे भी सम्बन्धित देशों के संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ संचालित शैक्षणिक सहयोग को और सशक्त बनाने पर भी विचार किया।

९.९. समाचार पत्र प्रकाशन एवं प्रचार प्रकोष्ठ

प्रेस पब्लिकेशन एण्ड पब्लिसिटी सेल

१. **सुविधाएँ** : सूचना एवं जनसम्पर्क में मल्टी-मीडिया कक्ष है जो वातानुकूलित है। यहाँ कम्प्यूटर के साथ इन्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है। कार्यालय में प्रथम तल पर अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित मीडिया कान्फ्रेंस हॉल है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के बैठने हेतु आकर्षक टेबल लगाई गयी है। मीडिया हॉल में दो कम्प्यूटर इन्टरनेट तथा प्रिंटर, फोटोकॉपी एवं फोन के साथ जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त पावर प्वाइंट प्रोजेक्टर, टीवी सेट तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम भी उपलब्ध है। यह हॉल वातानुकूलित है। पीपीपी सेल के कक्षों में दो रंगीन फोटोकॉपियर, दो उच्च गति वाले प्रिंटर तथा कम्प्यूटर मौजूद हैं।

२. **पत्रकार वार्ता एवं बैठक :** मीडिया कान्फ्रेंस हॉल में वर्ष २०१०-११ के दौरान लगभग ५५ पत्रकार वार्ताओं का आयोजन किया गया जिसमें माननीय कुलपति की तीन पत्रकार वार्ताएं हुईं। इसके अतिरिक्त इसमें अन्य बैठकें भी हुई।

३. **पूछताछ** : सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय में लगभग १५०० लोगों ने सीधे आकर पूछताछ किया, जबकि दूरभाष से लगभग ३५०० व्यक्तियों ने विश्वविद्यालय के कार्य-कलापों से संबंन्धित जानकारी प्राप्त की।

४. **प्रेस विज्ञप्ति :** गत वर्ष स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर से संचार

माध्यमों के लिए विश्वविद्यालय के कार्य-कलापों से सम्बन्धित ३००० से ज्यादा विज्ञप्तियाँ लिखित, फैक्स तथा ई-मेल द्वारा जारी की गयीं।

५. **साक्षात्कार:** विभिन्न संचार माध्यमों द्वारा माननीय कुलपति को बारह बार एवं विभिन्न अधिकारियों का व्यक्तिगत तौर पर लगभग २१ बार साक्षात्कार लिया गया।

६. **प्रकाशन:** गत वर्ष न्यूज़ लेटर तथा स्पेशल अंकों एवं ब्रोशर पर्यावरण कैलेण्डर, पर्यावरण नीति क्वॉलिटी पॉलिसी, वैल्यू पॉलिसी तथा महामना पं. मदन मोहन मालवीयजी का जीवन चरित्र सहित ०५ पुस्तकों क्रमश: १. बायोग्राफी ऑफ पं. महामना वॉल्युम - १, २. बायोग्राफी ऑफ पं. महामना वॉल्युम-२, ३. महामना का लेख और भाषण, ४. महामनाजी की पत्रकारिता, ५. महामना मालवीय जी का जीवन चरित्र का प्रकाशन हुआ।

७. **विज्ञापन:** विश्वविद्यालय से संबन्धित तदर्थ विज्ञापनों का राष्ट्रीय तथा स्थानीय समाचार पत्रों में प्रेस पब्लिकेशन तथा पब्लिसिटी सेल द्वारा किया गया। वर्ष में ३९१ विज्ञापन प्रकाशन हेतु जारी किए गए।

८. **विशेष कार्य:** इसके अतिरिक्त प्रेस पब्लिकेशन तथा पब्लिसिटी सेल ने देश के उपराष्ट्रपति डॉ. हामिद अंसारी द्वारा सम्बोधित ९३वें दीक्षांत समारोह; राष्ट्रीय पूर्व छात्र सम्मेलन के अतिरिक्त कुलाधिपति डॉ. कर्ण सिंह जैसे देश के माननीय विचारकों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों तथा ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों के आगमन तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रसिद्ध वार्षिक कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय मीडिया द्वारा सहयोग प्रदान किया जिससे बीएचयू के ब्रांड छवि को देश में स्थापित करने में सफलता प्राप्त हुई।

९. **बैठकें:** प्रेस पब्लिकेशन तथा पब्लिसिटी सेल, बीएचयू स्तर पर कई बैठकों में शामिल होकर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ब्रांड छवि को सुधारने में सहयोग प्रदान किया।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय प्रेस

काहिविवि प्रेस अपने स्थापना वर्ष १९३६ से ही विश्वविद्यालय के विभिन्न पुस्तिकाओं, पत्रिकाओं, पंजिकाओं, फार्मों एवं सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, परीक्षा नियन्ता कार्यालय के अति आवश्यक मुद्रण कार्यों में अपना योगदान करता आ रहा है। बी.एच.यू. प्रेस के चहारदीवारी का क्षेत्रफल ८०,००० वर्ग फीट तथा भवन का क्षेत्रफल २५,००० वर्ग फीट में फैला हुआ है। स्थापना वर्ष में ही ७ लेटर प्रेस की मशीनें लगायी गयी थीं, वर्तमान में दो ऑफसेट मशीन तथा ४ स्थायी व १३ अस्थायी कर्मचारियों के माध्यम से विश्वविद्यालय का सेवा कर रहा है।

वित्तीय वर्ष २०१०-२०११ की मुख्य प्रिंटिंग कार्य

यू.ई.टी. आवेदन पत्र	१,४५,००० प्रतियाँ	४४ पेज
पी.ई.टी. आवेदन पत्र	७०,००० प्रतियाँ	७२ पेज
यू.ई.टी. आवेदन पत्र	२,१५,००० प्रतियाँ	१+१ पेज
काउन्सिलिंग लेटर	४०,००० प्रतियाँ	४ पेज
विश्व पंचांग	३४,००० प्रतियाँ	४८ पेज
परीक्षा फार्म (नियमित छात्र)	३०,००० प्रतियाँ	६ पेज
परीक्षा फार्म (पूर्व छात्र)	२०,००० प्रतियाँ	६ पेज
परीक्षा उत्तर पुस्तिका	२,५०,००० प्रतियाँ	३६ पेज
परीक्षा उत्तर पुस्तिका (पूरक एवं प्रैक्टि.)	१,४०,००० प्रतियाँ	१२ पेज
सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल प्रवेश आवेदन पत्र	५०,००० प्रतियाँ	१६ पेज

बी.एच.यू. प्रेस की आय

स्टेशनरी का विक्रय	रु. ६२००२१.००
स्टेशनरी का विक्रय (नगद)	रु. २९२६५०.००
प्रिन्टिंग का बिल	रु. ७३०४५६६.००
योग : रु. ८२१७२३७.००	

९.१०. विद्युत, जल और दूरभाष केन्द्र

विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, वाराणसी

प्रतिदिन जल उपयोग के लिए चार अत्यन्त पुराने अनुपयोगी ओवरहेड जल टंकियों की जीर्णोद्धार के उपरान्त उपर्युक्त चार ओवरहेड जल टंकियों की संग्रहण क्षमता बढ़ गयी है।

परिसर में बढ़ती हुयी जनसंख्या की माँग के तहत जल की व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु आंशिक रूप में दो गहरे ट्यूबवेलों (नलकूपों) का निर्माण किया गया है। आगामी वर्ष मे जलापूर्ति क्षमता बढ़ाये जाने हेतु अतिरिक्त नलकूपों का निर्माण कराये जाने तथा उसे सम्बन्धित जल संग्रहण क्षमता वाले ओवरहेड जल टंकियों के निर्माण हेतु योजना प्रेषित की गई, जिसका अनुमोदन प्राप्त हो चुका है।

परिसर अन्तर्गत नवनिर्मित भवनों के सुचारु विद्युत व्यवस्था के लिये पूर्व स्वीकृत १० एमवीए. भार के अतिरिक्त ३ एमवीए. भार की स्वीकृति प्रदान किये जाने हेतु उ. प्र. पावर कारपोरेशन लिमिटेड से निवेदन किये जाने के उपरान्त उ.प्र. पावर ट्रांसमिशन विंग द्वारा साधारणतया औपचारिक रूप से स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस अतिरिक्त भार के संचालन के लिए, परिसर मे मौजूदा आधारित संरचना का आवर्धन एवं उन्नतिकरण आवश्यक है। विभाग की उन्नतिकरण के प्रस्ताव को कार्यान्वित करने के लिए औपचारिक अनुमोदन प्राप्त हो चुका है जिसे शीघ्र ही प्रारम्भ किया जायेगा।

दक्षिणी परिसर, बरकछा

परिसर के जलापूर्ति हेतु इन्टेक सम्प वेल के साथ पम्प हाऊस तथा सर्विस पाईप लाइन्स के द्वारा लोअर खजुरी नदी से जल उठाने का कार्य शुरू हो चुका है। पम्पिग प्लांट के लिए प्रमुख सामग्रियों तथा १००० मीटर पाइप लाइन की व्यवस्था कर ली गई है। इस परियोजना का विचार करते समय कुछ आधुनिक सुविधाओं तथा तकनीकियों को संस्थान और विद्यार्थियों की प्रशिक्षण के रुचि को ध्यान में रखकर किया गया है। कार्य प्रगति पर है और प्लांट (संयत्र) मार्च २०१२ तक चालू होने की उम्मीद है।

दूरभाष केन्द्र

बी. एस. एन. एल. के पुराने एक्सचेन्ज के स्थान पर एक नया टेलीफोन एक्सचेन्ज स्थापित किया गया है। इसका रख-रखाव बी.एस. एन.एल.द्वारा किया जा रहा है। यह पूर्ण रूप से इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से संचालित है। वर्तमान में एक्सचेन्ज में १००० लाइन का टेलीफोन कनेक्शन का कार्य चल रहा है, जो कि समस्त संस्थानों/ संकायों/ विभागों/ कार्यालयों/ सर सुन्दरलाल चिकित्सालय विभिन्न आवासों तथा विश्वविद्यालय के शिक्षकों व अधिकारियों को टेलीफोन की सुविधा प्रदान करेगा। इसी प्रकार संस्थानों व सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में अपने स्वतंत्र एक्सचेन्ज लगे हुए है, जिनका विवरण निम्नलिखित है-

१. सर सुन्दरलाल चिकित्सालय में ४०० लाइनों का एक्सचेन्ज कार्यरत है।

२. केन्द्रीय कार्यालय में १०० लाइनों का एक्सचेन्ज कार्यरत है।

३. प्रौद्योगिकी संस्थान में ५० लाइनों का एक्सचेन्ज कार्यरत है।

४. केन्द्रीय ग्रन्थागार में ७२ लाइनों का एक्सचेन्ज कार्यरत है।

इसी प्रकार विभिन्न विभागों में सुविधानुसार एक्सचेंज लगे हुए हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा टेलीकम्यूनिकेशन की अत्याधुनिक सुविधाएँ दिन प्रतिदिन बढ़ायी जा रही है इसके परिणाम स्वरूप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में नित्य अपने प्रयासों से बेहतर से बेहतर बनाने की दिशा में टाटा इन्डिकॉम ने २४०० कनेक्शन की टेलीफोन सुविधा विश्वविद्यालय के कार्यालयों, विभागों में शुरू की है जिसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय के प्रत्येक अध्यापकों एवं अधिकारियों के कार्यालयों एवं परिसर स्थित उनके आवासों पर दूरभाष की सेवा उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसी संदर्भ में करीब २२१९ टेलीफोन लाइनों का कार्य प्रारम्भ हो चुका है।

९.११. अनुरक्षण (भवन एवं उपकरण)

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग का गठन विश्वविद्यालय की स्थापना के समय से ही किया गया है। विश्वविद्यालय निर्माण विभाग विश्वविद्यालय के समस्त भवनों की वार्षिक मरम्मत के साथ-साथ, सड़क, मल एवं जल निकासी की लाइनों का अनुरक्षण, बरसाती पानी के निकासी के नाला का निर्माण एवं पुराने नालों की मरम्मत, सफाई इत्यादि के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों, संकायों, साथ-साथ विश्वविद्यालय की बाहरी चहारदीवारी एवं आंतरिक चहारदीवारी का निर्माण एवं अनुरक्षण का कार्य भी करता है। साथ ही साथ विश्वविद्यालय के चिरईगाँव, नारायनपुर एवं टिकरी स्वास्थ्य केन्द्र के भवनों का अनुरक्षण कार्य सम्पादित करता है। विश्वविद्यालय के राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर के भवनों की मरम्मत तथा नवीन भवनों, सड़क, सीवर, चहारदीवारी इत्यादि का निर्माण कार्य भी सम्पादित करना है।

विभाग मुख्य परिसर एवं राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर में स्वीकृत नवीन भवनों का निर्माण कार्य भी अपने स्तर पर तथा केन्द्र व प्रदेश सरकार के उपक्रमों द्वारा सम्पादित कराता है। विभाग विभिन्न मदों में स्वीकृत अतिरिक्त निर्माण कार्य, भवनों के नवीनीकरण के कार्य के साथ विशेष मरम्मत का कार्य करता है। विभाग सड़क, सीवर, चहारदीवारी इत्यादि का निर्माण कार्य भी सम्पादित कराता है। विभाग आंतरिक साज-सज्जा, योजना निर्माण के साथ-साथ फर्नीचर के खरीद का कार्य भी करता है।

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग, विश्वविद्यालय के सभी मुख्य राष्ट्रीय पर्व यथा, गणतन्त्र दिवस, स्वतन्त्रता दिवस व गाँधी जयन्ती के साथ वर्ष भर विश्वविद्यालय के मुख्य आयोजनों- विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह, सरस्वती पूजन समारोह के साथ-साथ विभिन्न संस्थानों, संकायों, महाविद्यालय, विद्यालयों एवं छात्रावासों के वार्षिक समारोहों, स्थापना समारोहों में भी व्यापक भूमिका निभाता है। विभाग

विश्वविद्यालय के विभिन्न दीक्षान्त समारोहों, सम्मेलनों एवं संगोष्ठियों में भी आयोजकों की आवश्यकतानुसार कार्य सम्पादित करता है। विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के नियामक संस्थाओं के निरीक्षण के समय विभाग उनकी मान्यता प्राप्त करने के लिए एवं जारी रखने के लिए अपने संसाधन द्वारा सहायता प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के मुख्य भवनों जैसे- मालवीय भवन, टैगोर भवन, सुन्दरम लाज, भारत कला भवन, स्वतन्त्रता भवन, डा. उडुप्पा प्रेक्षागृह, पं० ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह, कला संकाय प्रेक्षागृह, श्री विश्वनाथ मन्दिर का अनुरक्षण एवं वातानुकूलन का कार्य भी सम्पादित करता है।

विभाग द्वारा सभी छात्रावासों, शैक्षिक भवनों व आवासीय भवनों की मरम्मत के साथ-साथ छतों पर जल अवरोधी उपचार, रसोईघरों व शौचालयों का नवीनीकरण व बाहरी दीवारों की रंगाई-पुताई इत्यादि का कार्य व्यापक तौर पर कराया जाता है।

विभाग ने सत्र २०१०-११ में अतिरिक्त स्वीकृत धनराशि रु० १३.७६२१ करोड़ रुपये के साथ-साथ भवनों के रखरखाव के लिए स्वीकृत नियमित बजट रु० ३.६०८९ करोड़ रुपये का भी पूरा सदुपयोग विभिन्न भवनों के रखरखाव में किया।

वित्तीय वर्ष २०१०-११ में स्वीकृत धनराशि विभिन्न मद में निम्नवत् दिया गया है

१.	विशेष मद	रु० १३.७६२१ करोड़
२.	विश्वविद्यालय परिसर में भवनों की मरम्मत हेतु आवर्ती मद	रु० ३.६०८९ करोड़
३.	विकास मद	रु० ९९.०७ करोड़
४.	अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये बढ़ी छात्र संख्या के लिये भवन निर्माण मद	रु० २७४.०६६ करोड़

उपर्युक्त मद का सन् २०१०-११ में पूर्ण उपयोग किया गया।

नीचे दिये गये कुछ मुख्य निर्माण कार्य वित्तीय वर्ष २०१०-११ में कराये जा रहे हैं। जिसके कार्य के नाम तथा धनराशि की विवेचना सारिणी में दिये गये हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग कोटा के अन्तर्गत केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

क्र.स.	भवन/कार्य का नाम	प्लिंथ एरिया	आंकलन रु.	कार्य स्थिति
१.	कला संकाय में पुस्तकालय एवं संकाय कक्ष का निर्माण	३४७७ वर्ग मीटर	७६५.०० लाख	कार्य प्रगति पर
२.	कला संकाय के ओल्ड पीजी भवन और इंडोलॉजी के बीच में व्याख्यान कक्ष का निर्माण कार्य	२१५० वर्ग मीटर	४४०.०० लाख	कार्य प्रगति पर
३.	कला संकाय में २२५ कमरे के भवन (बिरला हॉस्टल के पीछे, धनवन्तरि हास्टल के बगल में) का निर्माण कार्य	८००० वर्ग मीटर	१२००.०० लाख	कार्य प्रगति पर
४.	सामाजिक विज्ञान संकाय में नये व्याख्यान कक्ष संकुल का निर्माण कार्य	२५७८ वर्ग मीटर	५२८.०० लाख	कार्य प्रगति पर
५.	आचार्य नरेन्द्र देव हॉस्टल में ५८ कमरे के भवन का निर्माण कार्य	२५८४ वर्ग मीटर	३६०.०० लाख	कार्य प्रगति पर
६.	राजा राममोहन राय हॉस्टल में ५८ कमरे के भवन का निर्माण कार्य	२५८४ वर्ग मीटर	३६०.०० लाख	कार्य प्रगति पर
७.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में व्याख्यान कक्ष संकुल का निर्माण कार्य	१३२० वर्ग मीटर	३३०.०० लाख	पूर्ण
८.	संगीत एवं मंच कला संकाय में प्रथम तल के अधूरे कार्य तथा भूतल के विस्तार का कार्य	१५८८ वर्ग मीटर	३००.०० लाख	पूर्ण
९.	विधि संकाय में व्याख्यान कक्ष + १५ अध्यापक क्यूबिकल का निर्माण कार्य	१४४० वर्ग मीटर	३१६.८० लाख	कार्य प्रगति पर
१०.	विधि संकाय में ५० कमरे का छात्रावास, अम्बेडकर हॉस्टल के बगल में निर्माण कार्य	३६१४ वर्ग मीटर	४८३.२० लाख	पूर्ण

११.	प्रबन्धशास्त्र संकाय में पुस्तकालय व संकाय कक्ष का निर्माण कार्य	१४०० वर्ग मीटर	३०५.०० लाख	कार्य प्रगति पर
१२.	महिला महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग के बगल में व्याख्यान कक्ष का निर्माण कार्य	८८०.०० वर्ग मीटर	२०९.०० लाख	पूर्ण
१३.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान में ३४९ कमरे के छात्रावास का निर्माण कार्य	११२१९ वर्ग मीटर	२४६८.१८ लाख	कार्य प्रगति पर
१४.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान के रूइया मेडिकल ब्लॉक में १०० कमरे के छात्रावास का निर्माण कार्य	३५०० वर्ग मीटर	७७०.०० लाख	कार्य प्रगति पर
१५.	रस शास्त्र विभाग में व्याख्यान कक्ष तथा संकाय कक्ष का निर्माण कार्य	१६३३ वर्ग मीटर	३५०.०० लाख	पूर्ण
१६.	न्यू पी जी एजुकेशन छात्रावास के प्रथम तल पर छात्रावास का निर्माण कार्य	४५० वर्ग मीटर	१२०.०० लाख	पूर्ण
१७.	कृषि विज्ञान संस्थान में चार तल्ले के भवन संकुल साथ में पठन कक्ष, लैव तथा संकाय कक्ष का निर्माण कार्य	५८४० वर्ग मीटर	१२८४ लाख	कार्य प्रगति पर
१८.	कृषि विज्ञान संस्थान में ४०० व्यक्ति क्षमता वाले आडिटोरियम का निर्माण कार्य	२२०९ वर्ग मीटर	४८६ लाख	कार्य प्रगति पर
१९.	विज्ञान संकाय में व्याख्यान कक्ष संकुल तथा १८ व्याख्यान हाल का निर्माण कार्य	५४५६ वर्ग मीटर	१२००.३२ लाख	कार्य प्रगति पर
२०.	भू-गर्भ विज्ञान विभाग में एक नये भवन का निर्माण कार्य	६९९ वर्ग मीटर	१५४ लाख	कार्य प्रगति पर
२१.	भूगोल विभाग में एक नये भवन का निर्माण कार्य	११३४.३८ वर्ग मीटर	२४९.५६ लाख	कार्य प्रगति पर
२२.	रसायन विज्ञान विभाग में एक नये भवन व साइकिल स्टैंड का निर्माण कार्य	२४१९ वर्ग मीटर	५३२ लाख	कार्य प्रगति पर
२३.	वनस्पति विज्ञान विभाग में एक नये भवन का निर्माण कार्य	१०२७.८० वर्ग मीटर	२२६.१२ लाख	कार्य प्रगति पर
२४.	भू-भौतिकी विभाग में साइकिल स्टैण्ड के उपर एक नये भवन का निर्माण कार्य	५३९ वर्ग मीटर	११८.७८ लाख	कार्य प्रगति पर
२५.	संगणक विज्ञान विभाग में एक नये भवन का निर्माण कार्य	५३७ वर्ग मीटर	१२४.८५ लाख	कार्य प्रगति पर
२६.	जे.सी बोस छात्रावास के पीछे ३१४ कमरे के एक नये छात्रावास का निर्माण कार्य	४७३५.०० वर्ग मीटर	१०४१ लाख	कार्य प्रगति पर
२७.	एसएनपीजी छात्रावास के पीछे महिला छात्रावास का निर्माण कार्य	१४०० वर्ग मीटर	३०८ लाख	कार्य प्रगति पर
२८.	प्रौद्योगिकी संस्थान में व्याख्यान कक्ष संकुल-१ का निर्माण कार्य	३९८२ वर्ग मीटर	८७६ लाख	कार्य प्रगति पर
२९.	प्रौद्योगिकी संस्थान में व्याख्यान कक्ष संकुल-२ का निर्माण कार्य	२७२१ वर्ग मीटर	५९८.६२ लाख	कार्य प्रगति पर
३०.	प्रौद्योगिकी संस्थान में व्याख्यान कक्ष संकुल-३ का निर्माण कार्य	२१०६.३१ वर्ग मीटर	४६३.३८ लाख	कार्य प्रगति पर

३

व

मे० हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड

क्र.स.	भवन/कार्य का नाम	प्लिंथ एरिया	आंकलन रु.	कार्य स्थिति
१.	आइ .			
	नागार्जुन छात्रावास में १६ कमरे के छात्रावास का निर्माण कार्य			
८.	द्रव्य गुण विभाग में प्रथम तल का निर्माण कार्य	६३३ वर्ग मीटर	९०.०० लाख	पूर्ण
९.	मेडिसिनल कमेस्ट्री विभाग में प्रथम तल तथा प्रायोगिक कक्ष का निर्माण कार्य	५०४ वर्ग मीटर	७५.६० लाख	पूर्ण
१०.	मेडिसिनल कमेस्ट्री विभाग में व्याख्यान भवन का निर्माण कार्य	६०० वर्ग मीटर	१३२.०० लाख	कार्य प्रगति पर
११.	शिक्षा संकाय भवन के विस्तार का निर्माण कार्य	१३७६ वर्ग मीटर	२२०.०० लाख	पूर्ण
१२.	वाणिज्य संकाय के द्वितीय तल के विस्तार का निर्माण कार्य	१४५१ वर्ग मीटर	२१७.६५ लाख	पूर्ण
१३.	वाणिज्य संकाय में व्याख्यान कक्ष तथा पार्किंग आदि का निर्माण कार्य	९६३.६४ वर्ग मीटर	२१२ लाख	कार्य प्रगति पर
१४.	विज्ञान संकाय के गणित विभाग भवन के ऊपर द्वितीय तल का निर्माण कार्य	३०५ वर्ग मीटर	४५.७५ लाख	पूर्ण

१५.	विज्ञान संकाय के जन्तु विज्ञान विभाग के भवन का विस्तार तथा साइकिल स्टैण्ड का निर्माण कार्य	१३०० वर्ग मीटर	२८६ लाख	कार्य प्रगति पर
१६.	विज्ञान संकाय के जैव-रसायन विभाग के भवन के प्रथम तल का निर्माण कार्य	३३० वर्ग मीटर	४९.५ लाख	पूर्ण
१७.	विज्ञान संकाय के जैव-रसायन विभाग के भवन के द्वितीय तल का निर्माण कार्य	३३० वर्ग मीटर	४९.५ लाख	पूर्ण
१८.	विज्ञान संकाय के जैव-प्रौद्योगिकी विभाग के भवन का विस्तार का निर्माण कार्य	११६२ वर्ग मीटर	१९१.७७ लाख	कार्य प्रगति पर
१९.	विज्ञान संकाय के भौतिकी विभाग के भवन के द्वितीय तल का निर्माण कार्य	५५५ वर्ग मीटर	१२९.७१ लाख	पूर्ण
२०.	प्रौद्योगिकी संस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग भवन के द्वितीय तल का निर्माण कार्य	४४४ वर्ग मीटर	६६.६० लाख	पूर्ण
२१.	प्रौद्योगिकी संस्थान में सिविल इंजीनियरिंग विभाग भवन के उपर लैब का निर्माण कार्य	७९५ वर्ग मीटर	११९.२५ लाख	पूर्ण
२२.	प्रौद्योगिकी संस्थान में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के कॉरिडोर ९११-९१३ के स्पेस में लैब का निर्माण कार्य	५६२ वर्ग मीटर	८४ लाख	पूर्ण
२३.	प्रौद्योगिकी संस्थान में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में लैब का निर्माण कार्य	३२० वर्ग मीटर	४८ लाख	पूर्ण
२४.	प्रौद्योगिकी संस्थान में मैटेरियल साइंस विभाग भवन के दोनो दिशा में एक नये ब्लॉक का निर्माण कार्य	७३६ वर्ग मीटर	११५ लाख	कार्य प्रगति पर
२५.	प्रौद्योगिकी संस्थान में इलेक्ट्रिकल विभाग के संकाय कक्ष का निर्माण कार्य	१२०० वर्ग मीटर	१८० लाख	कार्य प्रगति पर
२६.	प्रौद्योगिकी संस्थान में केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के संकाय कक्ष का निर्माण कार्य	४७५ वर्ग मीटर	७२ लाख	कार्य प्रगति पर
२७.	प्रौद्योगिकी संस्थान में १०७ कमरों के गाँधी स्मृति महिला छात्रावास का निर्माण कार्य	३९९० वर्ग मीटर	५९८.५० लाख	कार्य प्रगति पर

विश्वविद्यालय निर्माण विभाग

क्र. स.	**भवन/कार्य का नाम**	**प्लिंथ एरिया**	**आंकलन रु.**	**कार्य स्थिति**
१.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में ग्रिल द्वारा बरामदा .बंद करने का कार्य	-	२७.०० लाख	पूर्ण
२.	संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में बरामदा प्रथम तल का आरसीसी रूफिंग का कार्य	४७ वर्ग मीटर	७.०० लाख	पूर्ण
३.	मंच कला संकाय में गुजरात भवन के पीछे २ हाल का निर्माण कार्य	२१४ वर्ग मीटर	३२.०० लाख	कार्य प्रगति पर
४.	मंच कला संकाय में शौचालय का नवीनीकरण कार्य	-	४.७५ लाख	पूर्ण
५.	दृश्य कला संकाय में प्रथम तल के हाल का बचा हुआ कार्य	१३१ वर्ग मीटर	१७.७९ लाख	पूर्ण
६.	दृश्य कला संकाय के चारो तरफ चेन लिंग फेंसिंग का कार्य	२३९ वर्ग मीटर	१२.४७ लाख	पूर्ण
७.	दंत विज्ञान संकाय के द्वितीय तल पर एम.डी.एस. तथा सर सुन्दरलाल चिकित्सालय के ओपीडी में पठन कक्ष का निर्माण	६८ वर्ग मीटर	१४.०० लाख	पूर्ण

८.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान में बायोकेमिस्ट्री तथा २ नं० फिजियोलॉजी लैब का नवीनीकरण का कार्य	-	२७.०० लाख	पूर्ण
९.	आयुर्वेद संकाय में आयुर्वेदिक गार्डेन के चारो तरफ चहारदीवारी का निर्माण कार्य	-	२२.५० लाख	पूर्ण
१०.	आयुर्वेद संकाय के द्रव्य गुणा विभाग में कार पार्किंग, + साइ			
१६.	विज्ञान संकाय के जन्तु विज्ञान विभाग में २ नं० लैब का निर्माण कार्य	-	२५ लाख	पूर्ण
१७.	विज्ञान संकाय के मॉलीकुलर व ह्यूमैन जेनेटिक्स विभाग के द्वितीय तल का निर्माण कार्य	१०० वर्ग मीटर	१५ लाख	पूर्ण
१८.	विज्ञान संकाय ब्रोचा हास्टल के मेस में गुनाईटिंग का कार्य	-	२५ लाख	पूर्ण
१९.	विज्ञान संकाय के सांख्यिकी विभाग के द्वितीय तल के ऊ			

ग्यारहवीं योजना में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, मे० हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड तथा विश्वविद्यालय निर्माण विभाग द्वारा कराये जा रहे कार्य

क्र.स.	भवन/कार्य का नाम	आंकलन कीमत रु.	कार्य स्थिति
१.	फिजिकल एजुकेशन विभाग के लिए भवन निर्माण कार्य	९९९.५० लाख	कार्य प्रगति पर
२.	स्थापना स्थल के डेन्टल कालेज में एक तले भवन का निर्माण कार्य	८२८.५८ लाख	कार्य प्रगति पर
३.	तुलसीदास कालोनी में १६ नं० रीडर ग्रेड आवास का निर्माण कार्य	२००.०० लाख	कार्य प्रगति पर
४.	नवीन गर्ल्स हॉस्टल का विस्तार कार्य	२४०.०० लाख	कार्य प्रगति पर
५.	कृषि विज्ञान संस्थान में गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण कार्य	२६६.०० लाख	कार्य प्रगति पर
६.	विवाहित महिला छात्रावास का विस्तार कार्य	४००.०० लाख	कार्य प्रगति पर
७.	चिकित्सा विज्ञान संस्थान के पीछे दो तले व्याख्यान कक्ष संकुल का निर्माण कार्य, तीन तले के प्रोविजन के साथ	९००.०० लाख	कार्य प्रगति पर

दन्त चिकित्सा विज्ञान संकाय के नये भवन का शिलान्यास-भूमि पूजन

केन्द्रिय विद्यालय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के नये भवन का शिलान्यास

८.	कृषि विज्ञान संस्थान में जेनेटिक्स व प्लांट ब्रीडिंग तथा उद्यान विभाग के लिए भवन का निर्माण कार्य	१२०.२८ लाख	कार्य प्रगति पर
९.	प्रथम तल व द्वितीय तल कार्यकारी महिला छात्रावास का निर्माण कार्य	१००.०० लाख	कार्य प्रगति पर
१०.	सेन्ट्रल हिन्दू ब्वायज हॉस्टल, कमच्छा में ५० कमरे के छात्रावास का निर्माण कार्य	१६२.०० लाख	पूर्ण
११.	सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स हॉस्टल, कमच्छा में कामर्स भवन के बगल में पठन कक्ष का निर्माण कार्य	७०.०० लाख	पूर्ण
१२.	सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स हॉस्टल, कमच्छा में कामर्स भवन के प्रथम तल पर अध्यापक कक्ष का निर्माण कार्य	३०.०० लाख	पूर्ण
१३.	केन्द्रीय विद्यालय में दो तल के पठन कक्ष का निर्माण कार्य	२५०.०० लाख	कार्य प्रगति पर
१४.	एकेडमिक स्टाफ कालेज गेस्ट हाउस का निर्माण कार्य	४९.९४ लाख	कार्य प्रगति पर
१५.	रणवीर संस्कृत विद्यालय में पठन कक्ष का निर्माण कार्य	४०.०० लाख	पूर्ण

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा, मीरजापुर

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा लगभग २७०० एकड़ भूमि में फैला हुआ है। यहाँ पर शैक्षणिक कार्य का शुभारम्भ सन् २००६ ई० में हुआ है। अधिक संख्या में भवनें, छात्रावास, व्याख्यान कक्ष, महिला छात्रावास, प्रशासनिक भवन, केन्द्रीय पुस्तकालय भवन, किसान आवास, टिसू कल्चर, अतिथि गृह, बीज भण्डार, जलपान गृह इत्यादि पूर्णरूप से मनमोहक हैं। कुछ पहले से पूर्ण हो चुके हैं और वर्तमान में इस्तेमाल भी हो रहे हैं। प्रशिक्षण क्रिया-कलाप २००५-०६ से चल रहा है। राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा में बहुत ही तीव्र गति से विकास कार्य चल रहा है। भवन निर्माण, रोड, जल-आपूर्ति और विद्युतीकरण का कार्य भी बहुत ही शीघ्रता से किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष २०१०-११ में राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर, बरकछा में निम्नलिखित कार्य पूर्ण हुआ—

क्र. सं.	कार्य का नाम	लागत रु.	स्थिति
१.	विन्ध्याचल छात्रावास के द्वितीय तल का निर्माण कार्य	रु० १५४-०० लाख	पूर्ण
२.	शिवालिक छात्रावास के द्वितीय तल का निर्माण कार्य	रु० १५५.०० लाख	पूर्ण
३.	विन्ध्यवासिनी छात्रावास के द्वितीय तल (४० कमरे) का निर्माण	रु० ११३.८६ लाख	पूर्ण
४.	मालवीय जी स्थापना स्थल एवं स्थापना मूर्ति के चारो तरफ स्पाइक फेन्सिंग का कार्य	रु० ६२.०० लाख	पूर्ण
५.	व्याख्यान कक्ष के प्रथम तल का निर्माण कार्य	रु० ३७१.६०	पूर्ण

प्रेक्षागृहों/सभागारों का विवरण-

विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों/संस्थान तथा महाविद्यालय के अनेक प्रेक्षागृह हैं तथा सभाओं के लिये अनेक सभागार हैं, जिनकी मरम्मत एवं रख-रखाव भी विश्वविद्यालय निर्माण विभाग सम्पादित करता है, जिनका विवरण निम्नलिखित है—

१

वित्तीय वर्ष २०१०-११ के दौरान अनेक गणमान्य अतिथि और आगन्तुक इस विश्वविद्यालय में आये। इन अवसरों पर विश्वविद्यालय निर्माण विभाग एक महत्वपूर्ण योगदान देता है। उनमें से गणमान्य अतिथि भारत के उपराष्ट्रपति माननीय श्री हामिद अंसारी ने ११ मार्च २०११ को पधार कर विश्वविद्यालय की शोभा बढ़ायी।

इस विभाग में कर्मचारियों की कमी होने के बावजूद २०१०-११ में लगभग ३१० एग्रीमेन्ट द्वारा विश्वविद्यालय का विभिन्न कार्य किया गया है। बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सेवा-निवृत्त हो जाने के कारण बहुत ही कठिन स्थिति और उच्च आशाओं में पूर्ण न्याय देने की कोशिश की गयी है।

योग्य, अनुभवी एवं निपुण कर्मचारियों की सेवा-निवृत्ति होने के बावजूद विश्वविद्यालय निर्माण विभाग दैनिक वेतन व संविदा कर्मियों द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों का निर्माण कार्य, मरम्मत एवं रख-रखाव का कार्य यथासंभव सम्पादित कर रहा है।

विश्वविद्यालय यंत्र समुच्चय विज्ञान केन्द्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्र समुच्चय केन्द्र (यूसिक) लेवल-II का वर्ष १९८० में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में केन्द्रीय सुविधा के रूप में स्थापित किया गया। यूसिक लेवल-II एक गैर-शैक्षणिक विभाग के अन्तर्गत आता है।

क्रिया-कलाप

विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्र समुच्चय केन्द्र सम्बन्धित सेवाएँ त्वरित प्रदान करता है जैसे-

- इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक्स/ मैकेनिकल/ एनलिटिकल यंत्रों/ उपकरणों का मरम्मत एवं रख-रखाव करना।
- विभिन्न संस्थानों/संकायों/विभागों के यंत्रों/उपकरणों का डिजाइन/निर्माण करना।
- विश्वविद्यालय के विभागों में शोधरत छात्र/छात्राओं का प्रोजेक्ट तैयार करना इत्यादि।

संकायों/संस्थानों तथा इकाईयों इत्यादि की सूची जहाँ यूसिक कर्मचारी सेवाएं देते हैं -

- विज्ञान संकाय
- प्रौद्योगिक संस्थान
- बी०एच०यू० प्रेस
- विद्युत एवं जल आपूर्ति विभाग
- कृषि विज्ञान संस्थान

अत्यधिक संख्या में कीमती उपकरणों/मशीनों का रख-रखाव तथा मरम्मत का कार्य केन्द्र द्वारा पूरा किया गया।

विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्र समुच्चय केन्द्र द्वारा किये गये कार्यों का विवरण -

१अप्रैल २०१० से ३१मार्च २०११ के अंतर्गत यूसिक द्वारा किये गये मरम्मत कार्यों का विवरण तालिका तथा बार ग्राफ के माध्यम से दिया जा रहा है -

क्रम. सं.	विभाग/संकाय का नाम	कार्यों की संख्या
१.	विज्ञान संकाय	२१
२.	प्रौद्योगिक संस्थान	१७
३.	बी०एच०यू० प्रेस	८
४.	विद्युत एवं जलआपूर्ति विभाग	३
५.	कृषि विज्ञान संस्थान	२

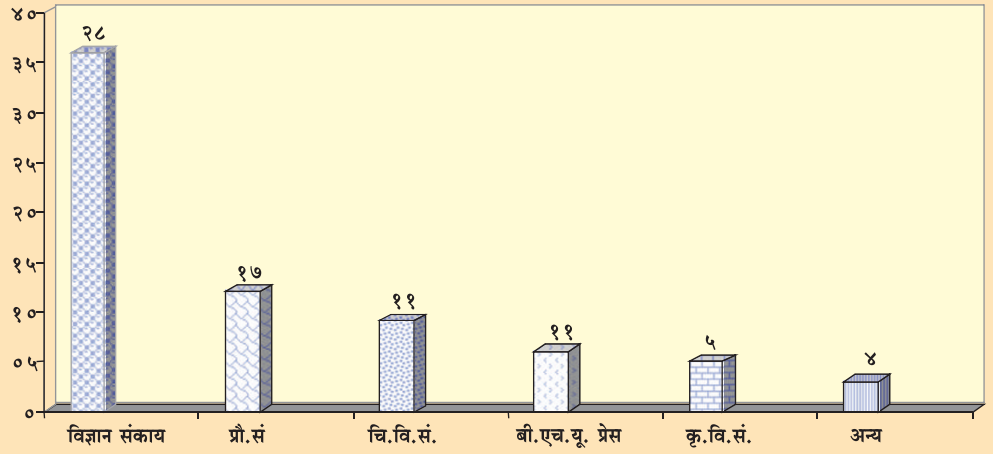

संकाय/विभागानुसार : यूसिक द्वारा किये गये कार्य (१अप्रैल २०१० से ३१ मार्च २०११ तक)

यूसिक लेवल-II की कार्य पद्धति :

प्रथम चरण : यंत्रों/उपकरणों की मरम्मत हेतु सम्बन्धित विभागों से पत्र के साथ-साथ उपकरण/ यंत्र का मगांया जाना।

नोट : भारी उपकरणों/मशीनों को विभाग में जाकर मरम्मत का कार्य करना।

द्वितीय चरण : टेक्निशियन द्वारा सम्बन्धित उपकरणों के खराबी का जांच करना।

तृतीय चरण : सम्बन्धित विभाग को उपकरण के मरम्मत के लिए अवयवों की सूची भेजना।

चतुर्थ चरण : सम्बन्धित विभाग द्वारा अवयवों (कम्पोनेंट) को देना।

नोट : यदि सम्बन्धित विभाग द्वारा कम्पोनेंट नहीं दिया जाता, उस दशा में सम्बन्धित उपकरण का मरम्मत नहीं हो पाता क्योंकि यूसिक लेवल-II में क्रय करने के लिये पैसे का कोई प्रावधान नहीं है।

पंचम चरण : यंत्रों/उपकरणों के मरम्मत के पश्चात् सम्बन्धित विभाग से **कार्य संतोषजनक का प्रमाण तथा कुछ विभागों द्वारा प्रशंसा-पत्र** भी यूसिक लेवल-II को दिया जाता है।

नोट : (अ) यदि उपकरणों के मरम्मत के लिए केन्द्र पर उचित सुविधा उपलब्ध न हो जैसे-गैस चार्जिंग, ट्रांसफार्मर रिवाइंडिग, कम्प्रेशर मरम्मत इत्यादि तो इस दशा में सम्बन्धित विभाग को **अनापत्ति प्रमाण पत्र** दिया जाता है तथा फैन रिवाइडिंग, मोटर रिवाइडिंग, रेफ्रिजरेटर तथा एयर कन्डीशनर की मरम्मत सम्बन्धित विभाग को पत्र के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्युत एवं जलआपूर्ति विभाग में संपर्क हेतू भेज दिया जाता है।

(ब) किन्हीं विशेष कारणों में यदि काफी बिगड़ा हुआ उपकरण है तो उस दशा में यूसिक लेवल-II उस उपकरण का सर्विस मैन्यूअल/सर्किट डायग्राम मांगता है। यदि सम्बन्धित विभाग देता है तो उसकी सहायता से खराबी खोजी जाती है तत्पश्चात् उपकरण का मरम्मत किया जाता है। अन्यथा उक्त उपकरण का **अनापत्ति प्रमाण पत्र** दिया जाता है।

उत्तम सेवा देने के लिये की गयी कार्यवाही

१. कुलसचिव कार्यालय (वित्त), काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा यूसिक लेवल-II के वित्तीय व्यवस्था को देखते हुए सं० ड्राटूसरकुलर/२००४-०५ दिनांक १७.०८.२००४ को जारी किया गया।

यूसिक लेवल-II का निधि बहुत ही कम होने के कारण उपकरणों के मरम्मत हेतु जो भी कम्पोनेंट की आवश्यकता होगी वह कम्पोनेंट सम्बन्धित विभाग द्वारा दिया जायेगा।

नोट : बहुत से ऐसे विभाग हैं जो कम्पोनेंट देने में अरुचि दिखाते हैं। जिससे मरम्मत कार्य में देर हो जाती है।

२. सं. सी. पी. ओ./०४-०५/ २४६९ दिनांक २४.१२.२००४ को जारी सूचना जिसमें विभिन्न संकायों/ विभागों/ इकाईयों से आग्रह किया गया है कि वे उपकरण क्रय करते समय उसके साथ सम्बन्धित उपकरण का सर्विस/यूज़र मैन्यूअल अवश्य साथ लें, ताकि यूसिक को भविष्य में मरम्मत के काम आये।

नोट : इस पर यदि यथाशीघ्र कार्यवाही न की गयी तो यूसिक को उपकरणों/यंत्रों की मरम्मत तथा जांच करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

३. इसके पहले भी यूसिक लेवल-II पत्र सं० १८४/CIR/USIC/८७-८८ दिनांक २८.०७.१९८७, सं०USIC/थ/९७-९८/३२ दिनांक १२.१२.१९९७, USIC/२००३-०४/३५० दिनांक ३०.०४.२००४ तथा USIC/२००९-१०/ दिनांक ०५.०२.२०१० को पत्रों के माध्यम से विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/ संस्थानों/ संकायों/ इकाईयों को यूसिक की सुविधाओं के बारे में सूचित किया गया है।

अंतिम टिप्पणी

यह विवरण काशी हिन्दू विश्वविद्यालय परिवार के द्वारा यन्त्रों/उपकरणों के मरम्मत/ रख-रखाव/ प्रारूप/निर्माण के अंतर्गत परा-स्नातक/ स्नातकोत्तर/ अनुसंधान के तहत १ अप्रैल २०१० से ३१ मार्च २०११ तक तैयार कर प्रस्तुत किया गया है।

(अ) विश्वविद्यालय द्वारा यंत्रसमुच्चय केन्द्र यूसिक के उद्देश्यों के लिए जो कार्यवाही की जाये -

(१) आवश्यकतानुसार डिजाइन, डेवलपमेंट तथा आधुनिक यांत्रिक पद्धति से मरम्मत कार्य।

(२) विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, अध्यापकों तथा टेक्निकल तथा स्नातकोत्तर अनुसंधान स्तर पर 'इन्स्ट्रूमेंटेशन' के तहत प्रशिक्षण का आयोजन कराना, जिससे विद्यार्थी पूरे विश्वास के साथ बेहतर प्रयोग कर लाभान्वित हो सकें।

(३) विश्वविद्यालय तथा समीप के व्यवसायों के लिये यंत्रों का प्रेक्षण करना।

(४) बी० एससी० डिप्लोमा इन इन्स्ट्रूमेंटेशन के स्तर पर स्पेशल पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण इत्यादि का आयोजन करने के लिए यूसिक के दिशा-निर्देशन में आवश्यक कार्यवाही की जाये, जिससे भविष्य में आगे बढ़ सकें।

यूसिक लेवल-II कुलपति, निदेशकों, संकाय प्रमुखों, विभाग प्रमुखों तथा प्रशासन से सहयोग प्राप्त कर इस जगह को यादगार बनाने की अभिलाषा रखता है।

९.१२. स्वास्थ्य देखभाल

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय

सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं प्रशिक्षण हेतु संबद्ध चिकित्सालय है जो अपने स्थापना वर्ष १९२६ से ही निरन्तर इस क्षेत्र के रोगियों की सेवा करता हुआ उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर गतिमान है। वर्ष २०१०-११ के कुछ प्रमुख विकास-सोपान एवं उपलब्धियां निम्नवत् है-

वर्ष २०१०-२०११ के दौरान चिकित्सालय द्वारा निम्नवत चिकित्सा सेवाएँ प्रदान की गयीं -

क्र.सं.	सेवाएँ	२	
३	कुल सर्जिकल ऑपरेशन	२४०५५	२५१६

स्पष्टतया, विगत वर्षों की भाँति रोगियों एवं सेवाओं की अभिवृद्धि इस वर्ष भी जारी रही है।

अतिरिक्त नवीन उपकरण

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सेवा योजना के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान से १.५ टेस्ला एम.आर.आई. एवं कार्डियक कैथ लैब का लोकार्पण हुआ। चिकित्सालय परिसर में क्लोज सर्किट टी वी की स्थापना की गयी। चिकित्सालय की निरन्तर बढ़ती आक्सीजन की आवश्यकता की आपूर्ति के लिये द्रवित आक्सीजन प्लान्ट की स्थापना पूर्णता की ओर अग्रसर है। चिकित्सालय प्रबन्धन व्यवस्था के आधुनीकरण की दिशा में कम्प्यूटराइजेशन एवं एच.एम.आई.एस. की स्थापना का कार्य शीघ्र ही प्रारम्भ होने वाला है। अतिरिक्त चिकित्सकीय साधन के रूप में एक सघन चिकित्सा रोगी वाहन (क्रिटिकल केयर एम्बुलेन्स) एवं मोबाइल ब्लड डोनेशन एम्बुलेन्स का लोकार्पण किया जा चुका है। साथ ही फिजियोथेरैपी इकाई, कम्प्रेस्ड एयर एवं केन्द्रीय गैस सप्लाई संयंत्र का नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण हो रहा है।

संरचना सम्बन्धी विकास

नकद संकलन व पंजीकरण, रेडियोलॉजी पंजीकरण एवं क्लीनिकल जाँच केन्द्र नमूना संकलन, ए.आर.टी जाँच के लिये उक्तामगुणवक्ता केन्द्र एवं क्षार सूत्र का राष्ट्रीय केन्द्र अतिशीघ्र प्रारम्भ होने वाला है। डाक्टर्स लाउन्ज का नवीनीकरण कर उसे चिकित्सालय के प्रयोग में आने वाले कार्यक्रम स्थल/सभागृह का रूप दिया गया। चिकित्सालय परिसर अन्तर्गत खुली जगह एवं लॉन की घेराबन्दी, फर्श का सुदृढ़ीकरण, समतलीकरण एवं उचित जल निकासी की सुचारु व्यवस्था कर इसका सुन्दरीकरण किया गया। चिकित्सालय के मुख्य प्रवेश द्वारा का पुनर्निर्माण एवं नवीनीकरण हुआ। चिकित्सालय भवन में स्थित प्रसाधन एवं साफ्ट का नवीनीकरण किया गया। अत्यधिक क्षमता युक्त नये शव गृह का निर्माण हुआ। नेत्र चिकित्सालय भवन के निकट वाहनों लिये अतिरिक्त पार्किंग का निर्माण किया गया। चिकित्सालय परिसर में स्थित सड़कों का विस्तारीकरण एवं उचित मरम्मत हुआ। बाल शल्य चिकित्सालय भवन में मरीजों की सुविधा के लिये एक नयी लिफ्ट की व्यवस्था की गयी।

अतिरिक्त नयी सुविधाएँ

- सी.सी.आई. एवं भारतीय चिकित्सा प्रखण्ड प्रयोगशाला में अतिरिक्त जाँच की सुविधाओं से युक्त एक अन्य आटो एनालाइजर लगाया गया ।
- बहिरंग विभाग में आहार सलाह क्लिनिक एवं अंतरंग भवन में भर्ती मरीजों के लिये बेड साइड आहार सलाह सेवा की शुरुआत की गयी।
- भर्ती हुये मरीजों के लिये फिजियोथेरैपी सेवा का विस्तार करते हुए उसे बेड साइड पर प्रदान करने की व्यवस्था की गयी।

आवश्यक सहायक सेवाएँ

चिकित्सालय के लॉन्ड्री एवं सी.एस.एस.डी. में अतिरिक्त नवीन ब्वायलर, टम्बलर ड्रायर एवं स्टीम स्टरलाइजर मशीन लगायी गयी। चिकित्सालय के बाहरी प्रकाश व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया। मृतकों के शव के निर्वहन के लिये एक अतिरिक्त शव वाहन की व्यवस्था की गयी।

मरीज एवं उनके परिजनों के लिये दी गयी सुविधाएँ

१. आपात बहिरंग में आकस्मिक मरीजों के आवागमन को सुगम बनाने की दृष्टि से नये विस्तृत प्रवेश द्वार की व्यवस्था की गयी।
२. चिकित्सालय के विभिन्न स्थलों पर मरीजों एवं उनके परिजनों के लिये अमूल एवं नेसकैफे आउटलेट की स्थापना की गयी।
३. आपात चिकित्सा एवं बाल चिकित्सालय के निकट दो अतिरिक्त सार्वजनिक प्रसाधन का निर्माण मेसर्स सुलभ इण्टरनेशनल के द्वारा किया गया।
४. मरीजों एवं उनके परिजनों के ठहरने के लिये विश्राम कुटीर एवं शेल्टर शेड का निर्माण पूरा हुआ।

चिकित्सालय से लाभान्वित रोगियों की संख्या में निरन्तर वृद्धि चिकित्सालय के प्रति क्षेत्रीय जनता के विश्वास एवं निर्भरता का द्योतक है। चिकित्सालय जनसमुदाय की आशाओं और अभिलाषाओं को पूरा करने के लिये अपनी पूरी निष्ठा के साथ सदैव प्रयत्नशील रहा है और भविष्य में भी प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य निगरानी संकुल

विश्वविद्यालय के पास सभी छात्रावासी छात्रों और नगर में निवास करने वाले छात्रों के लिए एक सशक्त और बहुआयामी स्वास्थ्य

निगरानी सेवा प्रणाली उपलब्ध है। छात्रों को स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधायें एक स्वतंत्र ईकाई जिसका नाम ''यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स हेल्थकेयर कॉम्प्लेक्स'' है और विश्वविद्यालय परिसर के लगभग मध्य भाग में छात्रावास मार्ग पर स्थित है के माध्यम से छात्रों को प्रदान की जाती है। वस्तुत: यह विभिन्न चिकित्सा विषयों में स्नातकोत्तर योग्यता वाले विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से छात्रों के स्वास्थ्य की देखरेख की जाती है। यह व्यवस्था मुख्य चिकित्साधिकारी की निगरानी एवं प्रशासकीय नियंत्रण में प्रशिक्षित एवं समर्पित पैरामेडिकल और नर्सिग स्टाफ के सहयोग से पूरी की जाती है।

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य निगरानी संकुल समस्त छात्रों को प्रत्येक कार्य दिवस पर प्रात: ८.०० बजे से रात्रि ८.०० बजे तक बारह घंटे क्लिनिकल सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। अवकाश की अवधि में ये सेवायें एस.एस. हॉस्पिटल के अनुसार संचालित की जाती हैं। रात्रि ८.०० बजे से अगले दिन प्रात: ८.०० बजे तक किसी भी चिकित्सा के लिए छात्रों को एस. एस. हॉस्पिटल जाना होता है। सभी छात्रों को बहुआयामी स्वास्थ्य सुविधायें बहिरंग और अंन्तरंग रोगियों के रूप में प्रदान की जाती है। जिसमें शल्य विधियाँ, उच्चतकनीकि की जाँच जैसे एमआरआई, सी.टी. स्केन यूएसजी इत्यादि और सन्दर्भित चिकित्सा नि:शुल्क की जाती है। प्रत्येक छात्र से उनकी चिकित्सीय निगरानी के निमित्त स्टूडेन्ट हेल्थ वेलफेयर स्कीम के अन्तर्गत वार्षिक शुल्क के रूप में मात्र रु.३५०/- लिया जाता है।

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य निगरानी संकुल का मुख्य इकाई और कार्यालय विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में स्थित है। इसके साथ ही दक्षिण परिसर के छात्रों के लिए रा०गा०द० परिसर, बरकछा में एक छोटा डिस्पेन्सरी इकाई और संकुल तथा शिक्षा संकाय के छात्रों के लिए कमच्छा (नगर में) स्थित है।

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य निगरानी संकुल में उपलब्ध सेवाएँ। सुविधायें:

१. नैदानिकी सेवाएँ-

(क) सामान्य बहिरंग रोगी परामर्श

(ख) डे केयर सेन्टर

(ग) शल्य सेवायें

(घ) आर्थोपेडिक सेवायें

(ड.) श्वसन क्लीनिक

(च) विशिष्ट चिकित्सा परामर्श

(छ) शल्य कक्ष चिकित्सा सेवायें

(ज) फार्मेसी सेवायें

(झ) ड्रेसिंग सेवायें

(ञ) इंजेक्शन और टीकाकरण सेवायें

(ट) चिकित्सा प्रमाण पत्र

(ठ) आपात कालीन दवाओं का स्थानीय क्रय

(ड) अन्तरंग चिकित्सा माँग प्रतिपूर्ति

(ढ़) अन्य विश्वविद्यालयी घटनाओं/स्पोर्ट्स की नैदानिक सेवाएँ

जुलाई ३१, २००९ को माननीय कुलपति प्रो. डी.पी.सिंह ने संकुल के पुराने भवन के नवीनीकृत खण्ड का उद्घाटन किया और संकुल के कम्प्यूटराइज्ड हेल्थ केयर डिलवरी सिस्टम (छाया चित्र नीचे दिया गया है) को प्रारम्भ किया।

वर्तमान सत्र में विस्तार

वर्तमान सत्र के दौरान छात्रों के साथ-साथ कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्यों के लिए केन्द्रीय सुविधा के रूप में विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य निगरानी संकुल में तीन नई ईकाईयों को सम्मिलित किया गया।

१. सेन्टर ऑफ क्लीनिकल इन्वेस्टिगेशन

२. सेन्टर क्लीनिक

३. होमियोपैथी क्लीनिक

दिसम्बर १, २०१० को माननीय कुलपति प्रो. डी.पी. सिंह ने सेन्टर ऑफ क्लीनिकल इन्वेस्टिगेशन, डेन्टल क्लीनिक और होमियोपैथिक क्लीनिक का उद्घाटन किया।

सम्बन्धित छाया चित्र नीचे दिये गये है

बहिरंग मरीजों की संख्या, शल्य क्रिया डी सी सी सहित टीकाकरण इत्यादि से सम्बंधित आंकडें-

ओपीडी में प्रतिदिन औसत उपस्थिति	लगभग ५९२
वर्तमान सत्र में शल्य क्रिया/ड्रेसिंग इत्यादि	लगभग ७५७२
प्रयोगशालयी जाँच इत्यादि का परामर्श	लगभग ९,१४४

भविष्य की योजनायें

१. ''कीप फिट'' क्लीनिक

२. स्वास्थ्य शिक्षा

३. मनोचिकित्सा परामर्श/तनाव प्रबंधन क्लीनिक

४. योग व ध्यान क्लीनिक

५. फिज़ियोथिरेपी

६. अन्तरंग सुविधा (१० बिस्तरों का आइसोलेशन वार्ड सहित ४० बिस्तरों का)

विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य निगरानी संकुल में उपलब्ध सेवाएँ/सुविधाएँ

१. क्लीनिकल सेवायें : प्रात: ८.०० बजें से अपरान्ह २.३० बजे तक

(क) सामान्य वहिरंग रोगी परामर्श

सर सुन्दर लाल अस्पताल की नवस्थापित मोबाइल ब्लड बैंक सुविधा

१.५ टेस्ला एमआरआई सुविधा

विश्वविद्यालय कर्मचारी स्वास्थ्य केन्द्र

विश्वविद्यालय छात्र स्वास्थ्य सुरक्षा संकुल में नवस्थापित सुविधाएं

(ख) शल्य परामर्श

(ग) आर्थोपेडिक सेवायें

(घ) विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श

(ड.) फार्मेसी सेवायें

(च) इंजेक्शन व टीकाकरण सेवायें

(छ) चिकित्सा प्रमाण पत्र

(ज) चिकित्सा दावा प्रतिपूर्ति (अन्तरंग व बहिरंग रोगी)

(झ) रक्त एवं मूत्र इत्यादि परीक्षण

(ञ) नियमित/पेंशनर/फेमिली पेंशन इत्यादि के लिए स्वास्थ पुस्तिका

(ट) कर्मचारियों के अवकाश प्राप्ति के बाद यू ई एच सी सी से सम्बन्धित नोड्यूज प्रमाण पत्र

२. वार्षिक बहिरंग रोगी उपस्थिति - १.६ लाख (लगभग)

९.१३. विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद्

विश्वविद्यालय क्रीड़ा संघ को उच्चीकृत करके वर्तमान विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद की स्थापना सन् १९७५ में की गई। इसका उद्देश्य, विश्वविद्यालय के छात्रों में खेल भावना जागृत करना तथा उनके लिये विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली द्वारा संचालित अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोंगिता तथा दूसरे विभिन्न खेलसंघो द्वारा आयोजित अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये विश्वविद्यालय खेल दलों का चयन एवं उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था, विश्वविद्यालय से सम्बद्ध यूनिट के सदस्यों के सहयोग से करना है।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् विश्वविद्यालय के विभिन्न खेल दलों के लिए प्रशिक्षण शिविर, उप-निदेशक, सहायक निदेशक एवं प्रशिक्षक के सहयोग से आयोजित करता है ।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् से सम्बद्ध खेल

१. धनुर्विद्या (पु०)

२. एथलेटिक्स (पु० एवं म०)

३. बैडमिन्टन (पु० एवं म०)

४. बॉस्केटबाल (पु०एवं म०)

५. बॉक्सिंग (पु०)

६. शतरंज (पु० एवं म०)

७. क्रिकेट (पु०)

८. साइकिलिंग (पु० एवं म०)

९. फुटबाल (पु०)

१०. जिम्नास्टिक्स एवं मलखम्भ (पु० एवं म०)

११. हैण्डबाल (पु० व म०)

१२. हॉकी (पु०)

१३. कबड्डी (पु० एवं म०)

१४. खो-खो (पु० एवं म०)

१५. भारोत्तोलन एवं शरीर सौष्ठव (पु० एवं म०)

१६. नौकायन (पु० एवं म०)

१७. निशानेबाजी (पु० एवं म०)

१८. स्क्वैश रैकेट (पु०)

१९. तैराकी (पु० एवं म०)

२०. टेबल टेनिस (पु० एवं म०)

२१. टेनिस (पु० एवं म०)

२२. वॉलीबाल (पु० एवं म०)

२३. कुश्ती (पु०)

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद् के खेल प्रांगण

१. एम्पिथियेटर मैदान:

१. एथलेटिक्स (पु० एवं म०)
२. बास्केटबाल (पु० एवं म०)
३. बाक्सिंग (पु०)
४. क्रिकेट (पु०)
५. फुटबाल (पु०)
६. हैण्डवाल (पु० एवं म०)
७. हॉकी (पु०)
८. कबड्डी (पु० एवं म०)
९. खो-खो (पु० एवं म०)
१०. स्क्वैश रैकेट (पु०)
११. टेबल टेनिस (पु० एवं म०)
१२. टेनिस (पु० एवं म०)
१३. वॉलीबाल (पु० एवं म०)

२. छत्रपति शिवाजी व्यायामशाला

१. जिम्नास्टिक एवं मलखम्भ (पु० एवं म०)

२. पॉवर लिफ्टिंग (पु० एवं म०) और भारोत्तोलन एवं शरीर सौष्ठव (पु०)

३. कुश्ती (पु०)

विश्वविद्यालय के कर्मचारी, छात्र एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न खेल दलों के सदस्यों को इस व्यायामशाला में जिम्नास्टिक्स, मलखम,

कुश्ती, भारोत्तोलन, शरीर सौष्ठव, एवं योगासन से सम्बन्धित सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

३. जे० के० बैडमिंटन हॉल

१. बैडमिंटन (पु० एवं म०)

यहाँ विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के साथ साथ विभिन्न संकाय/संस्थान/कॉलेज को अपने अन्तर्कक्षा एवं अन्तर विभाग बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित करने एवं प्रशिक्षण की सुविधा उनके अनुरोध पर प्राप्त है।

४. तरण-ताल

१. तैराकी एवं डाइविंग (पु० एवं म०) एवं वाटर पोलो (पु०)

विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी तथा उनके पाल्यों को प्रशिक्षित करने एवं आधारभूत तैराकी के कौशल को सिखाने हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जाते हैं।

५. महाराजा डा० विभूतिनारायण सिंह अन्तरंग क्रीड़ांगन

बहुउद्देशीय इस अन्तरंग क्रीड़ांगन में विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के छात्रों, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए चार बैडमिंटन कोर्ट एवं बॉक्सिंग रिंग की सुविधा उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा सत्र २०१०-११ में आयोजित की गयी प्रतियोगिताएँ

अन्तर संकाय

१.	अन्तर संकाय फुटबॉल (पु०) प्रतियोगिता	२८-०८-२०१० से ०७-०९-२०१०
२.	अन्तर संकाय टेनिस (पु०म०) प्रतियोगिता	१८-११-२०१० से २२-११-२०१०
३.	अन्तर संकाय टेबुल टेनिस (पु०म०) प्रतियोगिता	२७-०९-२०१० से ०३-१०-२०१०
४.	अन्तर संकाय बालीबाल (पु०) प्रतियोगिता	११-०१-२०११ से १३-०१-२०११

अन्तर विश्वविद्यालय

१,	पूर्वी क्षेत्र एवं अखिल भारतीय अन्तर विश्वविद्यालय टेनिस (पु०) प्रतियोगिता	२०-०२-२०११ से १०-०२-२०११
२	पूर्वी क्षेत्र अन्तर विश्वविद्यालय हॉकी (पु०) प्रतियोगिता	३१-१२-२०१० से ०६-०१-२०११

विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद द्वारा आयोजित अन्य गतिविधियाँ

१. ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर सात विभिन्न खेलों (एथलेटिक, फुटबाल, हॉकी, वॉलीबाल, टेनिस, बैडमिन्टन और योगा) का आयोजन दिनांक २० मई २०११ से २१ जून, २०११ तक किया।

विश्वविद्यालय खेल दलों की क्षेत्रीय एवं अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयीय विश्वविद्यालय खेल दलों की क्षेत्रीय एवं अखिल भारतीय अन्तर

क्रम संख

१

९.१४. छात्र अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की संस्थापना का मूल्य मंत्र रहा है कि इसमें केवल विद्या ही पढ़ना नहीं वरन् इसके साथ-साथ चरित्र निर्माण भी है। विश्वविद्यालय के संस्थापक पूज्य पंडित मदन मोहन मालवीय जी के अनुसार ज्ञान और चरित्र दोनों का मेल कर देने से संसार में मान होगा तथा गौरव प्राप्त होगा । जीवन का सर्वांगीण विकास शिक्षा का मूलमंत्र है। शिक्षा की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि विद्यार्थी अपनी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक शक्तियों का विकास कर आगे चल कर किसी व्यवसाय द्वारा सच्चाई और ईमानदारी से अपना जीवन निर्वाह कर सके, कलापूर्ण सौहार्द जीवन व्यतीत कर सके, समाज में आदरणीय व विश्वासपात्र बन सके तथा देश भक्ति से, जो मनुष्य को उच्चकोटि की सेवा को प्रेरित करती हो अपने जीवन को अलंकृत कर राष्ट्र की सेवा कर सके।

तदनुरूप काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में अनेक विधाओं से उत्सव, समारोह एवं विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की जाती हैं। जिससे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को उचित प्रोत्साहन मिल सके तथा वे एक चरित्रनिष्ठ युवा के रूप में देश की सेवा कर सकें। सत्र् २०१०-११ में आयोजित क्रियाकलापों का विवरण निम्नवत् हैं :

उत्सव एवं समारोह प्रकोष्ठ के अधीन आयोजित कार्यक्रम

१. शैक्षणिक सत्र २०१०-११ का शुभारम्भ (२८.०६.२०१०)

विश्वविद्यालय की परम्परा के अनुरूप दिनांक २८ जून २०१० को प्रात: ७.३० बजे परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में नये शैक्षणिक सत्र के शुभारम्भ के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने रुद्राभिषेक एवं पूजन किया। इस समारोह में विश्वविद्यालय के अधिसंख्य अधिकारी, अध्यापक, कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहे तथा नये शैक्षणिक सत्र की सफलता हेतु भगवान विश्वनाथ से प्रार्थना की।

२. स्वतंत्रता दिवस समारोह (१५.०८.२०१०)

भारत के ६२वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एम्पीथियेटर मैदान में एन.सी.सी. के कैडेटों द्वारा भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. डी.पी. सिंह ने प्रात: ९ बजे राष्ट्रध्वज फहराया व राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी। एन.सी.सी. ग्रुप हेडक्वाटर के कर्नल हरजीत सिंह के साथ माननीय कुलपति ने एन.सी.सी. कैडेटों की परेड का निरीक्षण किया। तत्पश्चात समारोह में उपस्थित दर्शकों को कुलपति महोदय ने संबोधित किया। एन.सी. सी. के आर्मी, नेवी, व एयरविंग के छात्रों ने विविध प्रदर्शन किये। राष्ट्रगान व वन्दे मातरम् की प्रस्तुति संगीत व मंचकला संकाय द्वारा की गयी। उक्त अवसर पर राष्ट्रभक्ति गीत व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

३. श्री कृष्ण जन्माष्टमी समारोह (०१.०९.२०१०)

दिनांक १ सितम्बर २०१० को मालवीय भवन में सायं ५ बजे से श्री कृष्ण जन्माष्टमी समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आचार्य कमलेश दत्त त्रिपाठी जी ने श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा विधिवत पूजन के उपरान्त कुलपति महोदय ने सभी को प्रसाद वितरित किया। हर वर्ष की भाँति छात्रावासों में भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर झांकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके परिणाम निम्नवत् रहे-

त्रिवेणी संकुल व न्यू. पी.जी. छात्रावास को प्रथम पुरस्कार, ज्योति कुंज महिला छात्रावास द्वितीय पुरस्कार तथा रूईया (संस्कृत) छात्रावास और डाक्टर आइ.एन. गूर्टू छात्रावास को तृतीय पुरस्कार मिला। प्रोत्साहन पुरस्कार मैनेजमेन्ट छात्रावास, कृषि महिला छात्रावास, रामकिंकर छात्रावास व राजपूताना छात्रावास को प्रदान किया गया। राजीव गांधी दक्षिणी परिसर स्थित छात्रावासों की प्रतियोगिता में न्यू ब्वायज छात्रावास प्रथम विन्ध्यवासिनी छात्रावास द्वितीय तथा शिवालिक

छात्रावास तृतीय स्थान पर रहा। इसी क्रम में विद्यालय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में सेंट्रल हिन्दू ब्वायज़ स्कूल प्रथम, सेंट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल द्वितीय व श्री रणवीर संस्कृत विद्यालय को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

४. शिक्षक दिवस समारोह (०५.०९.२०१०)

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जयंती के अवसर पर ५ सितंबर २०१० को विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जगमोहन सिंह राजपूत, पूर्व अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् ने विश्वविद्यालय के अवकाश प्राप्त शिक्षकों को अंग वस्त्र, स्मृति चिह्न तथा सम्मान पत्र द्वारा सम्मानित किया तथा शोध पत्रिका (प्रज्ञा) के मानव मूल्य विशेषांक का विमोचन किया। मालवीय भवन में पूर्वाह्न ११ बजे से प्रारम्भ समारोह की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. डी.पी. सिंह जी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

५. गाँधी जयन्ती (०२.१०.२०१०)

२ अक्टूबर २०१० को गाँधी जयन्ती के अवसर पर लाला लाजपत राय पाठशाला एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो.डी.पी. सिंह व समस्त अधिकारियों ने महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्रों पर मल्यार्पण कर प्रात: ८.०० बजे कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पाठशाला की कक्षा ५वीं की छात्रा कु. शकीला बानों ने महात्मा गाँधी की प्रिय धुन 'रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीता राम' की प्रस्तुति कर रु.५०० का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। तत्पश्चात कुलपति महोदय के साथ उपस्थित अतिथियों ने श्रमदान किया। इस अवसर पर गाँधी चबूतरा पर पुष्पांजली कर सभी ने महात्मा गाँधी को स्मरण किया। विश्वविद्यालय का मुख्य आयोजन पूर्वाह्न १० बजे से मालवीय भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि काशी के प्रख्यात गाँधी विचारक प्रो. राम चन्द्र सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये। समारोह में सर्व धर्म प्रार्थना के साथ ही राष्ट्र पिता का प्रिय भजन 'वैष्णवजन .....' की प्रस्तुति की गयी है। गाँधी जयन्ती के अवसर पर कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय के ३४ प्रज्ञाचक्षु छात्रों को शिक्षण सहायता के रूप में रु. ५००० हजार नगद प्रदान किये तथा छात्र कल्याण योजना के अन्तर्गत १९ अतिविकलांग विद्यार्थियों को नि:शुल्क तिपहिया साईकिल प्रदान की। कुलपति ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि गाँधी जी के बताये रास्ते पर चले तो पूरे समाज का कल्याण होगा तथा सभी से किसी भी प्रकार के नशा न करने का अपील की। मालवीय भवन प्रांगण में आचार्य कुल एवं सर्वधर्म संघ के संयुक्त तत्वाधान में गाँधी जीवन मूल्य प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

६. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस (११.११.२०१०)

भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री श्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद का जन्म दिन दिनांक ११ नवम्बर २०१० को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रुप में मनाया गया। संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ने अपने विचार रखते हुये श्री अबुल कलाम आजाद के द्वारा प्रदान की गई शिक्षा व्यवस्था पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रुप में पधारे "अक्षर धाम" मन्दिर, नई दिल्ली के स्वामी साधु भद्रेशदास जी ने कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में ही वास्तविक रुप से प्रज्ञा का विकास हो रहा है तथा आचार्य परम्परा का भी निर्वहन हो रहा है। समारोह में अधिसंख्य अध्यापक, छात्र व कर्मचारी उपस्थित रहे।

७. महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की पुण्य तिथि (२५.११.२०१०)

राष्ट्रीय हिन्दी पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष, कृष्णपक्ष, चतुर्थी, गुरुवार दिनांक २५ नवम्बर २०१० को महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की पुण्य तिथि प्रात: ९.०० बजे मालवीय भवन में आयोजित की गयी । इस अवसर पर कुलपति, रेक्टर, संस्थानों के निदेशक, संकायों के प्रमुख, प्राचार्या महिला महाविद्यालय, छात्र अधिष्ठाता, मुख्य आरक्षाधिकारी सहित अध्यापकों व छात्रों द्वारा महामना की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयीं, साथ ही शांति एवं गीता का पाठ किया गया तथा दो मिनट का मौन रखा गया।

८. महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती (१४.१२.१० – २८.१२.१०)

विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी की जन्म जयंती का पखवाड़ा दिनांक १४ दिसंबर २०१० से २८ दिसंबर २०१० तक बड़े ही हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। मालवीय जयंती समारोह का उद्घाटन १४ दिसंबर २०१० को स्थानीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की भजन प्रतियोगिता से प्रारंभ किया गया। दिनांक २२ दिसंबर २०१० को प्रात: ९ बजे विधिवत् देवादिपूजन माननीय कुलपति महोदय के द्वारा किया गया व सप्ताहव्यापी श्रीमद्भागवत्पारायण एवं श्रीमद्भागवत् प्रवचन का भी शुभारम्भ हुआ। मालवीय जयंती पखवाड़ा के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएँ - तत्काल चित्र कला प्रतियोगिता, फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता, लोकगीत व समूहगान प्रतियोगिता, हिन्दी व अंग्रेजी में वाद -विवाद प्रतियोगिता, शास्त्रार्थ प्रतियोगिता, संगीतमय कण्ठस्थ गीतापाठ प्रतियोगिता आदि का अयोजन किया गया। इस दौरन भजन व भक्ति संगीत व वेदशाखा स्वाध्याय का भी आयोजन किया गया तथा दिनांक २३ दिसंबर २०१० को मालवीय स्मृति विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया व जिसमें महात्मा गाँधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट के कुलपति प्रो. के. बी. पाण्डेय ने व्याख्यान दिया। २५ दिसंबर २०१० को मालवीय स्मृति पुष्प प्रदर्शनी का शुभारंभ भी माननीय कुलाधिपति डा. कर्ण सिंह जी द्वारा किया गया तथा सायं काल मालवीय दीपावली का भी आयोजन किया गया। महामना के १५०वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में महामना की आदमकद प्रतिमा का अनावरण विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डा. कर्ण सिंह जी द्वारा किया गया। इस अवसर पर महामना के प्रपौत्र न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय जी ने भी स्वयं उपस्थित होकर आशीर्वचन प्रदान किया। इस वर्ष राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में भी उक्त सभी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं व दिनांक २४ से २७ दिसंबर २०१० तक श्रीमद्भागवत्पारायण एवं

श्रीमद्भागवत् प्रवचन का भी आयोजन किया गया।

दिनांक २८ दिसंबर २०१० को मालवीय भवन प्रांगण में अपराह्न ३.३० बजे से मालवीय जयंती समापन समारोह व पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया तथा जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में महामना मालवीय जी के प्रपौत्र न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय व विशिष्ट अतिथि मालवीय जी की प्रपौत्री डा. (श्रीमती) मंजू शर्मा, पूर्व सचिव, बायोटेक्नालोजी विभाग, भारत सरकार भी उपस्थित रहीं।

९. स्वामी विवेकानन्द जयंती (१२.०१.२०११)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र व छात्र अधिष्ठाता कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक १२ जनवरी २०११ को स्वामी विवेकानन्द जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रुप में मनाया गया। अपराह्न २.३० बजे से मालवीय भवन में आयोजित समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में श्री पी. ए. नाजरेथ, पूर्व राजदूत, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं प्रबंध न्यासी, अन्तर्राष्ट्रीय सर्वोदय न्यास ने ''स्वामी विवेकानन्द के विश्व बन्धुत्व भाव का समसामयिक महत्व'' विषय पर राष्ट्रबोध के भाव से उन्नयन विचार व्यक्त किये। अतिथि वक्ता स्वामी नीलकण्ठानंद जी महाराज, श्री रामकृष्ण सेवाश्रम, वाराणसी ने भी अपने विचारों से आयोजन की शोभा बढ़ाई। अध्यक्षता कर रहे रेक्टर प्रो. बी.डी.सिंह ने वक्ताओं को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र भेंट कर वक्ताओं को सम्मानित किया।

१०. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह (२३.०१.२०११)

दिनांक २३ जनवरी २०११ को मालवीय भवन में अपराह्न २.३० बजे से नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में श्री तरुण कांति बोस जी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त किये। विश्वविद्यालय के छात्रों व एन.सी.सी. के कैडेटों से भरे सभागार में श्री तरुण कांति बोस जी ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन पर प्रकाश डालते हुये उनके आदर्शों का अनुकरण करने की विद्यार्थियों से अपील की।

११. गणतंत्र दिवस समारोह (२६.०१.२०११)

दिनांक २६ जनवरी २०११ को एम्पीथियेटर के मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। प्रात: ९.०० बजे एन.सी.सी. के ग्रुप कमांडर द्वारा समारोह के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति कर्नल कमांडेन्ट प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह जी का स्वागत किया। तदुपरान्त तिरंगे झंडे को फहराया गया तथा राष्ट्रगान के उपरान्त कुलपति जी ने परेड का निरीक्षण किया।

सुश्री अंजली शर्मा, एम.म्यूज़., संगीत विभाग, मंच कला संकाय को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों के आधार पर पूर्व राष्ट्रपति डा० शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक प्रदान किया गया।

श्री रामकेश्वर तिवारी, आचार्य द्वितीय वर्ष, व्याकरण विभाग, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय को संस्कृत में आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में सर्वोत्तम स्थान प्राप्त करने के लिये महामना संस्कृत पुरस्कार प्रदान किया गया।

सामाजिक विज्ञान संकाय के बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र श्री विवेक सिंह को सर्वोत्तम एथलीट के रूप में मेज़र एस.एल.दर स्वर्ण पदक व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

३ यू.पी. आर्म्ड स्क्वार्डन एन.सी.सी. के कैडेट अब्दुल वाहिद को सर्वोत्तम एन.सी. सी. कैडेट के रूप में मेज़र एस. एल. दर रजत पदक व प्रमाण पत्र से अलंकृत किया गया।

समारोह में निम्नलिखित गैर शिक्षण कर्मचारियों को उनके सराहनीय सेवाओं के लिये ''सर्वोत्तम कर्मचारी पुरस्कार'' प्रदान किया गया :

१. श्री राजबली, वरिष्ठ सहायक, कुलसचिव कार्यालय
२. श्री जयन्ती प्रसाद सिंह, वरिष्ठ तकनीकि सहायक, प्रौद्योगिकी संस्थान
३. श्री राम अवध, छात्रावास परिचारक, राजपूताना छात्रावास
४. श्री राम सेवक प्रसाद, पुस्तकालय परिचारक, दृश्य कला संकाय

१२. स्थापना दिवस समारोह (८.०२.२०११)

परम्परा के अनुसार बसंत पंचमी के अवसर पर विश्वविद्यालय स्थापना दिवस समारोह का आयोजन दिनांक ८ फरवरी २०११ को प्रात: ७ बजे स्थापना स्थल पर किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम स्थापना स्थल पर हवन-पूजन करने के उपरान्त सरस्वती पूजन माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के अधिसख्य अधिकारी, अध्यापक, कर्मचारी तथा छात्र एवं व छात्र परिषद् के सदस्य भी पूजन समारोह में उपस्थित रहे। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न छात्रावासों में भी माँ सरस्वती की पूजा का आयोजन किया गया। कुलपति, रेक्टर, कुलसचिव, छात्र अधिष्ठाता तथा मुख्य आरक्षाधिकारी महोदय भी छात्रावासों में आयोजित पूजन में उपस्थित रहे।

१३. अम्बेडकर जयंती (१४.०४.२०११)

डा. के. एन. उडुप्पा सभागार में दिनांक १४ अप्रैल २०११ को प्रात: ९.०० बजे से भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री सुभाष चन्द्र कश्यप, पूर्व महासचिव, लोकसभा, भारत गणराज्य ने अपना विशिष्ट व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में श्री सुभाष चन्द्र कश्यप जी ने भारतीय संविधान में डॉ. भीम राव अम्बेडकर जी के योगदान पर वृहद् रूप से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कृषि विज्ञान संस्थान के प्रो. लालचन्द प्रसाद ने भी समारोह में अपने विचार प्रस्तुत किये। समारोह की अध्यक्षता संकाय प्रमुख, विधि संकाय, प्रो. डी.पी.वर्मा ने की।

१४. गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती (०७.०५.२०११)

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र व छात्र अधिष्ठाता कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक ०७ मई २०११ को पूर्वाह्न १०.३० बजे से गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती

जन्माष्टमी समारोह, महिला महाविद्यालय

फिल्म महोत्सव का उद्घाटन सत्र

स्वतंत्रता दिवस २०१०

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, संस्कृत विद्या धर्म संकाय

काशी यात्रा २०११, प्रौद्योगिकी संस्थान

समारोह का आयोजन राधाकृष्णन् सभागार, कला संकाय में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. पी. के. मुखोपाध्याय, पूर्व आचार्य, जादवपुर विश्वविद्यालय ने गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के जीवन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथिद्वय के रूप में डा. रमा घोष, पूर्व प्रवाचक आर्य महिला डिग्री कॉलेज व डा. ओ. पी. केजरीवाल, पूर्व सूचना आयुक्त, सूचना आयोग, नई दिल्ली ने अपने विचार व्यक्त किये। समारोह मे संगीत एवं मंच कला संकाय के छात्रों ने रवीन्द्र संगीत की प्रस्तुति कर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए।

छात्रों के बहुमुखी व्यक्तित्व विकास एवं कल्याण के कार्यक्रम

नवप्रवेशी विद्यार्थियों को कुलपति जी का उद्‌बोधन (२८.०८.२०१०)

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दिनांक २८ अगस्त २०१० को विश्वविद्यालय के समस्त नवप्रवेशी विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. डी. पी. सिंह जी ने स्वतंत्रता भवन सभागार में संबोधित करते हुए अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर छात्र अधिष्ठाता प्रो. आशा राम त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के इतिहास व महामना मदन मोहन मालवीय जी का संक्षिप्त परिचय दिया। प्रो. अखिलेश सिंह रघुवंशी ने विश्वविद्यालय का परिचय दिया तथा यहाँ उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। छात्रों को अनुशासन संबंधित जानकारी मुख्य आरक्षाधिकारी प्रो. हरिश्चन्द्र सिंह राठौर ने दी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के दिशा निर्देशों के अनुपालन में रैगिंग निवारण दस्ता के अध्यक्ष प्रो. जी.एस. यादव ने छात्रों को रैगिंग निवारण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। रेक्टर प्रो. बी.डी.सिंह ने अपने उद्‌बोधन में छात्रों से एक जिम्मेदार नागरिक बनने की अपील की। राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर के भी समस्त नवप्रवेशी विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. डी.पी. सिंह जी ने दिनांक ३ सितंबर २०१० को दक्षिणी परिसर के सभागार में संबोधित कर अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

अंतर-संकाय निबंध प्रतियोगिता (२३.०९.२०१०)

छात्रों की लेखन क्षमता व ज्ञान वर्धन हेतु छात्र अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा अंतर-संकाय निबंध लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाता है। दिनांक २३ सितंबर २०११ को **''महात्मा गाँधी का दलित मुक्ति विषयक चिन्तन''** विषय पर ३००० शब्दों में अपने स्वयं के लिखे निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों में विजयी छात्रों को गाँधी जयंती २०१० के अवसर पुरस्कृत किया गया।

अंतर-संकाय वाद विवाद प्रतियोगिता (२९.०९.२०१०)

छात्रों के बहुमुखी प्रतिभा के विकास हेतु छात्र अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा समय समय पर प्रासंगिक विषयों पर अंतर-संकाय वाद विवाद प्रतियोगिताओं का अयोजन किया जाता है। दिनांक २९ सितंबर २०१० को कला संकाय प्रेक्षागृह में **''गाँधीवाद विश्वशान्ति के लिये अपरिहार्य है''** विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व विजयी प्रतिभागियों को गाँधी जयंती २०१० के अवसर पर पुरस्कृत किया गया।

पूर्वी क्षेत्र अन्तर्विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव (२३.०९.२०१० - २७.०९.२०१०)

पूर्वी क्षेत्र अर्न्तविश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव २०१० भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में कल्याणी विश्वविद्यालय पश्चिम बंगाल में दिनांक २३ से २७ सितम्बर २०१० तक आयोजित किया गया। प्रो. रमेश कुमार सिंह व डॉ. रिचा कुमार के नेतृत्व में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के ४० सदस्यीय दल को प्रतियोगिता में ६ स्वर्ण पदक, ४ रजत पदक तथा ३ कांस्य पदक जीतने पर सर्व विजेता घोषित किया गया। म्यूज़िक व फाईन आर्ट इवेन्ट में चैम्पियन होकर पूर्वी क्षेत्र अन्तर्विश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव में लगातार १७वीं बार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय सर्व विजेता रहा।

राष्ट्रीय संभाषण प्रतियोगिता (१०.०९.२०१० – ११.०९.२०१०)

३७वीं कमल नयन बजाज स्मृति राष्ट्रीय संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक १० व ११ दिसंबर २०१० को शिक्षा मण्डल, वर्धा में अयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के छात्र श्री विवेक कुमार, बी.ए. तृतीय वर्ष ने भाग लिया। ''क्या पश्चिमी जगत का पतन हो रहा है? यदि हाँ, तो क्यों? इससे हम क्या सीख ले सकते है'' विषय पर आधारित प्रतियोगिता में कुल ३४ विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री विवेक कुमार ने प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

अन्तर्देशीय दक्षिण एशियाई युवा महोत्सव २०१० (२५.१२.२०१० – २९.१२.२०१०)

अर्न्तविश्वविद्यालयीय युवा महोत्सव २००९ की प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को अन्तर्देशीय दक्षिण एशियाई युवा महोत्सव २०१० में आमंत्रित किया गया। इस महोत्सव में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से श्री अविरल श्रीवास्तव, बी.टेक्. तृतीय वर्ष व श्री राहुल कुमार, एम.ए. द्वितीय वर्ष ने भागीदारी की। दिनांक २५ से २९ दिसंबर २०१० को ब्राक विश्वविद्यालय,ढाका, बांग्लादेश में आयोजित अन्तर्देशीय दक्षिण एशियाई युवा महोत्सव २०१० में उक्त विद्यार्थियों ने वाद विवाद प्रतियोगिता में राष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया।

राष्ट्रीय वाद-विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता (०६.०१.२०११ – ०९.०१.२०११)

राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के तत्वाधान दिनांक ६ से ९ जनवरी २०११ को राष्ट्रीय वाद विवाद एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन इन्दिरा गाँधी सहकारी प्रबंध संस्थान, लखनऊ में आयोजन किया गया। डा. सीमा तिवारी के नेतृत्व में काशी

हिन्दू विश्वविद्यालय से श्री गिरिजेश सिंह, कु. निधि भारती, श्री कीर्ति सिंह व कु. श्रेष्ठा गुप्ता ने प्रतियोगिता में भाग लिया। १६ विश्वविद्यालयों से आये प्रतिभागियों के मध्य काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, तृतीय व प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अन्तर्विश्वविद्यालयी राष्ट्रीय युवा महोत्सव (१८.०१.२०११ – २२.०१.२०११)

अर्न्तविश्वविद्यालयी राष्ट्रीय युवा महोत्सव २०११ भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश में दिनांक १८ से २२ जनवरी २०११ तक आयोजित किया गया। डा. सीमा तिवारी व श्री विजय कपूर के नेतृत्व में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के २५ सदस्यीय दल ने प्रतियोगिता में भाग लिया। फाईन आर्ट इवेन्ट में चैम्पियन होकर अन्तर्विश्वविद्यालयी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में लगातार दूसरी बार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय उप विजेता रहा।

राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता (१०.०२.२०११ – ११.०२.२०११)

सरदार भगवान सिंह पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीच्यूट, देहरादून (यू.टी.यू.) द्वारा दिनांक १०-११ फरवरी २०११ को आयोजित राष्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के श्री राहुल कुमार, एम.ए. द्वितीय वर्ष व कुमारी निधि भारती, एम.ए. प्रथम वर्ष ने भाग लिया तथा २२ विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों के मध्य सर्वश्रेष्ठ दल के रुप में विजयी रहे। इन विद्यार्थियों को सर्व विजेता की ट्राफी व नकद पुरस्कार प्राप्त हुये।

अन्तर-संकाय युवा महोत्सव ''स्पंदन-२०११'' (२८.०२.२०११ - ०५.०३.२०११)

दिनांक २८ फरवरी से ५ मार्च २०११ तक अंतर-संकाय युवा महोत्सव ''स्पंदन-२०११'' का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सभी १५ संकाय, महिला महाविद्यालय, राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर व संबद्ध महाविद्यालयों के कुल २१ टीमों के लगभग २००० छात्रों ने भाग लिया। छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु इस अयोजन में संगीत, नृत्य, नाट्य, दृश्य कला व साहित्यिक स्पर्धाओं को शामिल किया गया। दिनांक ३ मार्च २०११ को उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथिद्वय प्रख्यात गायक बन्धु पद्मभूषण श्री राजन-साजन मिश्र ने अपने गायन की प्रस्तुति कर दर्शकों का मन मोह लिया। माननीय कुलपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह जी ने अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

दिनांक ५ मार्च २०११ को सायं एम्पीथियेटर प्रांगण में आयोजित स्पंदन समापन समारोह की मुख्य अतिथि प्रख्यात अभिनेत्री श्रीमती किरन खेर ने विद्यार्थियों को अपना आशीर्वचन व पुरस्कार वितरित किया। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने खुले विचारों से कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय जब कभी भी मुझे आमंत्रित करेगा, मै अपने को यहाँ आने में गौरवान्वित महसूस करुँगी।

छात्रावास उत्कृष्टता पुरस्कार - २०११ (०८.०४.२०११ – १०.०४.२०११)

छात्रावासों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा तथा स्वच्छता के साथ सुविधाओं की उपलब्धता को बनाये रखने के लिये प्रतिवर्ष छात्रावास उत्कृष्टता पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष दिनांक ०८ - १० अप्रैल २०११ छात्रावास उत्कृष्टता पुरस्कार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल ६५ महिला व पुरुष छात्रावासों को शामिल किया गया। प्रतियोगिता के निष्पक्ष निर्णय के लिये विश्वविद्यालय से सम्बद्ध कालेजों के शिक्षकों, बैंक से जुड़े अधिकारियों व अन्य संस्थानों के सम्मानित व्यक्तियों को निर्णायक मण्डल के सदस्य के रुप में रखा गया। प्रतियोगिता में रखरखाव, स्वच्छता, उपलब्ध सुविधाएँ, खेल, छात्रों की संतुष्टि आदि विषयों पर मूल्यांकन कर परिणाम निम्न रहे—

पुरुष छात्रावास :

१.	बिरला 'अ' छात्रावास	प्रथम पुरस्कार
२.	डालमिया छात्रावास	द्वितीय पुरस्कार
३.	विश्वकर्मा छात्रावास	तृतीय पुरस्कार
४.	सिद्धार्थ विहार छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
५.	डा. एस.राधाकृष्णन् छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
६.	बाल गंगाधर तिलक छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
७.	भाभा छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
८.	विवेकानन्द छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार

महिला छात्रावास :

१.	डा. जे.सी.बोस महिला छात्रावास	प्रथम पुरस्कार
२.	कुन्दन देवी महिला छात्रावास	द्वितीय पुरस्कार
३.	कीर्ति कुन्ज महिला छात्रावास	तृतीय पुरस्कार
४.	सुकन्या महिला छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
५.	स्वास्ति कुन्ज महिला छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार
६.	यमुना महिला छात्रावास	प्रोत्साहन पुरस्कार

राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर

१.	विन्ध्यवासिनी महिला छात्रावास	प्रथम पुरस्कार
२.	विन्ध्याचल छात्रावास	प्रथम पुरस्कार
३.	शिवालिक छात्रावास	द्वितीय पुरस्कार
४.	न्यू ब्वायज़ छात्रावास	तृतीय पुरस्कार

स्पन्दन २०११ में पण्डित राजन-साजन मिश्र की प्रस्तुति

छात्र-अधिष्ठाता कार्यालय द्वारा सह आयोजित कार्यक्रम

''कर्नल कमाण्डेन्ट'' का मानद पद अलंकरण

एन.सी.सी. निदेशालय, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह को ''कर्नल कमाण्डेन्ट'' के मानद पद से अलंकृत किया। दिनांक १४ अगस्त २०१० को स्वतंत्रता भवन सभागार में एन.सी.सी. ग्रुप हेड क्वाटर के ग्रुप कमान्डर कर्नल हरजीत सिंह ने एन.सी.सी. निदेशालय के आदेशानुसार एक भव्य समारोह में कुलपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह को ''कर्नल कमाण्डेन्ट'' पद का बैज लगाकर अलंकृत किया। समारोह में एन.सी.सी. के समस्त अधिकारी व विश्वविद्यालय के अध्यापक व अधिकारी उपस्थित रहे। एन.सी.सी. के कैडेटों द्वारा एन.सी.सी. गान प्रस्तुत किया गया तथा माननीय ''कर्नल कमाण्डेन्ट'' प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

फिल्म महोत्सव

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे व काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सह तत्वाधन में दिनांक ११ व १२ सितम्बर २०१० को स्वतंत्रता भवन सभागार में फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह ने स्वतंत्रता भवन सभागार में दिनांक ११ सितम्बर २०१० को सायं ५ बजे फिल्म महोत्सव का उद्घाटन किया। फिल्म महोत्सव में भीमसेन जोशी और कैफी आज़मी जैसे महान कलाकारों के जीवन पर फिल्में दिखायी गईं। इस अवसर पर पिछले ५० वर्षों में फिल्मों पर आधारित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

लाला लाजपत राय पाठशाला में नि:शुल्क गर्म वस्त्रों का वितरण

महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय जी व उनके तत्कालीन सहयोगियों द्वारा विश्वविद्यालय में समाज के पिछड़े व दलित वर्ग के उत्थान हेतु सुन्दर बगिया में लाला लाजपत राय पाठशाला का निर्माण कराया गया। वर्तमान में इस पाठशाला में विश्वविद्यालय व आसपास रहने वाले गरीब परिवारों के लगभग ३२२ विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। सभी विद्यार्थियों को पाठशाला में पूर्णत: नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। इन विद्यार्थियों के परिवार की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर माननीय कुलपति महोदय के आदेशानुसार नि:शुल्क पठन सामग्री वितरित की गई। गत २५ दिसंबर २०१० को महामना जयंती के अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने स्वयं अपने हाथों से बच्चों को नि:शुल्क स्वेटर पहनाया।

९.१५. अभिरुचि केन्द्र

छात्र अधिष्ठाता के पर्यवेक्षण में विश्वविद्यालय में अभिरुचि केन्द्र का संचालन होता है। विश्वविद्यालय के छात्र एवं कर्मचारियों को कक्षा एवं कार्यालय के उपरान्त सायंकाल प्रशिक्षण विभिन्न क्षेत्रों में दिया जाता है। शैक्षणिक सत्र २०१०-११ में अभिरुचि केन्द्र में निम्न निर्धारित सीटों पर विद्यार्थियों को पंजीकृत कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया-

१.	छाया चित्रण	३००
२.	इलेक्ट्रॉनिक	१००
३.	प्रतिशीतन एवं वातानुकूलन	०५०
४.	वीडियो एडिटिंग	०४०
५.	छाया चित्रण (विशेष)	समस्त

इच्छुक विद्यार्थी (प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं पत्रकारिता विभाग)

विश्वविद्यालय पर्वतारोहण केन्द्र

विश्वविद्यालय पर्वतारोहण केन्द्र की स्थापना स्व. डॉ. कालू लाल श्रीमाली, तत्कालीन कुलपति और पूर्व शिक्षा मंत्री, भारत सरकार द्वारा सन् १९७१ में हुआ। केन्द्र भारतीय पर्वतारोहण फाउन्डेशन, नई दिल्ली से सम्बद्ध है।

इस केन्द्र की स्थापना छात्रों के शारीरिक, मानसिक और साहसिक विकास के उद्देश्यों की पूर्ति के लिये किया गया। केन्द्र का संक्षिप्त उद्देश्य निम्न हैं :

१. छात्रों में दल नेतृत्व की भावना का विकास।
२. मातृभूमि तथा पर्यावरण के प्रति प्रेम की भावना।
३. युवाओं का साहसिक एवं सामाजिक तथा सांस्कृतिक गतिविधियों में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेना।
४. पर्वतारोहण से प्राकृतिक, दुर्गम एवं प्राचीन स्थलों का आनन्द लेना।

इसी उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिये केन्द्र ने सत्र २०१०-११ के अन्तर्गत एक प्राइमरी पर्वतारोहण पाठ्यक्रम संख्या १६ (०९.०९.२०१० से ३०.१२.२०१०), दो मार्शल आत्मरक्षार्थ प्रमाण पत्रीय पाठ्यक्रम संख्या ११ एवं १२ (१३.०९.२०१० से १५.१२.२०१० एवं ०८.०२.२०११ से ११.०५.२०११) और एक विशिष्ट पर्वतारोहण पाठ्यक्रम संख्या १० (०५.०१.२०११ से १६.०३.२०११) का आयोजन किया।

९.१६. जलपान गृह

छात्रों, कर्मचारियों एवं विभिन्न कार्यालयों को उचित मूल्य ''बिना लाभ/हानि के'' पर उच्च गुणवत्ता वाले स्वच्छ भोजन सामग्री जैसे छोला भटूरा, पेटिज़, पूड़ी-सब्जी, ब्रेड पकौड़ा, आलूचाप, कटलेट, चाय, काफी, मिनरल वाटर, बिस्कुट, कोल्ड ड्रिक (ठंडा) मुहैया कराने के लिए विश्वविद्यालय के लगभग सभी संस्थानों एवं संकायों में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित, सुसज्जित एवं सुव्यवस्थित निम्नलिखित जलपान गृहों की व्यवस्था है और जल्द ही कैम्पस में एक 'बी.एच.यू. का मिनि कैफे' भी खुलने जा रहा है।

उपरोक्त व्यवस्था के अलावा विश्वविद्यालय की यूईटी, पीएमटी, जेईई आईटी इत्यादि प्रवेश परीक्षा मे दूर से आए हुए छात्रो,

अभिभावकों एवं कर्मचारियों हेतु स्टॉल का प्रबन्ध तथा समय-समय पर विश्वविद्यालय की मीटिंग में सुव्यवस्थित जलपान की भी व्यवस्था की जाती है। जिससे विश्वविद्यालय में बाहर से आए हुए अतिथि एवं गणमान्य लोगों का अच्छी तरह सत्कार हेतु मैत्री जलपान गृह हमेशा तत्पर रहती है।

इस समय निम्न कैन्टीन चल रहे हैं:

१. मैत्री जलपान गृह एवं इसकी निम्नलिखित शाखाएँ
   (क) चिकित्सा विज्ञान संस्थान जलपान गृह
   (ख) विश्वविद्यालयी चिकित्सालय जलपान गृह
   (ग) चिकित्सा ऑपरेशन थियेटर जलपान गृह
   (घ) रूचिरा, महिला महाविद्यालय जलपान गृह
   (च) मधुबन जलपान गृह
   (छ) केन्द्रीय कार्यालय जलपान गृह
   (झ) केन्द्रीय विद्यालय जलपान गृह
२. एग्रो जलपान गृह
३. आई.टी. जलपान गृह

९.१७. राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाइयों में इस वर्ष ५,७०० विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया। इनमें से २,२२० छात्राएँ तथा ३,४८० छात्र थे। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित विशेष शिविर कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न शिविरों में २,११५ छात्रों तथा १,३८५ छात्राओं (कुल ३,५०० विद्यार्थियों) ने भाग लिया। इस वर्ष १५ महाविद्यालयों/संकायों/संस्थानों (राजीव गाँधी दक्षिण परिसर को मिलाकर) ने राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों में भाग लिया। राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों का संचालन कार्यक्रम समन्वयक प्रो० एच० के० सिंह के साथ विभिन्न इकाइयों के ५७ कार्यक्रम अधिकारियों के द्वारा किया जाता है।

सामान्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना के सामान्य क्रिया कलापों के अन्तर्गत वर्ष २०१०-२०११ में इकाइयों की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :

अधिग्रहित ग्राम/मलिन बस्तियाँ : इस सत्र में निम्नलिखित ३६ गाँवों/मलिन बस्तियों को अधिग्रहीत किया गया-

(१) डी०ए०वी० कैम्पस (२) वी०के०एम, कैम्पस, (३) रामकृष्ण मिशन, लक्सा, वाराणसी (४) काशी अनाथालय, कमच्छा, वाराणसी, (५) राम कटोरा, वाराणसी (६) लहुरावीर, वाराणसी (७) जगतगंज, वाराणसी (८) नुवाँव, वाराणसी (९) आदित्य नगर, वाराणसी (१०) सुसुवाही, वाराणसी (११) कोटवाँ कपिलधारा, वाराणसी (१२) सराय मोहना, वाराणसी (१३) करौंदी, वाराणसी (१४) वृन्दावन, वाराणसी (१५) भगवानपुर, वाराणसी (१६) छित्तूपुर, वाराणसी (१७) कर्मनवीर, वाराणसी (१८) कुरूक्षेत्र पोखरा, वाराणसी (१९) नरायनपुर, वाराणसी (२०) टड़िया, वाराणसी (२१) नरोत्तमपुर, वाराणसी (२२) टिकरी, वाराणसी (२३) नैपुरा, वाराणसी (२४) वनपुरवा, वाराणसी (२५) सीरगोवर्धनपुर, वाराणसी (२६) कन्दवाँ, वाराणसी (२७) चितईपुर, वाराणसी (२८) अवलेशपुर, वाराणसी (२९) भिखारीपुर, वाराणसी (३०) रमना, वाराणसी (३१) कल्लीपुर (३२) बेनीपुर (३३) मोहन सराय (३४) नरायनपुर, डाफी (३५) नई बस्ती, लहरतारा (३६) मिसिरपुर।

स्वयं सेवकों के लिए अभिविन्यास

राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं को कार्यक्रम समन्वयक प्रो० एच० के० सिंह के द्वारा व्याख्यानों के माध्यम से रा०से०यो० के लक्ष्य, उद्देश्यों एवं रा०से०यो० की गतिविधियों तथा राष्ट्र निर्माण में इसके छात्रों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। नये पंजीकृत छात्रों को पम्पलेट/फोल्डर भी वितरित किये गये।

जन-जागरूकता कार्यक्रम

रा०से०यो० की सभी इकाइयों ने सम्बन्धित कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में गांवों एवं शहर की मलिन बस्तियों में लोगों के साथ बैठकें आयोजित कीं और व्याख्यानों, विचार गोष्ठियों, नारों, पोस्टरों तथा दीवार लेखन के द्वारा बाल विवाह, दहेज प्रथा, जातिवाद, छुआछूत एवं शराब खोरी आदि बुराइयों से दूर रहने का संदेश दिया।

वृक्षारोपण/वन-महोत्सव कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कला संकाय मैदान, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, प्राथमिक विद्यालय जंगमपुर, मोहन सराय, शासकीय विद्यालय माधोपुर कोट एवं डी०ए०वी० कालेज में वृक्षारोपण के लिए ५००० गड्ढे खोदे गये और उनमें पौधा रोपण किया गया। छात्रों द्वारा पुराने लगे पेड़ों की सफाई और उनकी सिंचाई की गई।

पर्यावरण समृद्धि

विभिन्न संकायों के छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर के संकायों/महाविद्यालयों के आस पास ऊगी हुई झाड़ियों तथा ऊंची घासों की सफाई का कार्य किया। कला एवं समाज विज्ञान संकाय के स्वयंसेवकों ने राजीव गांधी दक्षिण परिसर, मिर्जापुर की सफाई का कार्य अपने हाथों में लिया।

स्वास्थ्य, परिवार विकास एवं पौष्टिकता कार्यक्रम

रा०से०यो०, का०हि०वि०वि० द्वारा उक्त कार्यक्रम लहरतारा मलिन बस्ती, नारायणपुर, माधोपुर कोट कल्लीपुर, रखौना, बहोरनपुर, बेनीपुर एवं महगॉव आदि गाँवों में आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में ग्रामीणों को विचार विमर्श, नारे और लिखित सामग्री वितरित कर जागरूक किया गया। अभिभावकों को उनके बच्चों को

साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया गया, उनकी आर्थिक स्थिति के अनुरूप छोटे परिवारों के लाभों पर चर्चा की गयी इन विषयों का पोस्टर और गाँवों में बैठकों के माध्यम से प्रचार किया गया।

२ अक्टूबर, गाँधी जयन्ती का सुन्दर बगिया में आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्वाधान में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर जी की जयन्ती के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो० धीरेन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में छात्रों, स्वयंसेवकों तथा विश्वविद्यालय के अध्यापकों ने गाँधी जी के ''सपनों का भारत'' बनाने की शपथ ली इसके साथ ही स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया। उक्त अवसर पर कुलसचिव डा० के० पी० उपाध्याय ने भी कार्यक्रम समन्वयक के रूप में अपना विचार व्यक्त किया। संचालन डॉ० मंजू बनिक तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्र अधिष्ठाता प्रो० आशाराम त्रिपाठी ने किया।

यातायात सप्ताह

राष्ट्रीय सेवा योजना, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के द्वारा दिनांक २४-३० अक्टूबर, २०१० तक यातायात सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित भाषण, चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिताओं में विजित स्वयंसेवकों/सेविकाओं को विश्वविद्यालय के कुलसचिव, कार्यक्रम समन्वयक डॉ० के० पी० उपाध्याय ने पुरस्कार वितरित किये।

बाल दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के द्वारा दिनांक १४ नवम्बर, २०१० को बाल दिवस के अवसर पर सुन्दर बगिया स्थित लाला लाजपत राय प्राथमिक विद्यालय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कौमी एकता सप्ताह

कौमी एकता सप्ताह का उद्घाटन दिनांक १९ नवम्बर, २०१० को राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यालय में किया गया। इसके अन्तर्गत ''कौमी एकता स्थापित करने में युवाओं की भूमिका'' विषय पर दिनांक २० नवम्बर, २०१० को एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, आर्य महिला पोस्ट ग्रेजुएट कालेज, चेतगंज से कौमी एकता पर एक विशाल रैली दिनांक २२ नवम्बर, २०११ को निकाली गयी, जिसमें लगभग ५०० स्वयंसेवक/सेविकाओं ने भाग लिया।

रक्तदान शिविर

दिनांक १ दिसम्बर, २०१० को सर सुन्दरलाल चिकित्सालय, का०हि०वि०वि के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रा०से०यो० के ६० स्वयंसेवकों तथा स्वयं सेविकाओं ने रक्तदान किया।

दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

राष्ट्रीय सेवा योजना, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के द्वारा कार्यक्रम अधिकारियों के प्रशिक्षण हेतु प्रथम दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक २० से २१ फरवरी, २०११ को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एकेडमिक स्टाफ कालेज, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रात: १० बजे से आयोजित किया गया, जिसमें कुल ४४ कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लेकर प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

विशेष शिविर कार्यक्रम

इस वर्ष ३८ विशेष शिविरों का आयोजन अधिग्रहीत ग्रामों एवं शहर की मलिन बस्तियों में किया गया। शिविर के दौरान प्रमुखत: निम्नलिखित कार्यक्रम किये गये -

(अ) अधिग्रहीत गावों में सम्बन्धित संकायों/महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा भ्रमण किया गया और वहाँ की गलियों तथा कुओं/तालाबों की सफाई की गई। दस दिवसीय विशेष शिविर के दौरान रा०से०यो० के शिविरार्थियों द्वारा विशेषकर कन्दवा, सुसुवाही, आदित्य नगर, रामकटोरा, अस्सी आदि के कुओं, तालाबों और घाटों की सफाई की गयी। विश्वनाथ मन्दिर तथा ब्रोचा छात्रावास की समीपस्थ तालाब की सफाई की गयी।

(ब) विशेष शिविर के दौरान एड्स जागरूकता, जल संरक्षण एवं साम्प्रदायिक सद्भाव रैलियों का आयोजन महिला महाविद्यालय, बसन्त कन्या महाविद्यालय, वसन्त महिला महाविद्यालय राजघाट, आर्य महिला एवं डी.ए.वी. पी.जी. कालेज, विज्ञान संकाय, कला एवं समाज विज्ञान संकाय द्वारा किया गया।

(स) छात्रा शिविरार्थियों द्वारा गाँव की महिलाओं को कपड़े काटना, सिलाई, तथा कढ़ाई-बुनाई की प्रशिक्षण दी गयी। छात्राओं ने महिलाओं को परिवार नियोजन के लाभ, बच्चों की देखभाल तथा पर्यावरण स्वच्छता के महत्व से भी अवगत कराया।

(द) अधिग्रहीत गाँवो का सामाजिक - आर्थिक सर्वेक्षण भी किया गया।

(य) शिविरों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता जागरूकता एवं अन्य कई प्रकार के कार्यक्रम भी किये गये।

९.१८. राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

एन.सी.सी. ग्रुप हेडक्वार्टर 'ए' की स्थापना काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में १४ फरवरी १९६३ को हुई। ग्रुप हेडक्वार्टर की नौ यूनिटें हैं जिसमें से पाँच यूनिटें काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रांगण में, दो यूनिट बलिया तथा एक गाजीपुर तथा एक मुगलसराय में है। उपरोक्त सभी यूनिटों का भी उदय वर्ष १९६३ में हुआ। उक्त ग्रुप हेडक्वार्टर के प्रथम ग्रुप कमान्डर लेफ्टिनेन्ट कर्नल बृजपाल सिंह (राजपूत) थे, तब से अब तक २१ ग्रुप कमान्डर अपनी सेवा उक्त ग्रुप हेडक्वाटर को दे चुके हैं। वर्तमान में १० जनवरी २०११ से कर्नल आर. सी. कटोच ग्रुप कमान्डर है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर का विस्तार

ग्रुप हेडक्वाटर में वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर तथा बलिया जनपद के कुल ६२६६ लड़के तथा २४६८ लड़कियाँ कैडेट के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

प्रशिक्षण : सत्र २०१०-११ में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्य किए गए-

क. वर्तमान में १०० प्रतिशत कैडेटों की भर्ती हुई।

ख. १७ संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सी.ए.टी.सी.) संचालित किया गया, जिसमें ७३७५ कैडेटों की उपस्थिति रही।

ग. पंजाब ट्रैक एवं उत्तराखंड ट्रैक - ३६ कैडेटों ने भाग लिया।

घ. साईकिल अभियान - २० कैडेटों ने भाग लिया।

च. आर्मी अटैचमेन्ट कैम्प - ३०४ कैडेट ने भाग लिया।

झ. समुद्री प्रशिक्षण - ०५ कैडेट ने भाग लिया।

ज. १ कैडेट ने पैरा ट्रेनिंग कोर्स में भाग लिया।

उपलब्धियाँ

१. आठ कैडेटों को सर्वश्रेष्ठ कैडेट का पुरस्कार दिया गया।
२. १७ कैडेटों ने थल सैनिक शिविर में भाग लिया।
३. १६ कैडेटों ने नौ सैनिक शिविर में भाग लिया।
४. १४ कैडेटों ने गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया।
५. कैडेट अब्दुल वाहीद को मेजर एस. एल. दार रजत पदक से काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया।
६. १५४ कैडेटों ने विभिन्न स्थानों पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में भाग लिया।
७. एनसीसी निदेशालय उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत सभी ग्रुपों में इस ग्रुप को द्वितीय स्थान प्रदान किया गया।
८. इक्कीस कैडेटों को वार्षिक सहारा छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।
९. नौ कैडेटों को वार्षिक मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

सामुदायिक विकास और सामाजिक सेवा योजना

वृक्षारोपण	- १७३५ पेड़ लगाए गए।
रक्तदान	- ९८ कैडेटों द्वारा।
यातायात नियंत्रण	- १०० कैडेट
पल्स-पोलियो अभियान	- ३०० कैडेट
कन्या भ्रूण हत्या विरोध अभियान	- १५० कैडेट
वृद्धाश्रमों में सेवा	- १०० कैडेट
स्वच्छता अभियान	- १०० कैडेट

अतिमहत्वपूर्ण व्यक्तियों का आगमन

मेजर जनरल राजीव वर्मा एवं मेजर जनरल ए के राठी, अपर महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय, लखनऊ के द्वारा समय-समय पर इस मुख्यालय का निरीक्षण किया गया।

विविध

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर कैडेटों द्वारा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति को गार्ड ऑफ आनर प्रदान किया गया।

९.१९. बैंक एवं डाक घर

बैंक

विश्वविद्यालय परिसर में दो राष्ट्रीयकृत बैंक हैं जो छात्र, कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों को बैंकिंग सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं।

१. भारतीय स्टेट बैंक की परिसर में निम्नलिखित चार शाखाएँ कार्यरत हैं:

(अ) बी.एच.यू. मुख्य शाखा
(ब) शॉपिंग सेन्टर शाखा
(स) आई.एम.एस. शाखा
(द) आई.टी. शाखा

२. बैंक ऑफ बड़ौदा, सर सुन्दरलाल चिकित्सालय

उपरोक्त बैंकों के ४ एटीएम केन्द्र विश्वविद्यालय परिसर में कार्यरत हैं।

डाकघर

विश्वविद्यालय परिसर में निम्नलिखित चार शाखाएँ कार्यरत हैं:

(अ) मुख्य/ एच.वी.वी. डाकघर
(अ) मालवीयनगर डाकघर
(ब) चिकित्सालय डाकघर
(स) हैदराबाद कालोनी डाकघर

एच.वी.वी. डाकघर में उपलब्ध सुविधाएँ :

१. सभी तरह की बचत बैंक सुविधाएँ
२. एक्सप्रेस मेल सेवा
३. मेघदूत मिलेनियम
४. बिजनेस पोस्ट
५. खुदरा पोस्ट
६. वेस्टर्न यूनियन मनी ट्रांसफर
७. डाक जीवन बीमा पॉलिसी
८. एक्सप्रेस पार्सल पोस्ट

९.२०. बी.एच.यू. कम्प्यूटरीकृत रेलवे आरक्षण केन्द्र

बी.एच.यू. स्थित उत्तर रेलवे के आरक्षण केन्द जो जून १३ वर्ष २००६ को आरम्भ हुआ था। वित्तीय वर्ष २०१०-२०११ की कुल आय रु. २,६२,५१,६५८ थी इस केन्द्र द्वारा प्रात: ९ बजे से १ बजे तक (रविवार को छोड़कर) आरक्षण सुविधा परिसर एवं परिसर के बाहर के लोगों को आरक्षण की सुविधा प्राप्त होती है। इस केन्द्र द्वारा समाप्त हुए वित्त वर्ष में कुल ४९१५५ यात्रियों का आरक्षण हुआ एवं ६५९१६ मांग-पत्रों का निस्तारण किया गया। कर्मचारियो के कुशल कार्य, क्षमता के कारण यह उपलब्धि प्राप्त की गयी।

स्वतंत्रता दिवस समारोह
१५ अगस्त, २०१०

९.२१. एयर स्ट्रीप एवं हेलीपैड

विश्वविद्यालय के छात्रों के बहु-आयामी व्यक्तित्व को निखारने के उद्देश्य से परिसर में एक हवाई पट्टी/हेलीपैड की भी व्यवस्था है जहाँ ७ यूपी एयर स्क्वॉड के सहयोग से ९०० एयर फ्लाईट कैडटों (७०० सीनियर डिविजन एवं २०० जूनियर डिविजन) को हवाई जहाज उड़ाने एवं इससे संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण दी जाती है। ३३% सीटें महिला कैडेट के लिए आरक्षित हैं।

९.२२. विपणन संकुल

मरीजों एवं उनके सहयोगियों, आगन्तुओं, छात्रों एवं विश्वविद्यालय कर्मचारियों को उच्च गुणवत्ता का अल्पाहार, शीतल पेय, कॉफी, चाय इत्यादि प्रदान करने के लिए चार नेस्टल किओस्क्स खोलने हेतु अनुज्ञप्ति स्वीकृत किये गये हैं। इसमें तीन चिकित्सालय परिसर एवं एक मधुबन में चल रहे हैं।

कर्मचारियों, छात्रों और विश्वविद्यालय परिसर में भ्रमण करने के लिये आये आगन्तुकों के लिए पार्किंग की सुविधा सर सुन्दरलाल अस्पताल और श्री विश्वनाथ मन्दिर पर साइकिल स्टैण्ड हेतु लाइसेंस इस शर्त के साथ दिया गया कि विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों से पार्किंग शुल्क नहीं लेना होगा।

९.२३. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय क्लब

वर्तमान में विश्वविद्यालय में दो क्लब हैं- एक यूनिवर्सिटी क्लब जो विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अधिकारियों के लिए हैं एवं दूसरा क्लब गैर शिक्षण कर्मचारियों के लिए है। ये दोनों क्लब विश्वविद्यालय के आवासीय क्षेत्रों में स्थापित हैं। इन क्लबों का उपयोग विभिन्न प्रकार के खेल कूद एवं मनोरंजन कार्यों के आयोजनों के अलावा विश्वविद्यालय समुदाय के विवाह एवं अन्य प्रयोजनों पर आयोजित समारोहों के लिए किया जाता है।

९.२४.१. संस्थापन सेवा

कृषि विज्ञान संस्थान

कृषि विज्ञान संस्थान के परिसर में साक्षात्कार के माध्यम से अनेक सरकारी और निजी क्षेत्र के संगठनों, गैर संगठनों और बैंकों में छात्रों की भर्ती का एक बहुत ही शानदार रिकार्ड रहा है। पिछले शैक्षणिक सत्र (२०१०-११) में, पिछले वर्षों की तुलना में संस्थापन गतिविधियों में वृद्धि अंकित की गयी। इस प्रकार अनेक इच्छुक छात्रों को परिसर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त हुए। निम्नलिखित संगठनों एवं बैंकों ने हमारे स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पी.एचडी.छात्रों के लिए परिसर साक्षात्कार का आयोजन किया तथा इस दौरान कुल ९१ छात्रों को नियुक्त किया। जिनके नाम हैं: (i) बड़ौदा बैंक, (ii) बैंक ऑफ इंडिया, (iii) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, (iv) राजीव गाँधी महिला विकास योजना, (v) प्रादन, (vi) मैसिक्स, (vii) मोन्सेन्टो, (viii) त्रिवेणी इन्जीनियरिंग, (ix) एल्गॉन, केनिया, (x) डीसीएम. श्री राम कान्सिलेटड लिमिटेड, (xi) माइको (xii) इफ्को (xiii) उत्कर्ष। कृषि शिक्षा में स्नातक स्तर पर प्रशिक्षण के महत्व को देखते हुए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत छात्रों के लिए १७२ प्रशिक्षण कार्यक्रम अभिरूचि रखने वाले छात्रों के लिये निम्नलिखित प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों में जैसे : भारतीय मशरूम संस्थान, सोलन, लीची अनुसंधान संस्थान, मुजफ्फरपुर, सरस डेयरी, जयपुर, विशाल पाटलीपुत्र दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि, पटना, भारतीय पाकृतिक रेजिन एरां गम्स संस्थान, राँची, अनुसंधान संस्थान, दरभंगा, आदि में सम्पन्न किया गये।

प्रौद्योगिकी संस्थान

प्रशिक्षण और संस्थापन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रशिक्षण एवं संस्थापन प्रकोष्ठ (टीपीओ) ने वर्ष १९७७-७८ से कार्य करना प्रारम्भ किया तभी से इस प्रकोष्ठ ने विभिन्न उद्योगों/संगठनों में छात्रों के संस्थापन का समन्वयन करने के साथ-साथ प्रत्येक वर्ष बी. टेक्. / बीफ़ार्मा. /आईडीडी/आईएमडी पाठ्यक्रमों के छात्रों का ग्रीष्मकालीन व्यावहारिक प्रशिक्षण, जो उनके पाठ्यक्रम का एक आवश्यक भाग है, के लिए व्यवस्था करता आ रहा है। आज तक १३,२५० से अधिक बीटेक्./एम.टेक्.एवं बीफ़ार्मा./एम.फार्मा छात्रों को परिसर साक्षात्कार द्वारा देश और विदेशों के अग्रणी उद्योगों में आकर्षक पैकेज पर रोजगार प्राप्त हुए हैं। अनेक सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों के प्रतिष्ठित एवं विश्वसनीय प्रतिष्ठान, जो हमारे संस्थान में प्रतिवर्ष साक्षात्कार लेने के लिए आते हैं, उनकी संख्या वर्ष १९७७ में १६ से बढ़कर वर्ष २०१०-११ में ९४ हो चुकी है। इस प्रकोष्ठ का मुख्य ध्यान औद्योगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था और छात्रों को उनकी क्षमता के अनुसार प्रमुख उद्योगों में रोजगार दिलवाना है। हालाकि वित्तीय खण्ड और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से परामर्शी संगठन भी हमारे छात्रों के बड़े नियोजनकर्ता हैं।

वर्तमान वर्ष की अवधि में परिसर चयन का कार्य १७ अगस्त २०१० को प्रारम्भ हुआ। अनेक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठानों जैसे माइक्रोसॉफ्ट, एडोब, गोल्डमैन सॉक्स, मॉर्गन स्टेनले, ओरेकल, नेट एप् सिस्को, मेन्टरग्राफिक्स, डीई एसएचएडब्लू, एन-वीडिया, सेमसंग, एट्रेन्टा, एलजी, हिन्दुस्तान यूनी लीवर, आईओसीएल, टाटा मोटर्स, मारुति, अशोक लेलैण्ड, एल एण्ड टी, डीआरडीओ, रिलायंस एनर्जी, कोल इण्डिया, बीईएमएल, एसीसी, एनएमडीसी, सेल, भेल, एनटीपीसी, मेकॉन, जिन्दल, स्टेनलेस, विसा टीसीआईएल, एचलेडएल, नोमूरा, ओएनजीसी ओपीएएल, सूर्या रोशनी आदि हमारे संस्थान के छात्रों के चयन हेतु नियमित आते हैं और भारी संख्या में हमारे छात्रों में विश्वास जताते हुए उनका चयन करते हैं।

अनेक ऐसे प्रतिष्ठान हैं जिन्होंने संस्थान में पहली बार पधारे जिनमें आरआईओ टिन्टो, ईराग्रुप, सेन्टगोबिन, वीबीसी ग्रुप, पावर ग्रिड कार्पोरेशन, केज्स्ट्रॉय, जीई, याहू, सिट्रिक्स, बीओसी इत्यादि के नाम शामिल हैं। चतुर्थ वर्ष के छात्रों के लिए ५०८ आमंत्रण थे जिनमें से बी.टेक्. और बी.फार्मा. भाग चार के ४१७, छात्रों को रोजगार प्राप्त हुए। आईडीडी के पूर्ण करने वाले ८३ छात्रों को १०२ रोजगार आमंत्रण और आई एम डी कार्यक्रम के २६ पूर्णकरने वाले २८ रोजगार प्राप्त हुए। स्नातकोत्तर छात्रों को भी १४० रोजगार आमंत्रण प्राप्त हुआ। यह गर्व की बात है कि इस वर्ष मुख्य क्षेत्रों की प्रतिष्ठानों ने बड़ी संख्या में छात्रों को आई. टी. उद्योगों के बराबर के पैकेज के साथ रोजगार हेतु आमंत्रित किया है। इस वर्ष का उच्चतम प्रतिपूर्ति पैकेज रु.१६.१० लाख प्रतिवर्ष है, जो मुख्य क्षेत्रों में भी है।

संस्थान में छात्रों को भविष्य में उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार सावधानी पूर्वक प्रशिक्षित किया जाता है। हमारे छात्रों को बारम्बार औद्योगिक भ्रमण द्वारा उचित औद्योगिक अनुभव मिलता है। हमारे स्नातक छात्र आपने ग्रीष्मकालीन अवकाश में आठ सप्ताह के प्रशिक्षण हेतु प्रतिष्ठित उद्योगों/संस्थानों/संगठनों (भारत एवं विदेशों में) में जाते हैं, जो उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं का एक भाग है। यहाँ तक कि हमारे आईडीडी/आईएमडी और एम. टेक्. छात्रों को संस्थान के पर्यवेक्षण में औद्योगिक परिसर में छ: मोह से बारह माह तक की परियोजना पूरी करनी पड़ती है। ग्रीष्मकालीन अवकाश में हमारे स्नातक छात्रों के लिए उद्योगों में व्यावहारिक प्रशिक्षण द्वारा उन्हें उद्योगों के वातावरण एवं कार्यप्रणाली का अनुभव प्राप्त होता है। इस प्रकार के कार्यक्रम संस्थान के संकाय एवं उद्योगों के आर एण्ड डी और परामर्शी जिम्मेदारियों के साथ प्रभावी रूप से कार्य करने का अवसर मिलता है। यह प्रकोष्ठ अपने बी.टेक्./बीफ़ार्मा./आई डीडी/आईएमडी छात्रों को ६ से ८ सप्ताहों के लिए लगभग २६० उद्योगों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराता है। यह गर्व का विषय है कि देश कि हमारे यहाँ के जिन छात्रों ने देश के उपर्युक्त उद्योगों/संगठनों में ग्रीष्मकालीन व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किये, उनमें से लगभग सभी की नियुक्ति हो चुकी है। वर्तमान सत्र के लिए सभी अर्हक छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रगति पर है। पूर्व वर्षों की भाँति इस वर्ष भी विदेशी अनुसंधान संगठनों से ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण आमंत्रण प्राप्त हुए हैं।

अनेक उद्योगों जैसे टीसीएस, ग्लोब एनजी, कोग्निजेन्ट, इत्यादि के साथ अनेक अतिथि व्याख्यान और अन्य गतिविधियों हेतु समझौता हुआ है जिसकी व्यवस्था वर्तमान शैक्षणिक सत्र में की गयी। अतिथि व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य हमारे छात्रों को कार्पोरेट संस्कृति, उद्योगों हेतु आवश्यक साफ्ट स्किल और शैक्षणिक आवश्यकताओं से अवगत कराना है।

संस्थान अन्य संगठनों के छात्रों उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यवस्था प्रदान कर रहा है और ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के कार्य करने हेतु अनुमति प्रदान की गयी।

विज्ञान संकाय

प्रशिक्षण एवं नियोजन

सत्र २०१०-११ में परिसर नियोजन के माध्यम से चयनित अभ्यर्थी :

क्रम.सं.	नाम	कंपनी का नाम
१.	शालिनी शर्मा	रीओ टिन्टो (आस्ट्रेलिया)
२.	गौरव शर्मा	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
३.	शेखर गर्ग	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
४.	निशा तिवारी	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
५.	मधूलिका सिंह	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
६.	अश्वनी कुमार शुक्ल	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
७.	गौरव कुमार	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
८.	ओबेदुल्लाह	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
९.	निखिल कुमार ओम	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
१०.	दिलीप मौर्या	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
११.	दिलीप राय	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
१२.	अनुपमा शुक्ला	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
१३.	प्रदीप कुमार मिश्र	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
१४.	मनु खन्ना	सीटीएस (काग्नीसेन्ट टेक्किल सोल्यूशन)
१५.	बिन्टुश साहती	एचसीएल (बीपीओ)
१६.	आस्था त्रिपाठी	एचसीएल (बीपीओ)
१७.	अंकिता राज	एचसीएल (बीपीओ)
१८.	पूजा उपाध्याय	एचसीएल (बीपीओ)
१९.	आकांक्षा जायसवाल	एचसीएल (बीपीओ)
२०.	मधुरिमा मिश्रा	एचसीएल (बीपीओ)
२१.	साना फात्मा	एचसीएल (बीपीओ)
२२.	शालिनी श्रीवास्तवा	एचसीएल (बीपीओ)
२३.	नाजिया परवीन	एचसीएल (बीपीओ)
२४.	सोनीयल राय	एचसीएल (बीपीओ)
२५.	अजिता कुमारी	एचसीएल (बीपीओ)
२६.	किशलय सिंह	एचसीएल (बीपीओ)
२७.	मौलिका मण्डल	एचसीएल (बीपीओ)
२८.	अनिल कुमार सिंह	एचसीएल (बीपीओ)
२९.	राकेश कुमार पाठक	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३०.	अरमान खान	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३१.	अभिजीत श्रीवास्तव	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३२.	निशीश्वरी प्रताप सिंह	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३३.	अनन्त कुमार श्रीवास्तव	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३४.	शैलेन्द्र कुमार सिंह	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३५.	राहुल सिंह	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट

३६.	अभिषेक राय	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३७.	शशिकान्त झा	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३८.	गौरव गुप्ता	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
३९.	अस्मिता गुप्ता	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
४०.	रिचा सिंह	आकाश कोचिंग इन्स्टीट्यूट
४१.	विनय उपाध्याय	मोन्टग्रुप
४२.	स्मार्ट मुखर्जी	मोन्टग्रुप
४३.	मुनमुन चक्रवर्ती	मोन्टग्रुप
४४.	स्वागतम स्वैन	मोन्टग्रुप
४५.	संदीप्त कुमार	मोन्टग्रुप
४६.	आदित्य कुमार	विप्रोटेक्नोलाजी
४७.	सुभदीप सरकार	विप्रोटेक्नोलाजी
४८.	सावित्री यादव	विप्रोटेक्नोलाजी
४९.	मनीश कुमार तिवारी	विप्रोटेक्नोलाजी
५०.	राजीव रंजन प्रसाद	विप्रोटेक्नोलाजी
५१.	मोहम्मद मुबस्सीर खान	विप्रोटेक्नोलाजी
५२.	सुभदीप सरकार (जेन.)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
५३.	रजनीश कुमार यादव (ओबीसी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
५४.	सुश्री सावित्री यादव (ओबीसी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
५५.	सत्येन्द्र कुमार (एससी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
५६.	विदेश्वरी भगवान (जेन.)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
५७.	प्रदीप कुमार (एससी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
५८.	विजय कुमार (एससी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
५९.	संदीप कुमार (एसटी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
६०.	विनय उपाध्याय (जेन.)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
६१.	रविशंकर (ओबीसी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
६२.	संदीप कुमार (ओबीसी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
६३.	प्रदीप कुमार (ओबीसी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
६४.	जगदीश आर्य (एससी)	ओएनजीसी (जीओफिजिस्ट)
६५.	नवीन कुमार	टीसीएस
६६.	आशीष कुमार मिश्र	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
६७.	इफ्तेखार अहमद अंसारी	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
६८.	रितेश करन	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
६९.	नीति मिश्रा	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७०.	सुति सिंह	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७१.	स्वाति सिंह	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७२.	स्वेता यादव	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७३.	श्रुति केशरी	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७४.	अमन भास्तक	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७५.	अमृत गुप्ता	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७६.	करुणा यादव	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७७.	मनीष कुमार यादव	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७८.	निशान्त कुमार	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
७९.	पूजा सिंह	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
८०.	रितेश कुमार पाण्डेय	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
८१.	उमा पाण्डेय	मैप माई इंडिया लि. दिल्ली
८२.	राजीव रंजन प्रसाद	विप्रो टेक्नोलाजी
८३.	सावित्री यादव	विप्रो टेक्नोलाजी
८४.	मो. मुबस्सीर खान	विप्रो टेक्नोलाजी
८५.	सुभादीप सरकार	विप्रो टेक्नोलाजी
८६.	मनीष कुमार तिवारी	विप्रो टेक्नोलाजी
८७.	आदित्य कुमार अंशु	विप्रो टेक्नोलाजी
८८.	सुरेश कुमार गुप्ता	इको वाटर सोल्यूसन
८९.	स्वाती तोमर	इको वाटर सोल्यूसन
९०.	पल्लवी देव	इको वाटर सोल्यूसन
९१.	रुचि शुक्ला	इको वाटर सोल्यूसन
९२.	नवीन कुमार	आईडीबीआई बैंक लि.
९३.	शशि बाला	आईडीबीआई बैंक लि.
९४.	सुशील कुमार	आईडीबीआई बैंक लि.
९५.	प्रियंका मौर्या	आईडीबीआई बैंक लि.
९६.	विशाल कु. गुप्ता	आईडीबीआई बैंक लि.
९७.	उज्जवल कु. गुप्ता	आईडीबीआई बैंक लि.
९८.	शिवम जायसवाल	आईडीबीआई बैंक लि.
९९.	गौरव सिंह	आईडीबीआई बैंक लि.
१००.	आकांक्षा जायसवाल	आईडीबीआई बैंक लि.
१०१.	तान्या चौधरी	आईडीबीआई बैंक लि.
१०२.	नवीन कुमार	आईडीबीआई बैंक लि.
१०३.	मो. शोएब अनसारी	आईडीबीआई बैंक लि.
१०४.	चन्द्र शेखर विश्वकर्मा	आईडीबीआई बैंक लि.
१०५.	गौरव श्रीवास्तव	आईडीबीआई बैंक लि.
१०६.	हर्षित खन्ना	आईडीबीआई बैंक लि.
१०७.	वैभव छाब्बरा	आईडीबीआई बैंक लि.
१०८.	प्रवीन कुमार	आईडीबीआई बैंक लि.
१०९.	ऋचा मिश्रा	आईडीबीआई बैंक लि.
११०.	शिवानी सिंह	आईडीबीआई बैंक लि.
१११.	श्वेता पाण्डेय	आईडीबीआई बैंक लि.
११२.	हिमांगी सिंह	आईडीबीआई बैंक लि.
११३.	मधुरिमा मिश्र	आईडीबीआई बैंक लि.
११४.	विकास चन्द्र पाण्डेय	आईडीबीआई बैंक लि.
११५.	भावना अग्रवाल	आईडीबीआई बैंक लि.
११६.	गौरव त्रिपाठी	आईडीबीआई बैंक लि.
११७.	अमरीश कुमार	आईडीबीआई बैंक लि.
११८.	स्मृति उपाध्याय	आईडीबीआई बैंक लि.
११९.	अरित्रा चक्रवर्ती	आईडीबीआई बैंक लि.
१२०.	मुकेश कमार रहेजा	आईडीबीआई बैंक लि.

प्रबंध शास्त्र संकाय

परिसर नियोजन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रबंधनशास्त्र संकाय के छात्रों ने इस वर्ष भी अपने महत्व को सिद्ध कर दिया है। सभी छात्रों को देश और विदेश के प्रतिष्ठित संगठनों द्वारा नियोजित किया गया है जो संकाय के मजबूत शैक्षणिक संस्कृति को दर्शाता है। शिक्षकों का समन्वित प्रयास संकाय के प्रबंधन स्नातकों को परिसर नियोजन के माध्यम से परिलक्षित होता है। छात्रों का कार्पोरेट विश्व में विस्तार संकाय को प्रसिद्धि दिला रहा है। सत्र २०११ का नियोजन में नव नियोजनकर्ताओं के साथ नियमित नियोजनकर्ताओं ने सहभागिता की है। प्रबंधशास्त्र संकाय को गर्व है कि इस वर्ष परिसर नियोजनकताओं की सूची में भारत का आरम्भिक वित्त संस्थान रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया भी शामिल हो गया है। इसके साथ है हमारे चार छात्रों को आई सी आर एम अनुसंधान एवं परामर्शी फर्म से अन्तर्राष्ट्रीय आमंत्रण प्राप्त हुआ है।

इस सत्र २०१०-११ में इन्फोसिस, कोल इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, पेन्टालून, विसा स्टील, फिनो और अंसल एपीआई जैसे बड़े उद्योग घरानों सहित ३० शीर्ष नियोजनकताओं ने प्रबंधशास्त्र संकाय – काहिविवि में पधारे। पिछले वर्ष हमने औसत वेतन ६.४६ लाख का बनाने में सफल रहे। इस वर्ष हमारे छात्रों द्वारा औसत वेतन ७ लाख रहा। संकाय ने पिछले वर्ष ९० प्रतिशत परिसर नियोजन प्राप्त किया था। जिसमें ९० छात्रों को ७० रोजगार आमंत्रण प्राप्त हुआ। इस वर्ष इसमें वृद्धि दर्ज की गयी जो १०२ छात्रों के लिए १२० रोजगार आमंत्रण स्तर पर पहुँच गया।

प्रोफाइल आमंत्रण में वित्त घराने, इक्विटी रिसर्च, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, मार्केटिंग, विक्रय एवं वितरण, विवरण श्रृंखला प्रबंधन, व्यापार परामर्श, आई टी परामर्श, कृषि-व्यापार औद्योगिक संबंध एवं कार्पोरेट मानव संसाधन की विविधताओं में भिन्नता पायी गयी है। इसके साथ ही उल्लेखनीय है कि संकाय में विद्यालय के अन्य संकाय के छात्रों जैसे एमपीएमआईआर, एमएससी. एग्री. और मास्टर ऑफ फाइनेन्सियल मैनेजमेंट के छात्रों को भी जोड़े रखा। हमने काहिविवि से बाहर के एमएनएनआईटी और अन्य संस्थानों के लिए परिसर नियोजन हेतु भी अपनी सुविधायें प्रदान की। हमने छात्र परिषद् को भी परिसर गतिविधियों के संचालन में सहयोग किया है जिसमें ऐसी गतिविधियों के लिए परामर्शी सहायता दी और पूरे विश्वविद्यालय से २५ छात्रों को आमंत्रण प्राप्त हुआ। हमने अपने समझौते के अन्तर्गत विश्वविद्यालय संस्थापन समन्वय प्रकोष्ठ और छात्र परिषद् के साथ संयुक्त रूप से मिलकर पूरे विश्वविद्यालय के लिए हमने आईबीएम दक्ष के लिए बड़े स्तर पर नियोजन का आयोजन किया है। परिसर नियोजन में विशिष्ट उपलब्धि सूचीबद्ध शीर्ष संकायों के क्रम में है, जैसा कि २०१० की अवधि के लिए प्रतिष्ठित बी-स्कूलों के सर्वेक्षण द्वारा प्रदर्शित होता है।

९.२४.२. विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र

'मॉडल ब्यूरो' के नाम से ख्याति-प्राप्त विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मन्त्रणा केन्द्र देश का सम्भवत: प्रथम केन्द्र है, जिसकी स्थापना जून १९५९ में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, रुइया हॉस्टल, मेडिकल ब्लॉक में की गयी थी। राष्ट्रीय नियोजन सेवा की ऐसी इकाईयाँ इस समय देश के लगभग ६६ विश्वविद्यालयों में कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार का प्रयास है कि देश के सभी विश्वविद्यालयों में सेवायोजन सूचना एवं मन्त्रणा केन्द्रों की स्थापना की जाय। विश्वविद्यालय जीवन में केन्द्र की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण तथा चुनौतियों से भरपूर है। शिक्षित नवयुवकों तथा युवतियों को समुचित शैक्षणिक और व्यावसायिक मार्ग निर्देशन देकर, उनका भविष्य निर्माण करना, इन केन्द्रों का प्रमुख दायित्व है। विश्वविद्यालय के छात्रों तथा छात्राओं को परिसर में ही शैक्षणिक तथा व्यावसायिक मार्ग निर्देशन सेवाएं उपलब्ध की जा सकें, इस उद्देश्य से इस केन्द्र का सूत्रपात किया गया था। विश्वविद्यालय की प्राचीन परम्पराओं तथा गरिमा के अनुकूल छात्रोपयोगी सेवाएँ अर्पित करने की दिशा में केन्द्र सर्वथा सम्बद्ध रहा है।

१. पंजीयन, सम्प्रेषण और प्लेसमेण्ट
२. कैरियर स्टडीज़ एवं व्यावसायिक शोध
३. रोजगार एवं स्वरोजगार सम्बन्धी सूचना
४. शिक्षण-प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति से सम्बन्धित सूचना
५. मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं सहयोग
६. व्यावसायिक निर्देशन एवं कैरियर काउंसिलिंग : व्यक्ति एवं सामूहिक
७. कैम्पस भर्ती
८. व्यावसायिक पत्रिका का प्रकाशन

व्यावसायिक सूचना कक्ष की स्थापना एक बड़े हाल में की गयी है। इस कक्ष को केन्द्र की सूचना सेवाओं का मेरूदण्ड कहना अधिक उपयुक्त होगा। कक्ष में कुल ८० फोल्डर है जिनका वर्गीकरण संकाय, उद्योग, संस्था तथा विभिन्न अनुभागों में किया गया है। कक्ष का महिला अनुभाग, अपना रोजगार अनुभाग, चिकित्सा तथा प्राविधिक शिक्षा अनुभाग, प्रतियोगितात्मक अनुभाग, राष्ट्रीय विकास और प्रतिरक्षा अनुभाग, रोजगार क्षेत्र सूचना अनुभाग आदि छात्रों में विशेष लोकप्रिय हैं। देश तथा विदेशों में उपलब्ध शिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार, छात्रवृत्ति, अधिवृत्ति आदि सम्बन्धित सूचना वर्गीकृत रूप से कक्ष में उपलब्ध की गयी है।

व्यावसायिक सूचनाओं का संकलन, अध्ययन, अनुशीलन, संदर्शन, वर्गीकरण तथा संरक्षण करना केन्द्र का प्रमुख दायित्व है। केन्द्र की समस्त सूचना तथा निर्देशन सेवाएं उपयुक्त सूचना साहित्य की उपलब्धि तथा उपादेयता पर ही आधारित है। छात्रों की व्यक्तिगत तथा सामूहिक आवश्यकताओं के अनुसार ही सूचना साहित्य का संग्रहण तथा सन्दर्शन किया जाता है। वांछित सूचना तत्काल उपलब्ध न होने पर सम्बन्धित स्थानों से मंगा कर अभ्यर्थियों को उपलब्ध करायी जाती है।

व्यावसायिक परामर्श इकाइयों का संचालन केन्द्र के निर्देशन में, विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विद्यालयों तथा महाविद्यालयों में किया जा रहा है। ऐसी इकाईयां हमारी सेवाओं को लघु रूप में अपने छात्रों को उपलब्ध कराती है। किशोरावस्था में निर्देशन की महत्ता का अनुभव करते हुए केन्द्र इन इकाईयों को अधिकाधिक सूचना सम्पन्न तथा सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। केन्द्र इन्हीं के माध्यम से सम्बन्धित संस्थाओं में व्यावसायिक वार्ताओं का आयोजन कर, छात्रों को भावी जीवन की ठोस व्यावसायिक योजना बनाने में सहायता करता है।

केन्द्र के पुस्तकालय में कीमती तथा उपयोगी सन्दर्भ साहित्य उपलब्ध है। पत्र-पत्रिकाओं के अतिरिक्त विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम, नियमावली, प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के निर्देशन-साहित्य, स्वत: नियोजन, व्यवसाय प्रोन्नयन, व्यावसायिक मार्ग निर्देशन, आत्मविकास आदि से सम्बन्धित छात्रोपयोगी साहित्य पुस्तकालय में एकत्रित किया जा रहा है।

केन्द्र द्वारा व्यावसायिक शोध, अध्ययन, साहित्य सृजन तथा प्रकाशन सम्बन्धी कार्य अनवरत रूप से किया जा रहा है। प्रकाशन की तीन मालाओं 'प्लान ए कैरियर सीरीज़' 'नो योर सब्जेक्ट सीरीज़' तथा 'गाइडेन्स लीफ्लेट सीरीज़' मे अब तक कुल ५१ पुस्तकों, पुस्तिकाओं तथा विवरणिकाओं का प्रकाशन किया जा चुका है। समय-समय पर रोजगार सर्वेक्षण आयोजित कर प्रतिवेदन प्रकाशित किए जाते हैं। केन्द्र के प्रकाशन बेजोड़ माने जाते हैं। देश के कोने-कोने से प्राप्त मांग पत्रों से इन प्रकाशनों की लोकप्रियता स्वयं सिद्ध होती है।

प्लान ए कैरियर सीरीज़ के अन्तर्गत प्रकाशित साहित्य का विषय-वस्तु अपेक्षाकृत अधिक विस्तृत तथा सारगर्भित होता है। ये पुस्तकें विविध पाठ्य-विषयों से सम्बन्धित उच्चशिक्षा, प्रशिक्षण, रोजगार, स्वत: रोजगार आदि के साथ-साथ विदेशों में उपलब्ध विशेषीकरण और व्यावसायिक अवसरों की जानकारी देती है। व्यक्तिगत निर्देशन के अवसर पर छात्रों तथा अभ्यर्थियों को उनकी आवश्यकतानुसार इन पुस्तकों की प्रतियाँ उपलब्ध की जाती है। केन्द्र के सभी प्रकाशन नि:शुल्क रूप से देश के समस्त व्यवसाय निर्देशन से सम्बन्धित अभिकरणों, प्रमुख पुस्तकालयों, संस्थाओं आदि को प्रेषित किए जाते हैं।

छात्र व्यवसाय निर्देशिका (स्टूडेन्ट्स वोकेशनल गाईड) छात्रों की एक लोकप्रिय पाक्षिक पत्रिका है, जो प्रत्येक महीने की १०वीं तथा २५वीं तारीख को प्रकाशित की जाती है। देश-विदेश की विभिन्न शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश, छात्रवृत्ति तथा अधिवृत्ति और नियोजकों के अधीन रोजगार के वर्तमान अवसरों की जानकारी उपलब्ध कराना, इस पत्रिका का प्रमुख उद्देश्य है। पत्रिका ऐसे छात्रों तथा अभ्यर्थियों के लिये विशेष रूप से उपयोगी है, जिन्हें एक से अधिक समाचार पत्र यथासमय सुलभ नहीं हो पाते। विश्वविद्यालय के छात्रों, केन्द्र के आगन्तुकों, निर्देशन संस्थाओं आदि में पत्रिका नि:शुल्क रूप से वितरित की जाती हैं।

पत्राचार निर्देशन सेवा केन्द्र की विशिष्ट सेवाओं में एक है। देश के सभी भू-भागों से छात्रों, अभ्यर्थियों, संस्थाओं तथा अभिभावकों से पृच्छायें प्राप्त होती रहती हैं, जिनका समुचित उत्तर दिया जाता है। कभी-कभी बड़ी जटिल तथा समस्यापरक पृच्छाओं का भी निराकरण केन्द्र को करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में केन्द्र तथा अभ्यर्थी के बीच बराबर पत्राचार सम्पर्क बना रहता है।

विदेशों में उच्चाध्ययन तथा रोजगार के प्रति विश्वविद्यालय के छात्रों तथा अध्यापकों में विशेष आकर्षण दृष्टिगत होता है। सूचना कक्ष में अमेरिका, कनाडा, इंग्लैण्ड, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, रूस, जापान, आदि देशों से सम्बन्धित शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रवेश नियम, भौगोलिक परिस्थितियाँ आदि सम्बन्धी सूचना अलग-अलग पत्रावलियों में सन्दर्शित की गई हैं। विदेशी विनिमय, पारपत्र, वीजा, पूर्व परीक्षा आदि में भी अद्यावधिक जानकारी दी जाती है।

रोजगार सूचना सहायता सभी इच्छुक अभ्यर्थियों को दी जाती है किन्तु पंजीयन की सुविधा केवल स्नातकोत्तर तथा व्यावसायिक स्नातकों (कृषि, चिकित्सा, तकनीकी, प्रौद्योगिकी, कानून, शिक्षा, पुस्तकालय विज्ञान, प्रबन्ध शास्त्र आदि) तक ही सीमित हैं।

नियोजन हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों के विवरण तथा आवेदन पत्र सम्बन्धित नियोजकों को, उनकी मांगों के सन्दर्भ में, प्रेषित किए जाते है। ऐसी रिक्तियों की सूचना केन्द्र को सीधे नियोजक से, स्थानीय तथा देश के अन्य सेवायोजन कार्यालयों तथा केन्द्रीय सेवायोजन कार्यालय, नई दिल्ली से प्राप्त होती है।

प्लेसमेन्ट सेल : केन्द्र में स्थापित प्लेसमेन्ट सेल द्वारा समय-समय पर विभिन्न कम्पनियों के लिए कैम्पस प्लेसमेन्ट पर कार्य किया जा रहा है। वर्ष २०१०-११ में केन्द्र द्वारा आयोजित कैम्पस प्लेसमेन्ट कार्यक्रम में कुल २७८ अभ्यर्थियों ने भाग लिया जिसमें अन्तिम रूप से ०७ अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

इण्टरनेट की सुविधा केन्द्र में आने वाले आगन्तुकों एवं अभ्यर्थियों को उनकी आवश्यकता अनुसार सेवायोजन, प्रवेश से सम्बन्धित जानकारी, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति आदि से सम्बन्धित सूचना इण्टरनेट के माध्यम से प्रदत्त की जाती हैं।

अपना व्यवसाय चुनिये पखवाड़ा : केन्द्र द्वारा ''अपना व्यवसाय चुनिये पखवाड़ा'' दिनांक २७ अगस्त २०१० से १३ सितम्बर २०१० तक मनाया गया। पखवाड़े के दौरान देश-विदेश में रोजगार एवं स्वरोजगार, उच्च शिक्षा, शिक्षण-प्रशिक्षण की सुविधा, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति आदि से सम्बन्धित विशेषज्ञों की व्यावसायिक वार्ता विभिन्न विभागों, संस्थानों/विद्यालयों में करायी गयी।

१. कला संकाय, बी.एच.यू.
२. महिला महाविद्यालय, बी.एच.यू.
३. बसन्त कन्या महाविद्यालय, कमच्छा,

अवसर शिविर कैरियर काउंसिलिंग प्रोगाम : केन्द्र द्वारा ''अवसर शिविर'' कैरियर काउंसिलिंग प्रोग्राम मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान देश-विदेश में रोजगार एवं स्वरोजगार, उच्च शिक्षा, शिक्षण-प्रशिक्षण

की सुविधा, छात्रवृत्ति/अधिवृत्ति आदि से सम्बन्धित विशेषज्ञों की व्यावसायिक वार्ता विभिन्न विभागों, संस्थानों/विद्यालयों में करायी गयी।

१. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, लहुराबीर, वाराणसी, दिनांक १०.०१.२०११

२. डी.ए.वी. पी.जी. कॉलेज, वाराणसी, दिनांक २५.०१.२०११

३. वसन्ता महिला महाविद्यालय, राजघाट, वाराणसी, दिनांक ०४.०२.२०११

वर्ष २०१०-२०११ में किये गये कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् है

• पंजीयन	११८
• सम्प्रेषण	०
• सजीव पंजी	४००
• व्यक्तिगत सूचना	६८८२
• पंजीयन मार्गदर्शन	११८
• व्यक्तिगत मार्गदर्शन	३७
• पुनरावलोकन	३७
• सामूहिक मार्गदर्श	१२५
• स्कूल/कॉलेज में वार्ता	२९
• सूचनाकक्ष में आने वाले आगंतुक	७३११
• विशिष्ट आगंतुक	३५
• साहित्य का वितरण	६५
• सूचना के संकलन से सम्बन्धित सम्पर्क	४३
• सेवायोजन से सम्बन्धित सम्पर्क	३८
• व्यावसायिक मार्गदर्शन से सम्बन्धित सम्पर्क	३८
• प्रार्थना पत्रों का वितरण	४०
• सेवायोजन सम्बन्धी आवेदन का अग्रसारण	००
• कैम्पस प्लेसमेन्ट	०७
• कैम्पस साक्षात्कार में भाग लेने वाले अभ्यर्थी	२७८
• मनोवैज्ञानिक परीक्षण	
अ. व्यक्तिगत	२४
ब. सामूहिक	००

९.२४.३. छात्र परिषद् कार्यालय

वर्तमान शैक्षणिक सत्र २०१०-११ के लिए छात्र परिषद् का गठन ०६ सितम्बर, २०११ को छात्र कल्याण केन्द्र में पूर्वान्ह ११.०० बजे आयोजन बैठक में किया गया। माननीय कुलपति प्रो.डी. पी.सिंह ने उसी दिन सांय ४.०० बजे कुलपति आवास पर संरक्षक के रुप में सदस्यों को सम्बोधित किया। परिषद् की कुल महत्वपूर्ण गतिविधियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं :

- ''आधुनिक शिक्षा पद्धति में हिन्दी के प्रयोग की उपयोगिता'' पर निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का अयोजन किया गया जिसमें ८० छात्रों ने भाग लिया।
- ''साम्प्रदायिक प्रतिरोध'' की विषय वस्तु पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता गाँधी जयंती के अवसर पर १ अक्टूबर २०११ को आयोजित की गई।
- छात्रावास में स्वच्छता की स्थिति, पुस्तकालय, भोजनालय एवं इन्टरनेट सुविधाओं की स्थिति की जाँच की गयी।
- माननीय कुलगुरु की उपस्थिति में अक्टूबर ९, २०१० को राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर का भ्रमण किया गया। विभिन्न संकायों और छात्रावास का भी भ्रमण किया गया।
- कला संकाय सभागार में अक्टूबर १०, २०१० को ''व्यक्तित्व विकास नशोन्मूलन से छुटकारा, तनाव एवं अवसाद'' विषयक प्रथम व्याख्यान हुआ।
- कृषि विज्ञान संस्थान में २६ अक्टूबर, २०१० को ''उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ'' विषयक व्याख्यान हुआ।
- कला संकाय एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के छात्रों के लिए २९ अक्टूबर २०१० को स्वतंत्रता भवन में परिसर नियोजन का आयोजन किया गया। जिसमें आई. बी. एम. ने २५ छात्रों को रु.१३५००-२०,००० प्रतिमाह की नौकरी हेतु आमंत्रित किया।
- संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय में ३० अक्टूबर २०१० को ''व्यक्तित्व विकास नशोन्मूलन से छुटकारा, तनाव एवं अवसाद'' विषयक दूसरा व्याख्यान हुआ।
- उच्च शिक्षा पर प्रबन्ध शास्त्र संकाय में एक संगोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें उक्त विषय पर छात्रों ने अपने विचार व्यक्त किये।
- नवम्बर १ से ३ तथा ८ नवम्बर से ९ नवम्बर २०१० तक ''अर्न ह्वाईल लर्न'' कार्यक्रम हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया गया। इसमे प्रतिभावान एवं आर्थिक रुप से कमजोर छात्रों को महीने में १५ दिन और प्रतिदिन २ घंटा का अंशकालिक रोजगार प्रदान किया जाता है जिसके अन्तर्गत रु.४० प्रति घंटे की दर से पारिश्रमिक प्रदान किया जाता है। इसमें लगभग १८०० छात्रों ने हिस्सा लिया जिसमें से लगभग ५०० छात्रों को कार्य करने का अवसर दिया गया।
- पं. मदन मोहन मालवीय जी की १५०वीं जयन्ती के अवसर ''भारतीय शिक्षा के आमूल परिवर्तन में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की भूमिका'' विषयक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन २७ अक्टूबर २०१० को आयोजित किया गया।
- माननीय लोकसभा सदस्य श्री राहुल गाँधी द्वारा जनवरी १०, २०११ को ''युवा एवं राष्ट्रीय विकास'' पर पारस्परिक विचार

माननीय लोकसभा सदस्य श्री राहुल गाँधी द्वारा जनवरी १०, २०११ को ''युवा एवं राष्ट्रीय विकास'' विषय पर विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ एक पारस्परिक विचार सत्र का आयोजन किया गया

कृषि विज्ञान संस्थान में २६ अक्टूबर, २०१० को ''उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ'' विषयक व्याख्यान

सत्र का आयोजन किया गया जिसमें २००० से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

- श्री राजेश जौहरी द्वारा २० जनवरी २०११ को ''ग्राफोलाजी द साइंस ऑफ हैंडराइटिंग एनालिसिस'' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे ६०० से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- का. हि. वि. वि. मुख्य परिसर में २३ जनवरी से ३१ जनवरी २०११ और राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में ४ फरवरी से ११ फरवरी २०११ तक अन्तर छात्रावास क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया।
- श्री अनुपम खेर द्वारा ''शिक्षा एवं संस्कार निष्ठ युवा'' पर दिनांक १३ फरवरी २०११ को पारस्परिक विचार व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें लगभग २००० छात्रों ने भाग लिया।
- राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर में दिनांक २० फरवरी २०११ को ''व्यक्तित्व विकास, नशा उन्मूलन से छुटकारा, तनाव और अवसाद'' विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- स्वतंत्रता भवन काहिविवि. में २५-२६ फरवरी २०११ को ''वर्तमान परिदृश्य में उच्च शिक्षा पर दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया''।
- स्वतंत्रता भवन, काहिविवि. में दिनांक १३ मार्च २०११ को माननीय कुलाधिपति डॉ.कर्ण सिंह जी के ''नागरिक अभिनन्दन'' का आयोजन किया गया।

९.२४.४. नगर छात्र निकाय

विश्वविद्यालय के ऐसे सभी छात्र जो छात्रावास मे न रह कर शहर के विभिन्न अंचलों या विश्वविद्यालय परिसर में निवास करते है उनका पंजीकरण नगर छात्र निकाय के संरक्षण में किया जाता हौ ऐसे छात्रों के भौतिक, सांस्कृतिक व बौद्धिक विकास के दायित्व का निर्वहन नगर छात्र निकाय विभिन्न इकाईयों के संरक्षकों एवं मुख्य संरक्षक की देख-रेख में करता है। नगर छात्र निकाय की कुल पाँच इकाईयाँ निम्नलिखित हैं :

१. उत्तरी निकाय
२. दक्षिणी एवं रामनगर निकाय
३. पश्चिमी एवं डी.एल.डब्ल्यू. निकाय
४. पूर्वी निकाय
५. महिला महाविद्यालय इकाई (केवल छात्राओं के लिए)

नगर छात्र निकाय नगरीय छात्रों के लिए टेबल-टेनिस, शतरंज, कैरम, फुटबाल, बालीबाल व क्रिकेट इत्यादि खेलकूद के अतिरिक्त पत्र/पत्रिकाएं (२७ पत्रिकायें और ७ राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र) हिन्दी एवं अंग्रेजी में छात्रों के अध्ययनार्थ उपलब्ध कराता है।

नगर छात्र निकाय द्वारा प्रतिवर्ष बहुउद्देशीय क्रिया-कलापों तथा विभिन्न प्रकार के साहित्यिक तथा सांस्कृतिक (निबन्ध लेखन, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद, सुभाषण, कार्टूनिंग, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वादन (तबला), एकल गायन व (टू बैको) काव्य पाठ इत्यादि) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में सत्र २०१०-११ मे निकाय द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में लगभग ३४१ छात्रों ने सक्रियता से भाग लियाा प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विशेष समारोह में विभिन्नि प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया है। वर्तमान सत्र (२०१०-११) का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह ३० मार्च २०११ को आयोजित किया गया। समारोह के अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह जी थे एवं छात्र अधिष्ठाता प्रो. आशाराम त्रिपाठी विशेष रूप से उपस्थित थे। विजेता ६५ प्रतिभागियों को माननीय कुलपति महोदय द्वारा पुरस्कार व प्रमाण-पत्र पदान किया गया।

९.२४.५. पाठ्येतर गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान संस्थान

सांस्कृतिक गतिविधियाँ : हमारी शिक्षा प्रणाली इस प्रकार की है जो प्रत्येक छात्र को एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व में परिवर्तित करने पर महत्व देती है जिससे वह एक संस्थान के स्तर का बन सके। उच्च गुणवत्ता से पूर्ण मानव संसाधन विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छात्रों केा संस्थान के शिक्षकों और का.हि.वि.वि. के अन्य संकायों के शिक्षकों के सक्षम निर्देशन के अन्तर्गत पाठ्येतर गतिविधियों में स्वस्थ्य सहभागिता हेतु प्रेरित किया जाता है। शैक्षणिक सत्र २०१०-११ के अन्तर्गत अपने अन्तर्कक्षाएँ सांस्कृतिक प्रतियोगिता (सृष्टि-२०११) का आयोजन करने के साथ संस्थान ने स्पन्दन और अखिल भारतीय अन्तर्कृषि विश्वविद्यालय युवा-महोत्सव २०१०-११ में भी भाग लिया।

खेल एवं खेल-कूद गतिविधियाँ : सम्पूर्ण शैक्षणिक वर्ष में स्नातक और स्नाकोत्तर छात्रों तथा संकाय के शिक्षकों के भागीदारी द्वारा नियमित रूप से विभिन्न खेलों एवं खेल-कूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। छात्रों को प्रशिक्षण के साथ-साथ वि.वि. स्तर पर आयोजित खेल और खेल कूद गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया जिससे कि वे विवि दल के अंग बनें और अन्तर्विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता में भागीदार बने। संकाय के चार स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों का वि.वि. दल के सदस्य के रूप में फुटबॉल, बास्केटबॉल और एथलेटिक्स् में चयन हुआ। संस्थान की टीम ने भी अर्न्त-संकायी फुटबॉल टूर्नामेंट और अर्न्त-छात्रावासी क्रिकेट-टूर्नामेंट- २०१०-११ में भाग लिया।

छात्रावास गतिविधियाँ : संस्थान के पास दो बालक छात्रावास (बाल-गगांधर तिलक छात्रावास, स्नात्कोत्तर/पी.एच.डी छात्रों के लिए और एस. राधाकृष्णन् छात्रावास स्नातक छात्रों के लिए) और एक बालिका छात्रावास हैं। सत्र २०१०-११ में उनमें मरम्मत और अनुरक्षण कार्य किये गये। छात्रावासों को रैगिंग से मुक्त रखने के लिए अध्ययन और अनुशासित पाठ्येतर गतिविधियों के साथ-साथ समय-समय पर मंत्रणा और तत्संबंधी क्रियाकलापों का आयोजन किया गया।

प्रौद्योगिकी संस्थान

जिमखाना का सांस्कृतिक खंड अनेक गतिविधियों को प्रारंम्भ करने के उद्देश्य से सिंतबर माह में प्रारंम्भ किया गया। दशहरा और दीपावली अवकाश की अवधि में तथा बाद में छात्रों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे आगमन, अन्तरागणि पी.ए.एन.आई. आई टी इन्क्लेव इत्यादि में भाग लिए।

आई.टी ओपैन इवेंट्स् फरवरी १७ से २० की अवधि में वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव काशी यात्रा का आयोजन हुआ। आई.टी. के बाहर के संस्थानों से आकर्षक भागीदारी की गई जिसमें रोहतक, लखनऊ के छात्र भी शामिल हुए। बहुत ही सफल सांस्कृतिक गतिविधि के वर्ष के रूप में संस्थान के बाहर से छात्रों के एक दल को का.हि.वि.वि. का अर्न्तसंकायी महोत्सव 'स्पन्दन' में भाग लेने के लिए अधिकृत किया गया।

खेल और खेल-कूद खंड ने फुटबॉल, क्रिकेट, और वालीबॉल के अनेक टूर्नामेंट आयोजित किये। इन्डोर और आउटडोर टूर्नामेंट में भागीदारी की और संस्थान, राज्य, और राष्ट्रीय स्तरों पर अनेक पुरस्कार जीते।

दन्त चिकित्सा विज्ञान संकाय

खेल-कूद गतिविधियाँ

राष्ट्रीय स्तर पर

१. सितम्बर २०१० में उड़ीसा के भुवनेश्वर में हुए अखिल भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयी बैडमिन्टन चैम्पियनशिप के लिए का.हि.वि.वि. टीम में सुश्री प्रतिमा रंजन २००७ एमबीबीएस को शामिल किया गया।

२. अक्टूबर २०१० में भुवनेश्वर में सम्पन्न अखिल-भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयी बास्केटबाल चैम्पियनशिप के लिए का.हि.वि.वि. दल में सुश्री श्रेष्ठा गुप्ता २०१० एमबीबीएस को शामिल किया गया।

३. दिसम्बर २०१० में सम्पन्न अखिल-भारतीय अन्तर्विश्वविद्यालयी चेस-टीम चैम्पियनशिप के लिए श्री अर्पित अग्रवाल २००७ एम बी बी एस का चयन किया गया।

अर्न्तसंकायी का.हि.वि.वि.स्तर पर

१. जनवरी २०११ में संपन्न अर्न्तसंकायी बालिका क्रिकेट टूर्नामेन्ट में चिकित्सा विज्ञान संकाय की बालिका क्रिकेट टीम उप-विजेता रही। यह तीनों संकायों (चिकित्सा, आयुर्वेद, दन्त-चिकित्सा विज्ञान) और नर्सिंग कालेज से बालिकाओं की टीम थी।

२. जनवरी २०११ में संपन्न अर्न्तसंकायी वालीबाल चैम्पियनशिप में चि. वि. सं. की वालीबाल टीम चौथे स्थान पर रही।

३. जनवरी-२०१० में अर्न्तसंकायी एथलेटिक मीट में श्री बामदेवन वसन्थन को डिस्कस और हैमर थ्रो आयोजन में क्रमश: दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।

चि.वि.सं.स्तर पर

चिकित्सा विज्ञान संस्थान का अर्न्तकक्षायें और अर्न्तसंकायी खेल-कूद समागम जनवरी २१,२०११ से प्रारंभ हुआ और प्रो. टी.एम. महापात्रा ने लड़कों के अर्न्त-कक्षीय क्रिकेट मैच का उद्घाटन किया। प्रो. बी.डी. भाटिया और प्रो. माण्डवी सिंह ने क्रमश: छात्रों एवं छात्राओं- समूह के अर्न्त-संकायी बालीबाल मैच का उद्घाटन किया जो प्रो. अजय खन्ना, अध्यक्ष चि. वि.सं. जिम, डॉ० रोयना सिंह, चि.वि.सं. जिम सचिव, डॉ० अर्चना सिंह, सचिव यूएसबी और श्री ए. के. वादी, यूएसबी के निर्देशन में संपन्न हुआ। संस्थान के सभी शिक्षकों ने आयोजनों के कुशल और सफल संचालन के लिए अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। विभिन्न आयोजनों के विजेता और उप-विजेता टीम इस प्रकार से है-

छात्रों की खेलकूद में उपलब्धियाँ

१. अर्न्तकक्षीय वालीबाल : बी ए एम एस- २००७ विजेता और एम बी बी एस- २००९ बैच उप- विजेता रहे।

२. छात्राओं का अर्न्तकक्षीय वालीबाल : बी ए एम एस- २०१० विजेता और नर्सिंग उप- विजेता रहे।

३. छात्रों का अर्न्तकक्षीय क्रिकेट : बी ए एम एस- २०१० विजेता और बी ए एस एम-२००७ उप- विजेता रहे।

४. छात्राओं का अर्न्तसंकायी क्रिकेट : बी ए एम एस- २०१० नर्सिंग विजेता और बी ए एम एस उप- विजेता रहे।

५. छात्राओं का अर्न्तसंकायी बास्केटबाल : नर्सिंग विजेता और एमबीबीएस उप- विजेता।

६. छात्रों का अर्न्तसंकायी बास्केटबाल : एम बी बी एस २००८ विजेता और एम बी बी एस- २००६ उप- विजेता रहे।

७. छात्रों का द टग ऑफ वार : एमबीबा एस- २००६ विजेता और एम बी बी एस- २००७ उप- विजेता रहे।

८. छात्राओं का द टग ऑफ वार : नर्सिंग विजेता और बी ए एम एस उप- विजेता रहे।

वार्षिक एथलेटिक समागम का आयोजन फरवरी १८-२०,२०११ के मध्य हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. टी.एम. महापात्रा निर्देशक, चि.वि.सं., द्वारा किया गया और समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. एच एस शुक्ला, एमेरिटस प्रो. द्वारा किया गया। छात्रों और अध्यापकों ने लगभग तीस अवसरों पर भागीदारी की।

सर्वोत्तम पुरूष एथेलीट श्री राकेश मीणा, एमबीबीएस- २००९ और सर्वोत्तम महिला एथेलीट सुश्री सीमा यादव (नर्सिंग इन्टर्नशिप) रहे।

सर्वोत्तम एथेलीट बैच का सम्मान सम्मिलित रूप से एमबीबीएस - २००९ बैच और नर्सिंग इन्टर्नशिप को प्रदान किया गया।

कृषि विज्ञान संस्थान द्वारा १२-१३ फरवरी, २०११ को आयोजित किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी

मंच कला संकाय

गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ -

व्याख्यान/प्रदर्शन शृंखला के अन्तर्गत सत्र २०१०-११ के दौरान, संकाय ने भारत और विदेशों के कई प्रसिद्ध कलाकारों को आमंत्रित किया। वर्ष २०१०-११ में मंच कला संकाय में हुए कार्यक्रमों/कान्सर्ट्स के विवरण निम्न हैं—

- माह जुलाई २०१० से बृहस्पतिवार कार्यक्रम का आयोजन पं. ओंकार नाथ ठाकुर सभागार में प्रारम्भ किया गया। जिसमें देश और विदेश के अनेक कलाकारों के साथ-साथ संकाय के अनेक शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया।
- मंच कला संकाय में १५ अगस्त २०१० को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया।
- दिनांक २० अक्टूबर २०१० को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया।
- दिनांक २० अक्टूबर २०१० से २२ अक्टूबर २०१० तक पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में कलाक्षेत्र, चेन्नई की अवकाश प्राप्त शिक्षिका सुश्री एन.एस. जयलक्ष्मी द्वारा भरतनाट्यम में व्याख्यान व प्रदर्शन सम्पन्न किया गया।
- दिनांक ५ जनवरी २०११ से पं. ओंकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में भारत के अनेक लब्धप्रतिष्ठ कलाकारों का दृश्य और श्रव्य कक्षाओं का आयोजन किया गया।
- दिनांक २६ जनवरी २०११ को मंच कला संकाय मे गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया।
- दिनांक ८ फरवरी २०११ को प्रार्थना सभागार में सरस्वती पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक १० फरवरी २०११ को बृहस्पतिवारीय कार्यक्रम के अन्तर्गत अतिथि कलाकारों का मंच प्रदर्शन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।
- बृहस्पतिवारीय कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम सम्पन्न हुए : श्री विष्णु मिश्र (एम.म्यूज्. प्रथमवर्ष) (गायन संगीत) के साथ संगत किया श्री किशोर कुमार मिश्र, श्री पाल लिविंग स्टोन (सितार) लास एंजेल्स, यूएसए- श्री हरिओम द्वारा तबला पर संगत।
- दिनांक ०१ मार्च २०११ से ५ मार्च २०११ तक स्पंदन प्रतियोगिता आयोजित की गयी।
- पं. ओकारनाथ ठाकुर प्रेक्षागृह में दृश्यकला संकाय एवं मंच कला संकाय ने संयुक्त रूप से संकाय स्तरीय ९३वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन दिनांक ११ मार्च २०११ को किया ।
- अर्न्त-संकायी उत्सव स्पंदन में मंचकला संकाय को विभिन्न संगीत और नृत्य आयोजनों में अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए।
- विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित विविध संगोष्ठियों में संकाय के शिक्षकों एवं छात्रों ने मंचन सम्पन्न किया।
- दिनांक १७ दिसम्बर २०१० से २१ दिसम्बर २०१० तक बड़े स्तर पर महामना पं. मदन मोहन मालवीय जी की १५० वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आईसीसीआर के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य स्मृति समारोह का पांच दिवसीय आयोजन संकाय में किया गया।
- संकाय के ६० वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महामना की १५०वीं जयंती वर्ष को समर्पित ''नुरानन'' का आयोजन दिनांक १९ अगस्त २०१० को सम्पन्न किया गया।

महिला महाविद्यालय

पिछले वर्षों की भाँति ही महिला महाविद्यालय का सांस्कृतिक सप्ताह ''मन्थन'' का आयोजन किया गया। अनेक प्रतियोगिता में जैसे विज्ञान वाद विवाद, मधुर संगीत, पोस्टर प्रतियोगिता, हिन्दी वाद विवाद, अंग्रेंजी वाद विवाद, संस्कृत स्त्रोत्र और श्लोक पाठ, रबीन्द्र संगीत, उर्दू बैतबाजी, आदिवासी नृत्य का आयोजन किया गया। सर्वोत्तम चुने गये कार्यक्रम को विश्वविद्यालय स्तर पर सम्पन्न ''स्पन्दन २०११'' के लिए भेजा गया।

- ''मालवीय जयन्ती'' २०१० के अवसर पर सम्पन्न हिन्दी एवं अग्रेंजी भाषण में महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने पुरस्कार जीते।
- सामाजिक विज्ञान संकाय ने नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जिससे म.म.वि. की छात्राओं ने पुरस्कार जीते।
- का.हि.वि.वि.की गीता समिति ने दिसम्बर २०१० में वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया और उसमें प्रथम पुरस्कार म.म.वि. की एक छात्रा को प्राप्त हुआ।

खेलकूद दिवस समारोह

महिला महाविद्यालय खेलकूद स्थल पर वार्षिक खेलकूद दिवस का आयोजन किया गया। प्रो. ए.आर. त्रिपाठी, छात्र अधिष्ठाता मुख्य अतिथि रहे। श्रीमती नीलू मिश्रा, अन्तर्राष्ट्रीय एथलीट सम्मानित अतिथि रहीं। अनेक खेल और ट्रेक फील्ड कार्यक्रम आयोजित किये गये। म.म.वि. के शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए विशेष खेल कूद आयेजित किये गये। सभी ने लोकप्रिय समूह खेलकूद ''टग ऑफ वार'' में भाग लिया। छात्रों द्वारा चार और खेल स्टाल लगाये गये थे।

क्रम.	खेल का नाम	पुरस्कार	छात्रा का नाम
१.	कैरम	II	सुश्री कामिनी सिंह
२.	चेस	II	सुश्री अंकिता चौधरी
३.	चेस	III	सुश्री अनामिका गोंड़
४.	चेस	सांत्वना	सुश्री जया
५.	टेबल टेनिस	III	सुश्री सन्ध्या शर्मा
६.	टेबल टेनिस	सांत्वना	सुश्री श्रुति आर्य

निबन्ध प्रतियोगिता में, सुश्री वन्दना शुक्ला द्वारा द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया गया।

पर्यावरण विज्ञान व प्रौद्योगिकी केन्द्र

जल संरक्षण कार्यक्रम

सीईएसटी ने ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से जल समस्या के समाधान हेतु जल संरक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ किया। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में सतही वर्षा जल दोहन के लिए पाँच तालाबों का नवीनीकरण किया गया और कृत्रिम भूजल पुनर्भरण के लिए सात रूफ टॉप वर्षा जल दाहन संरचना का निर्माण किया गया।

जन सहभागिता एवं जन जागरूकता के लिए काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के चारों तरफ ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न ग्राम सभा में जल संरक्षण समिति (डब्लूसीएस) स्थापित किये गये। प्रत्येक ग्राम सभा में डब्लू एस के लिए ग्राम प्रधान को समन्वयक के रूप में नामित किया गया और १० पुरुष व १० महिला सदस्यों को सहयोजित किया गया। एनसीसी, एनएसएस, एनजीओ से छात्रों और सरकारी व्यक्तियों सहित २५० सीएस सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया।

सेन्ट्रल हिन्दू गर्ल्स स्कूल

स्कूल गतिविधियाँ

१. महामना पं० मदन मोहन मालवीय जी की १५० वीं जयंती वर्ष पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये।
२. दिसम्बर २५,२०१० को छात्रों ने मालवीय भवन में आयोजित पुष्प प्रदर्शनी में भाग लिया और पुरस्कार जीते।
३. मालवीय जयंती के अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा अन्तर विद्यालयी पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने भाग लिया और कक्षा चार से सात समूह में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किये।
४. उपरोक्त अवसर पर मालवीय भवन में अन्तर्विद्यालयी भजन प्रतियोगिता सम्पन्न हुआ जिसमें तीन छात्राओं को प्रथम पुरस्कार और एक छात्रा को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।
५. महामना के १५० वीं जयन्ती वर्ष पर विद्यालय द्वारा एक लघु चलचित्र 'महामना की अन्तहीन यात्रा', उनके जीवन और उनके जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों पर आधारित, निर्मित किया गया जिसमें स्कूल की छात्राओं ने कलाकारी की है।
६. रेडियों मिर्ची द्वारा एक संगीत (फिल्मी गाना) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सीएचजीएस की छात्राओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा कक्षा बारह की छात्रा कु० ज्योती को रुपये एक लाख का नगद पुरस्कार प्राप्त हुआ।
७. सी.सी.आर.टी- सेन्टर फार कल्चरल सिसोर्स एण्ड ट्रेनिंग ने शास्त्रीय गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। कक्षा नौ की छात्रा अपूर्वा तिवारी नें रु. ६००/= की छात्रवृत्ति प्राप्त की।
८. दिनांक २५ दिसम्बर २०१० को पुरातन् समागम सम्पन्न हुआ जिसमें छात्राओं ने स्वतंत्रता भवन में ''पर्यावरण एवं गंगा'' पर एक गीत प्रस्तुत किया।
९. मालवीय जयन्ती के अवसर पर का.हि.वि.वि. ने एक अन्तर स्कूली फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें प्राथमिक खण्ड की प्रसून ऋषभ को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
१०. दिनाक २८ फरवरी २०११ को स्कूल में महामनाजी की १५० वीं जयंती वर्ष के अवसर पर महामना की जीवनी पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

खेल-कूद गतिविधियाँ

१. बाल दिवस के अवसर पर स्कूल में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ समूह में अनेक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन सम्पन्न हुआ।
२. कु० सपना गोंड़ कक्षा सात को ओपेन डिस्ट्रिक्ट और क्लस्टर कबड्डी मीट में प्रथम पुरस्कार मिला।
३. स्पोर्टस डिपार्टमेंट लखनऊ द्वारा आयोजित 'वूमेन्स ईयर' डिस्ट्रिक्ट एण्ड क्लस्टर स्वीमिंग प्रतियोगिता में कु० सोनाली चटर्जी और कु० विनीता सिंह को पुरस्कार प्राप्त हुए।
४. जिला ताइक्वाण्डो समागम में कु० निधी गुप्ता को रजत पदक प्राप्त हुआ।
५. वूमेन्स ईयर क्लस्टर एथलेटिक मीट में ४०० मीटर दौड़ में स्कूल की कु० जागृति सिंह द्वितीय स्थान मिला।
६. सीबीएसई ने डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, गया, बिहार में एथलेटिक मीट का आयोजन और संचालन किया जिसमें अनेक छात्राओं ने भागीदारी की और पुरस्कार जीते।
७. कक्षा ग्यारह की कु० आयुषी चौरसिया ने कोठारी इन्टरनेशनल स्कूल, नोएडा में सीबीएसई द्वारा आयोजित पूर्वी क्षेत्र स्केटिंग प्रतियोगिता में भागीदारी की।
८. सीबीएसई द्वारा लेबर इंडिया पब्लिक स्कूल, कोट्टयम, केरला में संचालित राष्ट्रीय एथलेटिक समागम में कक्षा सात की कु० सपना गोड़ ने भाग लिया।

वसन्त कन्या महाविद्यालय

अन्तरिम सहयोगी गतिविधियाँ : ये सभी गतिविधियाँ छात्रों में नैतिकत मूल्य, समाजिक सहभागिता एवं नेटवर्किंग को समझने के अवसर प्रदान करने वाली अत्यन्त ही महत्वपूर्ण गतिविधियाँ हैं। पर्यावरण संरक्षण (एक व्याख्यान प्रदर्शन : पर्यावरण संरक्षण में वैज्ञानिक पहल, वक्ता डॉ० आर.एस. दूबे एमिटी यूनिवर्सिटी), सृजनता, स्वास्थ्य और भविष्य एवं व्यावसायिक विकल्पों के स्पष्ट तैयारी में विकास के रास्ते प्रशस्त करता है। बसन्त स्पिरीट प्रोग्रेशन कमेटी, उड़ान (वीकेएम का महिला अध्ययन प्रकोष्ठ) द्वारा वर्ष पर्यन्त कार्यक्रम सम्पन्न हुए, २ कार्यक्रम : ७.१२.२०१०, महिला साक्षरता वृद्धि हेतु प्रशिक्षण ०९.१२.२०१०, घरेलू हिंसा और महिला मुख्य

वक्ता : डॉ. कुमुदरंजन और सुश्री रंजना गौड़ सचिव, सार्क। पर्यावरण जागरूकता पर व्याख्यान, सर्जना एन.एस.एस. की ३ इकाई, एम.सी.सी., खेल, निर्देशन एवं परामर्श प्रकोष्ठ ने छात्रों के पवित्र व्यक्तित्व निर्माण में योगदान किया। वी.के.एम. ने एक मजबूत शैक्षणिक और सृजनात्मक सहभागिता के साथ स्पन्दन में तीसरे वर्ष के लिए भी दूसरा उपविजेता रही।

सर्जना– वी.के.एम.पी.जी कालेज की छात्राओं के लिए सृजनात्मक स्थल तैयार करने हेतु दिनांक ५ अक्टूबर २०१० से २७ अक्टूबर २०१० तक दूसरा वार्षिक समारोह सम्पन्न हुआ। १३० छात्राओं ने माग लिया। बी.ए.II ने सर्जना उपविजेता पदक जीता, स्मृति प्रियदर्शिनी। बी.ए.II ने सर्जना क्वीन पुरस्कार जीता, चाँदनी श्रीवास्तव बी.ए.II स्पिरीट ऑफ सर्जना बनी।

स्पन्दन- कुल २४ प्रतियोगितायें। वसन्त कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने १२ प्रतियोगिताओं भाग लिया। वेस्टर्न सोलो व समूह गान में प्रथम पुरस्कार, भारतीय समूह गान, आदिवासी नृत्य, कविता पाठ (अंग्रेजी), कार्टूनिंग, मेंहदी में द्वितीय पुरस्कार, मधुर एकल गायन, शास्त्रीय एकल नृत्य में तृतीय पुरस्कार निबंध लेखन (अंग्रेजी) में द्वितीय उपविजेता।

वाद-विवाद व प्रतियोगिता समिति- वर्ष पर्यन्त अन्तर्गृही प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, शीर्षक: इंडिया विल बी ए डेवलप्ड कन्ट्री २०२० बसन्त स्पिरीट प्रोग्रेशन कमेटी १ समूह बहस परिसंवाद आयोजन में महाविद्यालय दल दूसरे स्थान पर रहा।

कैरियर परामर्श पखवारा आयोजन- ३१ अगस्त २०१० वीकेएम के संयुक्त तत्वावधन में विश्वविद्यालय सूचना एवं परामर्श ब्यूरो, स्थान: महाविद्यालय परिसर, मुख्य वक्ता : प्रो. ए.के. श्रीवास्तव और प्रो. रीता कुमार (दोनों मनोविज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि. से), अन्य अतिथि वक्ता: श्री यशवन्त सिंह (व्यूरो), प्रो. पी.शुक्ला (शिक्षा संकाय, का.हि.वि.वि.) डॉ. पी.एस. राना (पर्यटन विभाग, का.हि.वि.वि.), २०१० लीडरशिप मोटीवेशन और इन्टरप्रिन्योरशिप बसन्त स्पिरीट प्रोग्रेसन और एनीबेसेन्ट जयंती- डॉ.एनी बेसेन्ट के जीवन पर पोष्टर प्रतियोगिता और समूह वार्ता। प्रो. चन्द्रकला पाडिया (राजनीति विज्ञान विभाग, का.हि.वि.वि.) ने वसन्त कन्या महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक युग-चेतना का लोकार्पण किया गया।

उड़ान- (महिला अध्ययन प्रकोष्ठ) घरेलू हिंसा पर जागरूकता, विधिक जागरूकता पर व्याख्यान और महिला साक्षरता पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

एनएसएस- एनएसएस की तीन इकाईयों ने यातायात सप्ताह, युवा सप्ताह, एड्स अवेयरनेस, स्वयं सेवक दिवस, सात दिवसीय कैम्प, एक दिवसीय कैम्प (दो बार), मलिन बस्तियों का सर्वेक्षण।

डी.ए.वी.पीजी कॉलेज

सहपाठ्यक्रम और पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

- नियोजन एवं परामर्श निदेशन : यूनिवर्सल सोम्पो इन्स्योरेन्स कारपोरेशन व रिलायन्स इंडिया इन्श्योरेन्स कारपोरेशन ने रोजगार के लिए १५ से अधिक छात्रों को चयनित किया।
- छात्रों के लिए व्यक्तिगत निदेशन व अभिक्षमता परीक्षा आयोजित किया गया।
- सहमति पत्रावली (एम०ओ०यू०) निम्न के साथ हस्ताक्षरित हुआ
  १. आर्य महिला पी जी कालेज, वाराणसी
  २. ज्ञान प्रवाह, वाराणसी
  ३. गंगा सेवा निधि, वाराणसी
  ४. यूनिवर्सल सोम्पो इन्श्योरेन्स कारपोरेशन लिमिटेड, मुम्बई
- सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन
  १. शिक्षक दिवस
  २. ''हारमोनी'' यूथ फेस्ट
  ३. का.हि.वि.वि. द्वारा आयोजित ''स्पंदन'' में भागीदारी और छः पुरस्कार जीते।
  ४. छात्र कवि सम्मेलन २४ जनवरी २०११ को
  ५. मुशायरा १८ जनवरी २०११ को
  ६. नुक्कड़ नाटक मंचन
  ७. वर्ष पर्यन्त कालेज के सदस्यों का जन्मदिन समारोह (नियमित)
- खेलकूद गतिविधियाँ: महाविद्यालय ने अनेक गतिविधियाँ महाविद्यालय स्तर पर आयोजित की। हमारी छात्रों में से अनेक विश्वविद्यालय टीम के सदस्य है।
  १. वाली बाल प्रतियोगिता
  २. फुटबाल
  ३. क्रिकेट
  ४. टेबल टेनिस
  ५. बैडमिंटन
  ६. खेल कूद समागम
- नवंबर २४,२०१० को पुरातन छात्र समागम पुरातन छात्र समागम के अवसर पर ''हिन्द स्वराज एवं आधुनिक राजनीतिक व्यवस्था'' विषयक एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रसिद्ध पत्रकार राम बहादुर राय रहे।
- एम एस एस : १२ इकाईयों का संचालन।
- एन सी सी : १० इकाईयों का संचालन।
- क्विज/निबंध/इलोक्यूशन/समूह चर्चा प्रतियोगिता-
  १. ''वैश्विकरण के संदर्भ में हिन्दी का वर्तमान एवं भविष्य'' पर १४ नवंबर, २०१० को एक इलेक्यूशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
  २. ''क्या विकास के नाम किसानों की भूमि लेना उचित है'' पर १५ सितंबर २०१० को एक बाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
  ३. ''मालवीय जी के शिक्षा आदर्श एवं आज की शिक्षा'' पर ११ मार्च २०११ को एक इलोक्यूशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

४. अगस्त २०१० में युवा अवस्था : प्रतिज्ञा एवं प्रयास का समय विषयक राष्ट्रीय स्तर का एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन राम चन्द्र मिशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

- महाविद्यालय पत्रिका प्रभा का प्रकाशन।
- छात्रों द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रकाशन।
- दीवाल पत्रिका ईको- वीकली का प्रकाशन।
- प्रा.भा.इ.सं.एवं पुरातत्व विभाग के छात्रों द्वारा दिनांक १८ सितम्बर २०१० को वाराणसी के कन्दवा स्थित कर्मदेश्वर मंदिर का ऐतिहासिक भ्रमण आयोजित किया गया।
- प्रा.भा.इ.सं.एवं पुरातत्व विभाग के छात्रों द्वारा २३ सितम्बर २०१० को ''काशी का इतिहास'' पर प्रस्तुति आयोजित की गयी।
- चाइल्ड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित ''प्रेम चन्द्र की अद्बी खिदमत'' शीर्षक पर राष्ट्री संगोष्ठी का डीएवी पीजी द्वारा आतिथ्य किया गया।
- ''एन ए ए सी'' उच्चस्तरीय दल के समक्ष अंग्रेजी विभाग के छात्रों द्वारा एक नाटक का मंचन किया गया।
- अंग्रेजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों को चर्च की कार्यवाही से परिचित कराने के लिए चर्च का भ्रमण किया गया।
- राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता में चार स्नातकोत्तर छात्रों ने भागीदारी की।

आर्य महिला डिग्री कालेज, चेतगंज

सह पाठ्यक्रम और पाठ्येत्तर गतिविधियाँ

शैक्षणिक सत्र २०१०-११ का स्वागत बी.ए., बी.काम. व बी.एड्. की उभरते कलाकारों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम ''वर्ष मंगलम्'' के माध्यम से अपनी बौद्विकता का प्रदर्शन किया गया। 'शिक्षण दिवस के अवसर पर बी.ए., बी.काम्, बी.एड्. व एम.ए. की छात्राओं द्वारा स्वनिर्मित कविताओं और भाषणों के माध्यम से अपनी भावनाओं और सम्मान का प्रदर्शन किया। प्राचार्या, शिक्षिकाएं और छात्राओं ने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। राष्ट्रीय आयोजन जैसे स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस आयोजनों को पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इसके अतिरिक्त जन्माष्टमी और सरस्वती पूजा भी पूरे जोश के साथ आयोजित किया गया। एम.ए., बी.ए., बी.काम् और बी.एड्. की छात्राओं ने १४ दिसम्बर २०१० को आयोजित महाविद्यालय दिवस पर पहियों पर नृत्य (स्केटिंग), समूह नृत्य और समूह गान का प्रदर्शन और संस्कृत और अग्रेंजी में भाषण आदि का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि माननीय न्यायधीश गिरधर मालवीयजी थे। प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं/संगोष्ठियों आदि में छात्रों ने भागीदारी की। 'स्पन्दन ' २०११ में छात्राओं ने भाग लिया एवं अनेक पुरस्कार प्राप्त किये।

सत्र २०१०-११ का विवरण

कार्यक्रम	दिनांक	संगठन
रविन्द्र परिक्रमा पर संगोष्ठी	२१-२२.२. २०१०	ए.एम.पी.जी कालेज वाराणसी
श्री अरविन्दो और जीवन पर संगोष्ठी	२८.०२.२०१०	अग्रसेन पी.जी. कालेज वाराणसी
प्रेमचन्द्र जयन्ती	२५.०७.२०१०	ए.एम.पी.जी कालेज वाराणसी
तुलसी जयंती	२८.०८.२०१०	ए.एम.पी.जी कालेज वाराणसी
वाद विवाद प्रतियोगिता	११.०९.२०१०	शारदा भवन, अगस्त कुण्डा वाराणसी
रेड रिबन एक्सप्रेस	१९.०९.२०१०	कैन्ट, वाराणसी
हिन्दी दिवस शिवताण्डव	२०.०९.२०१०	कैन्ट, वाराणसी
सावित्री महाकाव्य पर व्याख्यान और भजन	१३.१२.२०१०	ए.एम.पी.जी. कालेज,
मानस अन्ताक्षरी	२९.१२.२०१०	ज्ञान प्रवाह, वाराणसी
श्लोक अन्ताक्षरी सामान्य ज्ञान	१२, १७.०२.२०१० १९.०२.२०१०	का.हि.वि.वि., वाराणसी का.हि.वि.वि., वाराणसी
सुकृति-२०११ छात्र परिषद पत्रिका	२६.०३.२०१०	ए.एम.पी.जी. कालेज वाराणसी
बसन्त उत्सव	२६.०३.२०१०	का.हि.वि.वि., वाराणसी
राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दर्शन शास्त्र की प्रासंगिकता	२५.११.२०१०	ए.एम.पी.जी. कालेज, वाराणसी
बौद्ध मत प्रासंगिक नहीं है पर वाद विवाद प्रतियोगिता	११.१२.२०१०	ए.एम्.पी.जी. कालेज, वाराणसी
गुरू रवीन्द्र स्मृति काव्य प्रतियोगिता	२०.१२.२०१०	ए.एम.पी.जी. कालेज, वाराणसी
अन्तर्विद्यालयी वाद विवाद प्रतियोगिता	०९.०१.२०१०	लायन्स क्लब, तुलसी एलायन्स क्लब व ए.एम.पी.जी. कालेज
भारत में महिला आरक्षण की स्थिति पर वाद विवाद प्रतियोगिता	२७.१२.२०१०	ए.एम.पी.जी. कालेज, वाराणसी
अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता	२३.१०.२०१०	जे सी आई. काशी अंग्रेजी व राजनीति वि.
बैंकों का निजीकरण और वैश्विकरण पर वाद विवाद प्रतियोगिता	२२.०९.२०१०	ए.एम.पी.जी. कालेज, वाराणसी
एम एन सी की बढ़ती भूमिका	२२.०९.२०१०	ए.एम.पी.जी. कालेज, वाराणसी
एडवर्टाइजिंग मीडिया	२२.०९.२०१०	ए.एम.पी.जी. कालेज, वाराणसी

वसन्ता कालेज फार वूमेन, राजघाट

सांस्कृतिक एवं सहपाठ्यक्रम गतिविधियाँ

महाविद्यालय वर्ष पर्यन्त शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन करता रहा। बी.एड्. विभाग की छात्राओं ने शिक्षकों के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शन करने के लिए ५ सिंतम्बर २०१० को शिक्षक दिवस का आयोजन किया। माह नवंबर २०१० में एकेडेमी आफ तेन्कू थिट्टू यक्षगान (ए टी टी वाई), नई दिल्ली और यक्ष मंजूषा, मैगंलोर ने महाविद्यालय में यक्षगान प्रस्तुत किया। छात्राओं ने वाद विवाद, वक्तृता, निबंध, प्रश्नोत्तरी, मंचन, संगीत और कला में भागीदारी की और पुरस्कार जीतकर अपनी प्रसंशनीय बौधिकता का प्रदर्शन किया। छात्राओं ने दिनांक १० नवंबर २०१० को एस एम एस, वाराणसी द्वारा आयोजित ''आधार शिला - २०१०'' में भागीदारी की जिनमें से एक ने पुरस्कार भी जीता। रोटरी क्लब भेलूपुरा वाराणसी द्वारा १० अक्टूबर २०१० को सम्पन्न अन्तर्विद्यालयी वाद विवाद प्रतियोगिता में भी भागीदारी की । वार्षिक शैक्षणिक भ्रमण के लिए छात्रों के समूह ने २६ अक्टूबर २०१० को भारत कला भवन संग्रहालय का.हि.वि.वि. में भ्रमण किया। ज्ञान प्रवाह, वाराणसी द्वारा आयोजित भारतीय विरासत पर प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में भाग लिया। महाविद्यालय की १० छात्राओं के एक समूह ने सिविल सोसाइटी, नई दिल्ली द्वारा नवंबर २०१० मे जयपुर में आयोजित ''मैं समाज और जननीति संगोष्ठी'' में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

दो छात्राओं ने थियोसाफिकल सोसाइटी, कमच्छा, वाराणसी द्वारा आयोजित एनी बेसेन्ट पर वार्ता में भाग लिया। यहाँ की छात्राओं ने रेड क्रास सोसाइटी द्वारा प्रस्तावित और मंत्रालय, भारत सरकार व राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एन ए सी ओ) के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक ०१ सितम्बर २०१० को एचआईवी/एड्स पर प्रदर्शनी में भाग लिया। रामचन्द्र मिशन वाराणसी शाखा में रामचन्द्र मिशन, चेन्नई के साथ संयुक्त रूप से ''अखिल भारतीय निबन्ध लेखन कार्यक्रम २०१०'' का आयोजन किया जिसमें बी.एड्. की चंचल कुमारी ने योग्यता पुरस्कार प्रमाण पत्र प्राप्त किया। बेस्ट इन्ट्रीज़ के रूप में छः अन्य छात्राओं का निबन्ध द्वारा ४६वाँ ए.डी. सर्राफ स्मृति प्रतियोगिता और ५४वाँ अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन अक्टूबर २०११ में महाविद्यालय की छात्राओं के लिए आयोजित किया गया। महाविद्यालय की १० छात्राओं के एक समूह ने १२-१४ जनवरी २०११ के अवधि में पूना में प्रथम भारतीय छात्र लोकसभा में भाग लिया। यह कार्यक्रम एमआईटी स्कूल आफ गवर्नमेंट और उच्च शिक्षा व प्रौद्योगिकी मंत्रालय और महाराष्ट्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। उन छात्राओं को सुश्री किरन बेदी के साथ विचार-विमर्श का अनुभव भी हुआ। पूर्व वर्षों की भॉति इस वर्ष भी वसन्ता कालेज फॉर वूमेन ने अन्तर्संकायी युवा महोत्सव स्पंदन २०१० में भी सक्रिय भागीदारी की। छात्राओं ने सभी ३० अवसरों पर भाग लिया और कुल सात पुरस्कार जीते। किरन सेन्टर फॉर एजुकेशन, ट्रेनिंग एण्ड रीहैबिलिटेशन ऑफ चिल्ड्रेन विथ एबिलीटी, एक गैर सरकारी संगठन ने सितम्बर माह में फिज़िकली चैलेंज्ड बालकों की बौद्धिकता और क्षमता की तरफ ध्यान आकर्षित करने हेतु महाविद्यालय का भ्रमण किया। सितम्बर २५, २०१० को एक गैर सरकारी संगठन राजविद्या केन्द्र, नई दिल्ली द्वारा ''पीस इज़ पॉसिबल'' पर एक वीडियों महाविद्यालय सदस्यों के समक्ष प्रदर्शित किया गया।

वार्षिक मंचन

दिनांक १३ फरवरी २०११ को डॉ. इरावती (प्रा०भा०इ०सं० एवं पुरातत्व) के सुयोग्य निर्देशन में श्री फणीश्वर नाथ रेणु द्वारा लिखित रासप्रिया कहानी का महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा कुशलता पूर्वक मंचन किया गया। उन्होंने तेजी से बढ़ रहे आधुनिक समाज में मैथिली संस्कृति पर नाट्य मंचन कर अलग हो रहे आदिवासी सांस्कृतिक परम्परा और मानव भावनावों की तरफ हम सभी का ध्यान आकर्षित किया।

वार्षिक खेलकूद दिवस

महाविद्यालय द्वारा वर्षपर्यन्त विभिन्न खेलकूद गतिविधियों जैसे एथलेटिक्स, डिस्कस थ्रो, बैडमिन्टन, वालीबाल, जेवलिन थ्रो शार्टपुट, लाँग जम्प और हाई जम्प का आयोजन किया जाता रहा। फरवरी २२,२०११ को बड़े ही उत्साह व भव्यता के साथ वार्षिक खेलकूद दिवस सम्पन्न हुआ।

१०. नवीन अध्यादेश/संशोधन

१. बी.एच.यू. कोर्ट से सम्बन्धित संविधि में संशोधन - बीएचयू कॅलेन्डर भाग-१ खण्ड I, १९८३ के पृष्ठ ३१ पर मुद्रित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कोर्ट से सम्बन्धित संविधि १० और ई. सी. आर. सं. ३३ दिनांकित जुलाई १९-२०, २००२ को संशोधित किये गये जो निम्नवत् पढ़े जायेंगे:

१०(१) कोर्ट निम्नलिखित सदस्यों से निर्मित होगा, उनके नाम हैं:

(अ) कुलाधिपति, पदेन

(ब) कार्यकारिणी परिषद् के सदस्य, पदेन

(स) विज़िटर द्वारा नामित, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्षों (हेड्स ऑफ डिपार्टमेंट्स ऑफ स्टडीज़) या महाविद्यालयों के प्राचार्यों पद के तीन व्यक्ति।

(द) विज़िटर द्वारा नामित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के डिपार्टमेंन्ट्स ऑफ स्टडीज़ या महाविद्यालयों से दो आचार्य।

(य) विज़िटर द्वारा नामित, आचार्यों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय के शिक्षकों में से दो व्यक्ति।

(र) लोक सभा के तीन प्रतिनिधि जिनमें से लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा वर्तमान सदस्यों में दो सदस्यों को नामित किया जायेगा और राज्य सभा सभापति द्वारा वहाँ के वर्तमान सदस्यों में से एक सदस्य को नामित किया जायेगा बशर्ते, वह लोकसभा सदस्य का मंत्री या अध्यक्ष/उपाध्यक्ष या उप-सभापति राज्यसभा बन जाय, उसका/उसकी स्टेट्यूटरी बॉडी के लिए नामांकन/चयन को स्वत: ही समाप्त मान लिया जायेगा, और

(ल) विज़िटर द्वारा तीस व्यक्तियों ऐसे व्यक्तियों को नामित किया जायेगा, जो लोक जीवन में खड़े होते हों या शिक्षा में विशेष ज्ञान अथवा व्यावहारिक अनुभव रखते हों या शिक्षा जगत के लिए विशिष्ट सेवायें प्रदान किये हों।

(२) कोर्ट के सत्रह सदस्य गणपूर्ति से होंगे।

(३) पदेन सदस्यों के अतिरिक्त, कोर्ट के सभी सदस्य तीन वर्षों की अवधि के लिए पद पर बने रहेंगे।

(४) विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रत्येक वर्ष के नवम्बर माह के मध्य तक कोर्ट के वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया जायेगा।

(२) एकमात्र संकाय व विभाग रखने वाले पर्यावरण एवं संपोष्य संस्थान के सृजन पर अनुवर्ती संविधि मे संशोधन

एक संकाय और विभाग वाले पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान के सृजन पर अनुवर्ती संविधि ३.अ (१),२२,२३(१), २५(अ), २७, ६०(अ) और संलग्नक (काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विभागों की सूची) के अनुसार संशोधित किया गया जिसे निम्न विवरणानुसार पढ़ा जायेगा :

३.अ **निदेशक**

(१) प्रौद्योगिकी संस्थान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान और पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान हेतु प्रत्येक के लिए एक निदेशक होगा जो विश्वविद्यालय का अधिकारी होगा।

(२) कुलपति द्वारा संस्थान के आचार्यों में से नाम की सिफारिश पर कार्यकारिणी परिषद् द्वारा निदेशक की नियुक्ति की जायेगी।

(३) निदेशक के अधिकार, कर्त्तव्यभार और सेवा शर्तें अधिनियम द्वारा विहित के अनुसार होगी।

२२. **संकाय**

विश्वविद्यालय में निम्नलिखित संकाय सम्मिलित होगें,

१. संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय

२. कला

३. विज्ञान

४. विधि

५. अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिक

६. चिकित्सा

७. आयुर्वेद

८. कृषि

९. शिक्षा

१०. दृश्य कला

११. मंच कला

१२. वाणिज्य

१३. प्रबंध अध्ययन

१४. सामाजिक विज्ञान

१५. दन्त चिकित्सा विज्ञान

१६. पर्यावरण एवं संपोष्य विकास

२३. **संकायों का गठन**

(१) प्रत्येक संकाय का गठन निम्न सदस्यों से होगा, उनके नाम हैं

(१.) संकाय के प्रमुख सभापति होंगें,

(२.) संबंधित संकाय में प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक,

(३.) सबंधित संकाय में चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक

(४.) सबंधित संकाय में कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक

(५.) सबंधित संकाय में पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान के निदेशक

(६.) संकाय में अध्ययन विभागों के अध्यक्ष

(७.) संकाय के समस्त आचार्य

(८.) संबंधित संकाय में प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रशिक्षण एवं संस्थापन अधिकारी

(९.) संकाय में प्रत्येक विभाग से वरिष्ठताक्रम के चक्रानुक्रम के आधार पर एक उपाचार्य और एक सहायक आचार्य

(१०.) महिला महाविद्यालय से वरिष्ठताक्रम में चक्रानुक्रम द्वारा एक अध्यापक बशर्त, महाविद्यालय किसी भी विषय के शिक्षक को निर्देशित करे।

और आगे भी कि वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में समनुदेशित विषयों के शिक्षकों में से होंगें।

परन्तु, जहाँ महिला महाविद्यालय वाणिज्य में चक्रानुक्रम के अनुसार एक शिक्षक निर्देशित नहीं किया जा सकता, तो वहाँ प्रत्येक सम्बद्ध महाविद्यालय (केवल वाणिज्य संकाय में) के वाणिज्य के शिक्षकों में से वरिष्ठताक्रम के अनुसार होगा।

१०.१. शिक्षा परिषद् द्वारा नामित विश्वविद्यालय से नहीं जुड़े होने वाले व्यक्ति जो विषय या सम्बन्धित विषय का विशेष ज्ञान रखने हों, संकाय के प्रत्येक विभाग के लिए एक, परन्तु विधि, शिक्षा, वाणिज्य और प्रबंध अध्ययन संकायों में प्रत्येक के लिए इस उप-खंड के अन्तर्गत नामित किये जाने वाले सदस्यों की संख्या दो होगी।

(२.) खंड १ का उपखंड (८.), (९.) और (१०) के अन्तर्गत सदस्य का पद तीन वर्षों के लिए होगा।

२५ (अ) **संस्थान**

(१) कोई परिवर्तन नहीं

(२) कोई परिवर्तन नहीं

(३) कोई परिवर्तन नहीं

(४) पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, जिसमें निम्न विवरणानुसार उपखंडों के साथ पर्यावरण एवं संपोष्य विकास विभाग से गठित पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संकाय स्थापित किया गया:

(क) पर्यावरण विज्ञान

(ख) जैव संसाधन प्रबंधन

(ग) ऊर्जा संसाधन प्रबंधन

(घ) जल संसाधन प्रबंधन

(ड़) सामाजिक-आर्थिक व विधिक डाइमेंशन

(३) संविधि के अन्तर्गत स्थापित प्रौद्योगिकी संस्थान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान और पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान, प्रत्येक में एक निदेशक इसके प्रमुख के रूप में होंगे।

२७. **चयन समिति**

तालिका

प्रोद्योगिकी संस्थान, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, कृषि विज्ञान संस्थान और पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान में आचार्य, उपाचार्य और सहायक आचार्य तथा अन्य शिक्षक पद।	संबंधित संस्थानों के निदेशक भी संबंधित पदों के लिए उपरोक्त गठित चयन समिति के सदस्य होंगे।

६० विश्वविद्यालय के छात्रों में अनुशासन का अनुरक्षण

(१) कोई परिवर्तन नहीं

(२) कोई परिवर्तन नहीं

(३) कोई परिवर्तन नहीं

(४) प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के निदेशक, कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक, पर्यावरण एवं संपोष्य विकास संस्थान के निदेशक, महाविद्यालयों के प्राचार्यगण, विशेष केन्द्रों के अध्यक्ष, संकायों के प्रमुख और शिक्षण विभागों के अध्यक्ष को विश्वविद्यालय में जो संस्थानों विशेष केन्द्रो और सम्बन्धित विभागों का उचित तरीके से संचालन के लिए आवश्यक हो उनसे सम्बन्धित महाविद्यालयों, विशेष केन्द्रों, संस्थानों संकायों और शिक्षण विभागों में छात्रों पर अनुशासनिक शक्ति का प्रयोग करने का अधिकार होगा ।

(५) कोई परिवर्तन नहीं

(६) कोई परिवर्तन नहीं

संलग्नक (संविधि २५ (१) देखें)

प्रबंन्ध अध्ययन संकाय

पर्यावरण एवं संपोष्य विकास विभाग

३. संस्थान के निदेशकों के लिए अल्पकालिक अवकाश व्यवस्था में सर्कुलर सं० आर/जीएडी/४५३४ दिनांकित १९/२० नवम्बर १९८६ और उत्तरवर्ती सर्कुलर सं० आर/जीएडी/अमेण्ड/शार्ट टर्म अवकाश/ ५३८२८/५३९७० दिनांकित ४/५ मार्च २०१०, के

द्वारा संशोधित, कार्यकारिणी परिषद् ने ई.सी.आर. नं. १६९ दिनांकित जून २३, २०१० के द्वारा संदर्भित प्रावधान को अब संशोधित कर लिया जिसे निम्न प्रकार पढ़ा जायेगा

संस्थानों के निदेशक

''जब कभी भी किसी संस्थान का निदेशक अवकाश पर हो अथवा कार्यालयी/गैर कार्यालयी कार्य से स्टेशन से दूर हो, संकाय प्रमुख या संकाय प्रमुख का प्रभार ग्रहण करने वाला संस्थान का व्यक्ति नियमित पदधारी के वापस आने तक कर्तव्यभार का प्रभार रखेगा और चिकित्सा विज्ञान संस्थान के मामले में आयुर्वेद विज्ञान संकाय प्रमुख अथवा आयुर्वेद विज्ञान संकाय प्रमुख का प्रभार ग्रहण करने वाला व्यक्ति निदेशक का वर्तमान कर्तव्यभार का निर्वहन करेगा।

४. अध्ययन समिति के संविधान के सन्दर्भ में अध्यादेश में निम्नलिखित को शमिल करते हुए संशोधित किया गया

२ (अ) किसी भी विभाग/स्कूल में स्वंतत्र रूप से संचालन हेतु प्रस्तावित ऐसे सभी पाठ्यक्रमों के लिए संबधित संकाय प्रमुख की संस्तुति पर कुलपति द्वारा विषय के लिए एक तदर्थ अध्ययन समिति का गठन करेंगे।

उपरोक्त वणिर्त तदर्थ अध्ययन समिति निम्नलिखित से निर्मित होगा-

(१.) विश्वविद्यालय से बाहर के दो बाह्य सदस्य

(२.) केन्द्रों के मामले में संबंधित केन्द्र के सब्स्टेंशियल पद वाले के सभी शिक्षक सदस्य

(३.) विश्वविद्यालय के प्राकृतिक अनुरक्ति (natural affinity) विभागों/केन्द्रों/स्कूलों से पाँच आन्तरिक सदस्य

(४.) उपरोक्त वर्णित तदर्थ अध्ययन समिति इसके संयोजन हेतु केन्द्र/पाठ्यक्रम के समन्वयक के साथ सम्बन्धित संकाय के संकाय प्रमुख द्वारा अध्यक्षता की जायेगी। तदनुसार अध्ययन समिति या संविधान से संबंधित अध्यादेश २ अनुमोदित किया गया जिसे नीचे दिये अनुसार पढ़ा जाये:

अध्ययन समिति अध्यादेश

१. शैक्षणिक परिषद् समय-समय पर विषय का निर्धारण करेगी जिसके लिए प्रत्येक संकाय में अध्ययन समिति का गठन किया गया है।

२. प्रत्येक संकाय अपनी प्रथम बैठक में नीचे दिये गये तरीके के अनुसार संबंधित संकाय के लिए निर्दिष्ट विषय के लिए अध्ययन समिति का गठन करेगा।

(अ) विश्वविद्यालय से बाहर के दो विशेषज्ञ सदस्य

(ब) संबंधित विभाग के सब्स्टेंशियल पद रखने वाले सभी शिक्षक सदस्य

३. अध्ययन सामिति विभिन्न पाठ्यक्रमों में अनुमत निर्देश सम्बन्धी पाठ्य विवरणों से सम्बन्धित मामलों पर सम्बन्धित संकाय को परामर्श देगी।

वशर्ते कि सम्बन्धित अध्ययन समिति द्वारा अध्ययन के पाठ्यक्रम में अल्प परिवर्तन किया गया हो, इन परिवर्तन को तत्काल या सम्बन्धित संकाय को सूचित किया जाय।

४.(अ) अध्ययन समिति के सदस्य दो वर्षों के लिए पद पर रहेगें। बशर्ते अध्यादेश २ के अन्तर्गत नियुक्त विश्वविद्यालय का शिक्षक को पदभार से रोका जायेगा, जबकि उसे एक शिक्षक के रूप में प्रतिबंधित किया गया हो।

(ब) अध्ययन समिति में किसी भी सदस्य रिक्त स्थान पर शेष अवधि के लिए।

(स) अध्ययन समिति में सम्बन्धित संकाय के किसी रिक्त स्थान पर सदस्य के शेष अवधि के लिए यथाशीघ्र भरी जायेगी।

५. प्रत्येक समिति अपने दायित्वों का निर्वहन बैठक द्वारा या पत्राचार द्वारा अथवा दोनों द्वारा जैसा भी सुविधाजनक हो, करने में सक्षम होगी।

६. प्रत्येक समिति के संयोजक की नियुक्ति संबंधित संकाय के सदस्यों में से की जायेगी। वह समिति की बैठकों की अध्यक्षता करेगा। संयोजक की अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्य बैठक के लिए अध्यक्ष का चुनाव करेंगे।

७. संकाय शिक्षण परिषद् द्वारा दो या अधिक समिति की बैठक सम्बन्धित समिति को प्रभावित करने वाले किसी भी समस्या पर विचार के लिए एक साथ बैठक आहूत की जा सकेगी। ऐसे मामले में सयुक्त बैठक अपने अध्यक्ष को चुनेगी।

८. अध्ययन समिति किसी भी परीक्षा के लिए पाठ्यविवरण में बड़े बदलाव के लिए संस्तुतियों का अवलोकन करेगी जो इसके पहली बार लागू होने की तिथि से तीन वर्षों की अवधि के लिए नहीं होगी।

९. अध्ययन समिति कुल सचिव द्वारा जारी कार्य सूची में संदर्भित मामलों पर अपनी विशेषज्ञ राय प्रदान करेगी। कार्य सूची में विशेष रूप से उल्लेखित बिन्दुओं के अतिरिक्त किसी भी अन्य बिन्दु जिस पर संयोजक द्वारा शामिल करने हेतु कुलपति से पूर्व अनुमति नहीं ली गयी हो, पर विचार नहीं किया जायेगा।

१०. अध्ययन समिति निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में परिवर्तनों को देखेगी जो लम्बे अन्तराल के बाद की जायेगी। पिछली बैठक के बाद से जारी सभी नये प्रकाशनों में केवल संदर्भ पुस्तकों के शमिल करने पर विचार होगी। निर्धारित पाठ्य पुस्तकों का परिशोधन, कम से कम तीन वर्षों के बाद या पाठ्यक्रम की पूर्ण अवधि, जो भी बाद में हो की जायेगी।

५. विश्वविद्यालय के अध्यादेश १.१४ में संशोधन :

१.१४. गैर-शिक्षण कर्मचारी

विश्वविद्यालय का कोई भी गैर-शिक्षण कर्मचारी विश्वविद्यालय की सेवा से अपनी ६० वर्ष की आयु पूर्ण करने के महीने की अन्तिम तिथि को सेवानिवृति प्राप्त करेगा।

कुल सचिव, परीक्षा नियंता, वित्त अधिकारी, पुस्तालयाध्यक्ष, चिकित्सा अधीक्षक, सर सुन्दर लाल चिकित्सालय और निदेशक, भारत कला भवन, प्रशिक्षण व संस्थापन अधिकारी, कार्यशाला अधीक्षक, उप-पुस्तकालयाध्यक्ष/ सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष और उपनिदेशक/ सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय की सेवा से बासठ वर्ष की आयु पूर्ण करने के माह की अन्तिम तिथि को सेवानिवृत्ति प्राप्त करेंगे।

१.१४ (अ) विश्वविद्यालय का शिक्षक विश्वविद्यालय की सेवा से पैसठ वर्ष की आयु पूर्ण करने के माह की अन्तिम तिथि पर सेवानिवृत्त प्राप्त करेगा।

परन्तु जो शिक्षक शैक्षणिक सत्र की अवधि में किसी समय अधिवर्षिता प्राप्त कर रहे हों, को उनकी अधिवर्षिता की तिथि से आगामी ३० जून को सत्रान्त तक पुर्नियुक्त किये जायेंगे।

१.१४ (ब) उपयुक्त खण्ड (अ) के प्रावधानों के होते हुए भी, कार्यकारिणी परिषद् इन अध्यादेशों के आलोक में एक अधिवर्षिता प्राप्त आचार्य को जिस अवधि के लिए वह उपयुक्त समझता है, पुनर्नियुक्त कर सकता है, परन्तु यह नियुक्ति एक बार में तीन वर्षो से अधिक की नहीं होगी। ऐसे पुनर्नियुक्ति के बाद की अवधि कुलपति द्वारा अध्यादेशों के प्रावधानों के अनुसार विस्तारित किया जायेगा, परन्तु ऐसे आगामी अवधि के लिए जैसा कुलपति निर्णय लें, ७० वर्ष की आयु से आगे नहीं बढ़ायी जायेगी।

अन्य प्रावधानों के लिए, ई.सी.आर. सं० ४८ दिनांकित २१.०२.२००९ के टर्म में, जो पत्र संख्या आर/ जीएडी/ एमेन्ड. आर्डिनेन्स (१.१४) १८७९६-७९९, दिनांक ३०/ ३१.०७.२००९ के द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली को संप्रेषित, यूजीसी नमूना मार्गदर्शिका पत्र सं० एफ, ३१/९४ (पी एस) पी.टी. फाइल, दिनांक १५ फरवरी २००८ को अंगीकार किया गया है।

६. कार्यकारिणी परिषद् द्वारा ई.सी.आर. सं० ९८ दिनांक ०६.१०.२००९ के माध्यम से पारित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कार्यकारिणी परिषद् के अधिकारों से सम्बन्धित संविधि १५ में संशोधन:

कार्यकारिणी परिषद् की शक्तियों से संबंधित वर्तमान सांविधिक प्रावधानों में निम्नलिखित को सम्मिलित करने हेतु संदर्भित किया गया:

१५ (xix) विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन की समय सीमा में तैयारी और उसे कोर्ट की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करना।

तदनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कार्यकारिणी परिषद् के अधिकारों सम्बन्धित संविधि १५ और कोर्ट की वार्षिक बैठक में उसे प्रस्तुत करना।

तदनुसार काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कार्यकारिणी परिषद् के अधिकारों से संबंधित संविधि १५ जो बी.एच.यू. कैलेंडर भाग १, खण्ड १, १९८३ के पृष्ठ ३२, ३३ व ३४ पर मुद्रित कर संशोधन किया गया, जिसे इस प्रकार पढ़ा जाये:

१५. एक्ट के प्रावधानों के शर्तों के अनुसार ये संविधि और अध्यादेशों के कार्यकारिणी परिषद् के पास किसी अन्य प्रदत्त अधिकारों के साथ निम्नलिखित अधिकार भी होगे:

(क) आवश्यकतानुसार आचार्यों, उपाचार्यों, सहायक आचार्यों और शिक्षण स्टाफ के अन्य सदस्यों की समय से नियुक्ति, इस कार्य हेतु गठित चयन समिति की सिफारिश पर करना और उनमें अस्थायी रिक्तयों को भरने के लिए प्रदान करना।

परन्तु उच्च शैक्षणिक उत्कृष्टता, विशिष्टता और प्रोफेशनल एचिवमेंट वाले व्यक्ति के मामले में स्पेशल चेयर ऑफ प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के लिए चयन समिति गठित करने की आवश्यकता नहीं होगी और इस कार्य हेतु कार्यकारिणी परिषद् द्वारा गठित विशेष समिति की सिफारिश के आधार पर कार्यकारिणी परिषद् द्वारा चेयर स्वीकार करने हेतु आमंत्रण के सन्दर्भ में उन शर्तों के अधीन जिसे वह उचित समझती है तथा वह व्यक्ति वैसा करने हेतु सहमत है, को पद पर नियुक्त करेगी।

(ख) आचार्य, उपाचार्य, सहायक आचार्य और शिक्षण स्टाफ के अन्य सदस्यों की सेवा शर्तों और उत्तरदायित्वों तथा मानदेय निर्धारित करेगी।

बशर्ते, कार्यकारिणी परिषद् द्वारा शिक्षण की संख्या, योग्यता और मानदेय के सन्दर्भ में कोई कार्यवाही न की गयी हो, अन्यथा शैक्षणिक परिषद् की सिफारिश के उपरान्त विचार किया जायेगा।

(ग) कुलसचिव, छात्र अधिष्ठाता, मुख्य आरक्षाधिकारी, पुस्तकालयाध्यक्ष और विश्वविद्यालय के अन्य वेतनभोगी अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति करना और उनका मानदेय निर्धारित करना व उनकी सेवाशर्तों और कार्यों को परिभाषित करना।

(घ) विश्वविद्यालय के नियमित वित्तों, लेखा, इन्वेस्टमेंट्स, सम्पत्ति, व्यापार और अन्य प्रशासनिक मामलों का प्रबंधन करना और इस कार्य हेतु जिसे योग्य समझें, एजेंट को नियुक्त करना।

(ड़) विश्वविद्यालय से संबंधित किसी भी धनराशि, किसी अनएप्लाइड आय सहित, ऐसे स्टाफ, फंड, शेयर या सिक्यूरिटीज़ में निवेश करना, जैसा कि यह समय-समय पर, उचित समझे या समय-समय से ऐसे विभिन्न निवेशों के साथ भारत में स्थायी संपत्ति क्रय करने में व्यय करना।

(च) (१) विश्वविद्यालय की तरफ से विश्वविद्यालय के लिए किसी ट्रस्ट, बीक्वेस्ट, दान या किसी स्थायी अथवा अस्थायी सम्पत्ति को स्वीकार करना।

(२) विश्वविद्यालय की तरफ से किसी अस्थायी अथवा स्थायी सम्पत्ति का हस्तान्तरण करना।

(छ) विश्वविद्यालय को संचालित करने के लिए आवश्यक भवन, स्थान, फर्नीचर, उपकरण और अन्य सामग्री को प्रदान करना।

(ज) विश्वविद्यालय की तरफ से संविदाओं में हस्तक्षेप, संशोधन संवहन और निरस्त करना।

(झ) और यदि उचित समझें तो विश्वविद्यालय के वेतनभोगी अधिकारियों, शिक्षक स्टाफ और अन्य कर्मचारियों, जो किसी भी कारणवश कष्ट महसूस करते है, उनको सुनना, उस पर निर्णय देना और समाधान करना, परन्तु अनुशासन और दण्ड के मामलों में, जहाँ अन्तिम अधिकार विश्वविद्यालय कुलपति या किसी अन्य अधिकारी में निहित है, कार्यकारिणी परिषद् में कोई भी अपील नहीं होगी।

(ञ) शैक्षणिक परिषद् की सिफारिश पर विचारोपरान्त परीक्षकों और परिमार्जकों की नियुक्ति और यदि आवश्यक हो तो, उन्हें हटाने, और उनकी शुल्क, देय धनराशि और यात्रा व अन्य मद का निर्धारण करना।

(ट) विश्वविद्यालय के पंजीकृत स्नातकों और पंजीकृत दानदाताओं के रजिस्टर का अनुरक्षण करना।

(ठ) विश्वविद्यालय के लिए सामान्य मुहर का चयन करना और मुहर के उपयोग और परिरक्षा प्रदान करना।

(ड) विश्वविद्यालय द्वारा विभागों अनुसंधान संस्थानों या विशेषज्ञता अध्ययनों, विशेष केन्द्रों, प्रयोगशालाओं, संग्रहालयों और छात्रावासों का प्रबंधन करना।

(ढ) महाविद्यालयों, विभागों, संस्थानों विशेष केन्द्रों और छात्रावासों के निरीक्षण का निर्देशन और व्यवस्था करना और उनके स्टाफ के सदस्यों के लिए रोजगार के उचित शर्तों की सुनिश्चितता और क्षमता के अनुरक्षण के लिए निर्देश जारी करना।

(ण) विश्वविद्यालय के शिक्षकों के कार्य का सावधिक आकलन के लिए समय-समय पर व्यवस्था करना।

(त) संस्थान की अध्येतावृत्ति जिसमें यात्रा अध्येतावृत्तियों, छात्रवृत्तियों, स्टूडेन्टशिप्स, पदक और पुरस्कारों वाले अध्येतावृत्ति स्थापित करना।

(थ) अध्यादेश के आलोक में परीक्षाओं के संचालन एवं उनके परिणामों के प्रकाशनों का निर्देशन करना।

(द) कुलपति, रेक्टर, कुलसचिव विभागों और संस्थानों के अध्यक्षों और विश्वविद्यालय के अधिकारियों अथवा इसके द्वारा उचित समझने पर नियुक्त समिति को इनमें से कोई भी अधिकार प्रदान करना।

(ध) विश्वविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन का समय से तैयारी और इसे कोर्ट की वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करना।

७. इमेरिटस प्रोफेसरों के पद पर नियुक्ति का संचालन अध्यादेश १२ में संशोधन :

कार्यकारिणी परिषद् ने अपने संकल्प सं० २७ दिनांकित मार्च २,२००६ के माध्यम से अध्यादेश १२ संशोधित किया जो इमेरिटस प्रोफेसरों के पद प्रदान के संचालन से सम्बन्धित है जो विश्वविद्यालय से अवकाश प्राप्त करने वाले अपने विषय के स्थानीय व लब्धप्रतिष्ठ व्यक्ति हों और विश्वविद्यालय को लम्बी और विशिष्ट सेवा प्रदान कर चुके हों।

संशोधित अध्यादेश १२ में साथ-साथ निम्नलिखित शर्तें है: ''उपरोक्त के अतिरिक्त कार्यकारिणी परिषद् के निर्णय के अनुसार एक असाधारण लब्धप्रतिष्ठ स्कॉलर को आजीवन विशिष्ट स्कॉलर/आचार्य बनाया जा सकता है।''

उपरोक्त के अनुपालन में, कार्यकारिणी परिषद् ने अपने संकल्प सं० १३२ दिनांकित दिसम्बर २६, २००९ द्वारा ऊपर संदर्भित प्रावधानों के अन्तर्गत बड़े स्तर पर विशिष्ट स्कॉलर/आचार्य के पद को प्रदान करने के लिए विचार किया और स्वीकृति प्रदान की। सभी संबंधितों के मध्य व्यापक परिचालन के लिए कथित योजना की एक प्रति संलग्न की गयी है।

अध्यादेश १२ के अन्तर्गत बड़े स्तर पर आजीवन विशिष्ट स्कॉलर/आचार्य का पद प्रदान करने की योजना।

१. उद्देशिका

किसी विश्वविद्यालय/अनुसंधान/शैक्षणिक संगठन का आचार्य अथवा लब्धप्रतिष्ठ शिक्षाविद् जो अपने क्षेत्र में प्राधिकृत स्थान रखता हो और उसकी विशिष्ट लम्बी सेवा विश्वविद्यालय/संगठन के साथ जुड़ी हों, को कुलपति की सिफारिश पर, अध्यादेश १२ में विहित प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यकारिणी परिषद् द्वारा आजीवन विशिष्ट स्कॉलर/आचार्य के रूप में नियुक्ति और पद प्रदान किये जायेंगे। कथित प्रस्थिति प्रदान करने पर, कार्यकारिणी परिषद् द्वारा, इस योजना के अन्तर्गत, ऐसे विशिष्ट स्कॉलरों को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का 'डिस्टिंगुईश्ड, प्रोफेसर पद दिया जायेगा। निबंधन व शर्तें और चयन प्रक्रिया इस योजना में दिये के अनुसार होगी।

२ चयन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आजीवन विशिष्ट स्कॉलरशिप प्रदान करना, केवल ऐसे स्कॉलर्स को दी जायेगी जिन्होंने अपने विशिष्ट कार्य के साथ राष्ट्रीय/वैश्विक पहचान प्राप्त की हो। ऐसी प्रतिष्ठा वाले सक्रिय शिक्षाविद्/अनुसंधानकर्ता जो निस्पादन मूलक (पुस्तक लेखन, निबन्ध लेखन, टिप्पणी इत्यादि) और जो विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण के योगदान की क्षमता रखते हों, इस योजना के अन्तर्गत कथित प्रस्थिति प्रदान करने हेतु अर्ह होगा। उपरोक्त प्रस्थिति प्रदान करने के लिए स्कॉलर्स के चयन की प्रक्रिया निम्नवत् होगी :

(अ) विश्वविद्यालय के आजीवन विशिष्ट स्कॉलरशिप के विचार के लिए कोई आयु सीमा नहीं होगी।

(ब) ऐसे पदों की प्राप्ति के लिए प्रस्ताव (जो पूर्व में बोर्ड चयन मानकों को पूर्ण करते हों), सम्बन्धित विभाग की पीपीसी से प्रस्तावित होना चाहिए।

कुलपति सुसंगत क्षेत्र के विशेषज्ञों से परामर्श करेंगे और प्रस्ताव के गुण-दोषों पर उनका मत करेंगे और उसी को कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत करेगें।

(स) उपरोक्त पैरा २ (ब) के प्रावधानों के होते हुए भी कुलपति दावेदार शिक्षाविद्/अनुसंधानकर्ता के कथित प्रस्थिति प्रदान के प्रस्ताव पर उसके गुण-दोष पर अपने मत सहित कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष विचारार्थ प्रेषित कर सकतें है।

३. कार्य

विशिष्ट प्रोफेसर विभाग के लिए मार्गदर्शक, फिलॉस्फर और हितैषी के रूप में कार्य करेगें। इसके परिपेक्ष्य में, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के विशिष्ट प्रोफेसर को निम्नलिखित प्रदर्शनात्मक समिति कार्यों के लिए समय-समय पर परिसर में आमंत्रित किया जायेगा:

(क) छात्रों/शिक्षक सदस्यों के लिए विशेष व्याख्यान देने हेतु।

(ख) अल्पकालिक विशेषज्ञ पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के संचालन और शोध छात्रों तथा शिक्षण सदस्यों के सहयोग के लिए।

(ग) वर्तमान पाठ्य विवरणों को समकालीन और प्रासंगिक स्वरूप प्रदान करने में मार्गदर्शन करना।

(घ) शोध पारियोजनाओं और उस क्रम में शिक्षकों के नवीन अनुसंधान क्षेत्रों और विकास के संकलनात्मकता को समाहित करना।

(ड़) विश्वविद्यालय के नियमित शिक्षकों का सह-अन्वेषक के साथ संयुक्त अनुसंधान परियोजना प्रस्तावों को जमा करना। हॉलाकि, ऐसी परियोजनाओं में प्रशासनिक और वित्तीय उत्तरदायित्व विश्वविद्यालय से सह-अन्वेषक के साथ रहेगा।

(च) सुसंगत क्षेत्र में मांग आधारित मार्ग निर्देशन प्रदान करना, साथ ही साथ,

(छ) विश्वविद्यालय के अन्य मामलों में जहाँ आवश्यक हो, मार्ग दर्शन प्रदान करना।

उपरोक्त में किसी बिन्दु के होते हुए भी, विशिष्ट प्रोफेसर को प्रशासनिक उत्तरदायित्वों के साथ नहीं जोड़ा जायेगा।

४ विशेषाधिकार

विशिष्ट प्रोफेसर निम्नलिखित विशेषाधिकारों के हकदार होंगे:

(क) एक विशिष्ट प्रोफेसर को विभाग का एक ''सम्मानित सदस्य'' माना जायेगा और उसे कार्यों के संचालित करने के लिए यथोचित सुविधायें विश्वविद्यालय के सम्बन्धित विभाग द्वारा प्रदान की जायेगी।

(ख) उसके शैक्षणिक कार्यों के उचित निष्पादन हेतु उसे पर्याप्त पुस्तकालयी सुविधायें भी प्रदान की जायेगी। हॉलाकि विभाग स्तर पर ही माँग आधारित प्रयोगशालायी सुविधाओं का प्रावधान जारी किया जायेगा।

(ग) बाहर से आमंत्रित किये गये विशिष्ट प्रोफेसर परिसर में व्यतीत किये गये दिनों के लिए यात्रा भत्ता, अतिथिगृह आवास, स्थानीय आतिथ्य और आसीन शुल्क (जैसा कि विश्वविद्यालय की एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति के लिए लागू है) प्राप्त करने का हकदार होगा। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय की तरफ से कोई अन्य वित्तीय प्रतिबद्धता नहीं होगी।

(घ) यदि किसी विशिष्ट प्रोफेसर के पास किसी वित्तीय अधिकरण की कोई संयुक्त परियोजना है जिसमें मानदेय और आकस्मिक व्यय का प्रावधान हो, तो उपरोक्त उसे देय होगा।

(ड़) विशिष्ट प्रोफेसर के परिसर भ्रमण की अवधि में किसी तत्कालीन आवश्यकता की स्थिति में विश्वविद्यालय के सरसुन्दरलाल चिकित्सालय में नयी चिकित्सा सुविधायें नि:शुल्क प्रदान की जायेंगी।

(च) परिसर में आवासीय सुविधा रखने वाले विश्वविद्यालय के शिक्षक, विशिष्ट प्रोफेसर के रूप में नियुक्त होने पर आवास को रखने के अधिकारी नहीं होंगे।